* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

27 अगस्त, 2024
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
मंगलवार, वर्ष 09, अंक 307

भाजपा-आजसू का विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,800 रु./10 ग्राम
चांदी	86,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
02

दो महीने में झारखंड भाजपा को एक नयी दिशा दी है हिमंता बिस्वा सरमा ने

■ पार्टी का हर एक नेता और कार्यकर्ता उन्हें अपने दिल के करीब पा रहा है

आजाद सिपाही विशेष

हिमंता जो बोलते हैं, वह करते हैं, और जो नहीं बोलते, वह तो डेफिनिटेली करते हैं। जब से भाजपा के फायर ब्रांड नेता हिमंता को झारखंड विधानसभा चुनाव का सह प्रभारी बनाया गया है, वह लगातार झारखंड भाजपा को नयी धार देने में लगे हुए हैं। झारखंड को जानने और पहचानने में लगे हुए हैं। हिमंता जनता से जुड़ना जानते हैं। उसके महत्व को वह पहचानते हैं। वह मात्र एक राजनीतिक शख्सियत के तौर पर जनता से नहीं जुड़ते, वह दिल से जनता से जुड़ते हैं। उन रिश्तों को आत्मसात करते हैं। वह कोशिश करते हैं कि वह जनता का दिल ही नहीं जीतें, वह उसका विश्वास भी जीतें। हिमंता और मुद्दा दोनों साथ-साथ चलते हैं। जमीनी मुद्दों की पहचान करने की ताकत, उनको अलग श्रेणी के नेताओं की कतार में लाकर खड़ा करता है। झारखंड में आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सियासी गतिविधियां उफान पर हैं। पिछले दो महीने से जिस एक शख्स ने राज्य में भाजपा की राजनीति को अलग धार दी है, उसका नाम है हिमंता बिस्वा सरमा। कहा जाता है कि राजनीति हमेशा अवधारणाओं पर निर्भर करती है और मानवीय संवेदनाओं का इसमें कोई स्थान नहीं होता, लेकिन असम के मुख्यमंत्री और झारखंड में भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड को जितनी तेजी से आत्मसात किया है, वह अकल्पनीय है। जून के तीसरे सप्ताह में नयी जिम्मेदारी मिलने के बाद से भाजपा के इस फायरब्रांड नेता ने झारखंड में नयी छाप छोड़ी है। हिमंता की राजनीति इसलिए भी अनोखी है, क्योंकि उसमें आक्रामकता के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और रिश्तों का रंग भी होता है। इसका एक उदाहरण उस समय मिला, जब हिमंता बिस्वा सरमा पाकुड़ के गायबथान पहुंच गये, जहां एक आदिवासी परिवार की जमीन पर वर्ग विशेष के लोगों ने कब्जा कर लिया था और उसके साथ मारपीट की थी। हिमंता बिस्वा सरमा उस गांव में पहुंच गये और उस परिवार की आर्थिक मदद भी करवा दी। वह बेंगाबाद भी पहुंच गये, जहां के एक हवलदार की एक शातिर अपराधी ने इलाज के क्रम में शेख भिखारी अस्पताल में हत्या कर दी थी। पिछले सप्ताह जब रांची में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने आक्रोश रैली का आयोजन किया, तो उसमें हिमंता बिस्वा सरमा की आक्रामक रणनीति का स्वरूप भी दिखा। वह जिस तरह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरते हैं, मुद्दे उठाते हैं और असम में अपनी सरकार के कामकाज को झारखंड के परिप्रेक्ष्य में तुलना करते हैं, तो ऐसा लगता है, मानो वह कोई मनपसंद खेल की बाजी चल रहे हैं। चाहे घुसपैठ का मुद्दा हो या राज्य की जनता की सुरक्षा का, आरक्षण का मुद्दा हो या बेरोजगारी का, हिमंता अपनी बात इतनी स्पष्टता से सामने रखते हैं कि सामने वाला स्तब्ध हो जाता है। यही कारण है कि पिछले चुनाव के बाद राजनीतिक रूप से शांत पड़ गयी झारखंड भाजपा आज नये जोश में दिखने लगी है। इनकी एक खासियत है। वह वन मैन शो की भूमिका में विश्वास नहीं करते हैं। यही कारण है कि वह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पार्टी के सांसद और विधायकों के साथ घुल मिल गये हैं। वह आम कार्यकर्ता की तरह पेश आते हैं और किसी भी मुद्दे को बहुत ही बारीकी से समझने की कोशिश करते हैं। इसमें वह पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संबंध बना कर उनका विश्वास जीतने की कोशिश करते हैं। हर कोई उनसे बात करने में अपने को सहज महसूस करता है। कौन हैं हिमंता बिस्वा सरमा और क्या है उनकी आक्रामक राजनीति की शैली, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

तारीख थी 17 जून, 2024। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए महज 13 दिन हुए थे। मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल शुरू ही हुआ था। संसदीय चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने का मलाल भाजपा को था, लेकिन लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का जोश भी था। इसी जोश के तहत पार्टी ने उन राज्यों की तरफ ध्यान मोड़ा, जहां विधानसभा के चुनाव होने थे। इन राज्यों में झारखंड भी था। पार्टी ने शिवराज सिंह चौहान को प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया और उनकी मदद के लिए सह प्रभारी के रूप में अपने फायरब्रांड नेता हिमंता बिस्वा सरमा को जिम्मेदारी सौंपी। ये दोनों नेता अगले ही दिन रांची आये और काम में जुट गये।

महज दो महीने बाद 25 अगस्त को नामकुम के गांव में पीएम मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण सुनने के लिए भाजपा के प्रदेश महासचिव और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने खिजरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए पीएम मन की बात को सुनने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। उसमें भाजपा के कई नेता एकत्र हुए थे, उनमें एक नाम हिमंता बिस्वा सरमा का भी था। उस कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री खिजरी के एक गांव हुवांगहातू पंचायत के लोगों के साथ इस तरह घुल-मिल गये थे कि लगता ही नहीं था कि वह किसी दूसरे प्रदेश के हैं। उन्होंने बुजुर्ग महिलाओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मांदर भी बजाया और हुवांगहातू पंचायत के ग्राम प्रधान शंकर सिंह मुंडा के घर में मुंडारी पारंपरिक भोजन ग्रहण किया। बता दें कि मुंडारी पारंपरिक आहार राज्य की खाद्य संस्कृति का महत्वपूर्ण भाग है। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया।

हिमंता बिस्वा सरमा ने पिछले दो महीने में झारखंड को जितना समझा और जाना है, वह अपने आप में अद्भुत है। झारखंड के लोगों से मिलना, उनके सामाजिक सरोकारों से खुद को जोड़ना और उनकी संस्कृति में खुद को ढाल लेना कम बड़ी बात नहीं है। हिमंता जिस काम को हाथ में लेते हैं, उसे अंजाम तक पहुंचाने का प्रयास निरंतर करते रहते हैं। कोई अगर उनके काम में बाधा पहुंचाने का प्रयास करता है, उन्हें घेरने की कोशिश करता है, उसे वह उसी के औजार से परास्त भी करने का दम रखते हैं।

कौन हैं हिमंता बिस्वा सरमा

2015 में भाजपा में शामिल हुए हिमंता बिस्वा सरमा इस समय भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते हैं। वह पार्टी के फायरब्रांड नेता हैं और बेहद बेबाक ढंग से अपनी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। देश के पूर्वोत्तर हिस्से में भाजपा के मुख्य रणनीतिकार हिमंता बिस्वा सरमा पार्टी के लिए अपरिहार्य होते जा रहे हैं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाद भाजपा के राजनीतिक और चुनावी रूप से सबसे चतुर दिमाग का मालिक माना जाता है। वह कठिन परिस्थितियों में भी सफल चुनावी अभियान चलाने की अपनी अनोखी क्षमता और स्थानीय जरूरतों के मुताबिक खुद को ढाल लेने की ताकत के कारण अलग पहचान रखते हैं। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री के रूप में अपनी प्रशासनिक क्षमता के कारण भी वह बेहद लोकप्रिय हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल होकर उन्होंने बहुत जल्द अपने आपको भाजपा की राजनीति में पूरी तरह फिट कर लिया। हिमंता बिस्वा सरमा शायद हाल के वर्षों में मोदी-शाह द्वारा हासिल की गयी सबसे अच्छी उपलब्धि हैं और आज उनकी सबसे बड़ी संपत्तियों में से एक हैं।

झारखंड के करीब आते जा रहे हैं हिमंता

झारखंड की सत्ता फिर से भाजपा को दिलाने के उद्देश्य से सह-प्रभारी बनाये गये हिमंता बिस्वा सरमा ने बड़ी तेजी से खुद को झारखंड के रंग में रंग लिया है। वह झारखंड भाजपा के एक-एक नेता और कार्यकर्ता से निजी रूप से जुड़ चुके हैं। इतना ही नहीं, झारखंड के अलग-अलग इलाकों के अलग-अलग मुद्दों के बारे में भी अपनी राय बना चुके हैं। यही कारण है कि संथाल परगना में जहां वह घुसपैठियों और आदिवासी संस्कृति की बात करते हैं, वहीं पलामू और कोयलांचल में पिछड़ेपन का मुद्दा उठाते हैं। रांची में वह झारखंड सरकार की नाकामियों पर करारा प्रहार करते हैं, तो ग्रामीणों के साथ बड़ी आसानी से घुल-मिल जाते हैं।

झारखंड भाजपा में अलग लेवल का जोश

पिछले सप्ताह भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रांची में जन आक्रोश रैली का आयोजन किया था। कहा जा रहा है कि इसे आकार हिमंता बिस्वा सरमा ने ही दिया था। रैली को लेकर एक अलग तरह की रणनीति बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सियासी नजरिये से देखा जाये, तो विपक्षी भाजपा ने पांच साल में पहली बार इतनी बड़ी रैली का आयोजन किया था। 2019 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर हो गयी इस पार्टी ने पिछले पांच साल में इस तरह का धारदार आंदोलन नहीं किया था। हालांकि 8 सितंबर 2021 को पार्टी ने विधानसभा घेराव का आयोजन जरूर किया था, लेकिन पार्टी चाह कर भी उस पर सियासी रंग नहीं चढ़ा सकी। विधानसभा घेराव का वह कार्यक्रम लाठी चार्ज, आंसू गैस और वाटर कैनन के इस्तेमाल के बाद खत्म हो गया था। भाजपा के बारे में कहा जाने लगा था कि वह विपक्ष की भूमिका भूल चुकी है। उसके नेता और कार्यकर्ता अब सत्ताप्रेमी हो गये हैं। इसलिए वे सड़क पर उतरने से हिचकते हैं। इस छवि से उबरने और कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए भाजपा के लिए आक्रोश रैली महत्वपूर्ण थी। पार्टी ने इसे सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। पार्टी का हर छोटा-बड़ा नेता इसके लिए सक्रिय था। भाजपा ने इस रैली के सहारे भाजपा कार्यकर्ताओं में धार पैदा कर दी है। भाजपा ने आक्रोश रैली के बहाने उन मुद्दों पर भी आम लोगों का ध्यान खींचा है, जो अक्सर उन्हें परेशान करते हैं। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और योजनाओं में गड़बड़ी जैसे मुद्दों को सामने लाकर भाजपा ने एक एजेंडा सेट कर दिया है।

कमाल की है प्रशासनिक क्षमता

हिमंता बिस्वा सरमा असम के मुख्यमंत्री भी हैं। लेकिन झारखंड में पार्टी का काम करने का मतलब यह नहीं है कि वह अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं देते। इसका एक उदाहरण यह है कि हाल ही में असम में बलात्कार की एक घटना हुई। हिमंता ने राज्य के डीजीपी को फोन किया और केवल इतना कहा कि असम को किसी भी हाल में बंगाल नहीं बनने देंगे। उसी दिन असम पुलिस ने चंद घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को क्राइम सीन पर ले जाया गया। उसके अंदर इतना डर समा गया कि क्राइम सीन से वह भाग कर तालाब में कूद गया। असम में ऐसा माहौल बना और लोग इतने जागरूक हुए कि बलात्कारी के गांववालों ने ऐसा प्रण ले लिया कि उसके शव को गांव में नहीं दफनाने देंगे। इसी तरह कुछ दिन पहले बांग्लादेश से घुसपैठियों का एक समूह भारत आने की कोशिश कर रहा था। असम पुलिस ने तत्काल 26 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार अपराध और दूसरे मुद्दों को लेकर कितनी संवेदनशील है, यह इन दो उदाहरणों से समझा जा सकता है।

अब हिमंता बिस्वा सरमा भाजपा को झारखंड की सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। इसमें उन्हें कितनी सफलता मिलती है, यह तो समय ही बतायेगा, लेकिन इतना तय है कि झारखंड के तमाम नेताओं को साथ लेकर वह पार्टीजनों के बीच एक सकारात्मक माहौल बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वह हर छोटे बड़े नेताओं को सम्मान की दृष्टि से देख रहे हैं। उनके मन में जितना सम्मान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को लेकर है, वही सम्मान एक अदना कार्यकर्ता और भाजपा के हर नेता, सांसद, विधायक के प्रति भी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड भाजपा के भीतर नया जोश भर दिया है।

राज्य पुलिस का व्यवहार सत्ताधारियों के लिए कुछ और विपक्षी दलों के लिए अलग : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को रांची पुलिस के ट्वीट पर तीखी प्रतिक्रिया दी। कहा कि रांची पुलिस की प्रतिक्रिया पढ़ी। प्रतिक्रिया पढ़ कर हतप्रभ हूं। रांची पुलिस ने लिखा है कि मुख्यमंत्री का पद एक उच्च स्तरीय संवैधानिक पद है, जिसकी सुरक्षा के सभी पहलू संवेदनशील होते हैं और इसके संधारण हेतु सभी को दृढ़ होना पड़ता है। बाबूलाल ने कहा कि एसएसपी, मोराबादी मैदान से सीएम आवास दो किलोमीटर की दूरी पर है। जगह-जगह बैरिकेडिंग पार कर भाजपा कार्यकर्ता सीएम हाउस ही तरफ नहीं बढ़े थे। सिर्फ मोरहाबादी मैदान के बगल में लगी कंटीली बैरेकेडिंग के पास सांकेतिक प्रदर्शन हुआ। लेकिन पुलिस ने जहरीली गैस आमजनों पर छोड़ी। आपकी जिम्मेदारी तब कहां थी पुलिस की सुरक्षा घेरा तोड़ लोग सीएम हाउस के पास तक आ गये थे। सड़क जाम कर दी गयी थी। तारीख याद ना हो तो 20 जनवरी को धारा 144 का आदेश और उसके उल्लंघन की तस्वीरें देख लीजिए। ये बस एक

तारीख मैंने बतायी है। दो किलोमीटर की दूरी पर भाजपा के कार्यकर्ता आपको सीएम की सुरक्षा खतरे में डालने वाले लग रहे हैं। जबकि 20 जनवरी 2024 को धारा 144 के बावजूद सीएम हाउस के गेट पर पहुंच कर सड़क जाम करने वाले पुलिस के कौन लगते हैं? ये रिश्ता क्या कहलाता है?

स्पष्ट है कि पुलिस का व्यवहार सत्ताधारी दलों के कार्यकर्ता के लिए कुछ और एवं दूसरे लोगों के लिए कुछ और है।

दूसरी बात आपने पुलिसिया कार्रवाई को उचित बताया है। फिर क्यों नहीं नामजद 52 लोगों समेत उन 12000 लोगों पर चार्जशीट दायर कर देते हैं, जिन्हें आपने एफआइआर में अभियुक्त बनाया है?

मैं 23 अगस्त को दुमका कोर्ट में था, फिर भी केस: रणधीर सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। भाजयुमो की 23 अगस्त को हुई युवा आक्रोश रैली में भाजपा के 51 नेताओं पर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इसमें कई मंत्री, सांसद और विधायकों के नाम भी शामिल हैं। राजधानी के कार्यपालक दंडाधिकारी संजय कुमार ने इन नेताओं पर सरकारी काम-काज में बाधा डालने और भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया है। प्राथमिकी में सारठ के विधायक रणधीर सिंह का नाम 14वें आरोपी के रूप में शामिल किया गया है। इस दिन विधायक रणधीर सिंह की दुमका कोर्ट में पेशी थी। श्री सिंह 12.30 बजे दुमका कोर्ट में पेश हुए थे। सारठ विधायक रणधीर सिंह मोरहाबादी मैदान में भाजयुमो की आक्रोश रैली में शामिल नहीं हुए थे। दुमका में 2010 के सूखा को लेकर एक आंदोलन के सिलसिले में उन पर मामला दर्ज हुआ था। उस वक्त रणधीर सिंह झारखंड विकास मोर्चा में थे। अभी श्री सिंह भाजपा से सारठ के विधायक हैं। 23 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में प्रदर्शन के दौरान जबरदस्त हंगामा हुआ था। पुलिस ने दर्ज केस में भाजपा नेताओं पर मुख्यमंत्री आवास घेराव की अनुमति के बिना रैली निकालने का आरोप लगाया है। साथ ही नेताओं पर विधि व्यवस्था बिगाड़ने और पुलिसकर्मियों पर पत्थर चलाते हुए हमला करने का आरोप लगाया है।

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने हिमंता बिस्वा सरमा पर किया पलटवार, पूछा

किसान आंदोलन क्या पाकिस्तान में हुआ था, 180 एफआइआर दर्ज हुई थीं

हिमंता को कहना चाहिए कि हम जेएमएम से डरे हुए हैं, हेमंत सोरेन का मुकाबला नहीं कर सकते

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेएमएम महासचिव और केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने सोमवार को प्रेसवार्ता में कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा बिना जानकारी के झारखंड में कानून सिखाने आ गये हैं। उन्हें बताना चाहिए कि किसान आंदोलन क्या पाकिस्तान में हो रहा था। ये वहीं हिमंता हैं, जिनकी पार्टी ने किसान आंदोलनकारियों को रोकने के लिए सड़कों पर कीलें लगा दीं। कंटीले तार और कंक्रीट के बैरियर लगा दिये। हिमंता बिस्वा सरमा तब कहां थे। उन्हें याद दिला दूं कि किसान आंदोलन के समय दिल्ली में 42 केस दर्ज किये गये। वहीं, हरियाणा में 138 केस दर्ज किये गये। कुल मिला कर एक आंदोलन में 180 एफआइआर दर्ज किये

गये। नामजद और लाखों अज्ञात के नाम पर केस दर्ज किये गये। दरअसल हिमंता को ये कहना चाहिए था कि हम डरे हुए हैं। हम जेएमएम का मुकाबला नहीं कर सकते। हम हेमंत सोरेन का मुकाबला नहीं कर सकते।

भाजपा डरी हुई है : सुप्रियो ने कहा कि इस साल चार राज्यों में चुनाव होने हैं। इसमें एक झारखंड भी है। पहले जम्मू-कश्मीर को विभाजित किया गया। लोकतंत्र को चोट पहुंचायी गयी। अब सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में आने पर वहां चुनाव कराये जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावों की तिथियों की घोषणा कर दी है। इन दोनों राज्यों में आचार संहिता भी लागू हो गयी है। इस बीच हरियाणा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने आयोग से हरियाणा में एक तारीख को होनेवाले चुनाव की तिथि बदलने की मांग की है। कहा कि देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब केंद्र में काबिज सत्तारूढ़ दल का नेता ही चुनाव की तिथि बदलने की मांग कर रहा है। इसका कारण ये है कि बीजेपी डरी हुई है। बीजेपी आज आतंकित है। बीजेपी लोगों के सामने आने से डर रही है। इसलिए चुनाव को स्थगित या टालना चाहती है। कहा कि इसका असर झारखंड में भी दिखायी पड़ा है। सुप्रियो ने भारत निर्वाचन आयोग को आगाह करते हुए कहा कि अगर आप हरियाणा का चुनाव पोसपोंड करते हैं तो, मान लेंगे कि आप भाजपा से प्रभावित हैं और इसका प्रभाव झारखंड में भी दिखेगा। सुप्रियो ने हिमंता पर तंज कसते हुए कहा कि जहर बोने वाले ऐसे लोग इस राज्य के हितैषी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि पराजय स्वीकार कर लीजिये और इस राज्य को स्थिर रहने दीजिए। सुप्रियो ने कहा कि यहां 23 तारीख को इन्होंने एक रैली की। इस रैली में बीजेपी से संबंध रखने वाले तमाम उपद्रवी शामिल थे। इन्होंने राज्य के सुरक्षाकर्मी और पुलिस प्रशासन पर जानलेवा हमला किया। ऐसे लोगों को आंसू गैस के गोले छोड़ कर नियंत्रित किया गया। ये लोग दस्ताने पहन कर आये थे और कटर अपने साथ लेकर आये थे। इन उपद्रवियों की ओर से पत्थर फेंके गये। पुलिसकर्मियों की हत्या करने की नीयत से पत्थर फेंके गये। कहा कि इसका वीडियो सभी के पास है।

इनकी बौखलाहट साफ दिख रही है

जेएमएम नेता ने कहा, दरअसल ये इनकी बौखलाहट है। इनकी बौखलाहट रविवार को असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के बयान में भी नजर आयी। बीजेपी अब राजनीतिक तौर पर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। सुप्रियो ने कहा कि कल हिमंता एक प्रेस वार्ता में घंटों मिला कि नहीं मिला कि नहीं.. करते रहे। ये राजनीतिक लड़ाई है। साथ ही कहा कि उन्होंने पुलिस की ओर से दर्ज की गयी प्राथमिकी का जिक्र किया और आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में प्राथमिकी दर्ज कराने के पीछे जेएमएम का हाथ है। उनका कहना था कि जेएमएम प्राथमिकी दर्ज करा कर बीजेपी की आवाज को दबाना चाहता है। सुप्रियो ने कहा कि बीजेपी की सरकारें विरोध करने पर बिना एफआइआर दर्ज कराये घरों को ढाह देती है। और यहां ये लोग एफआइआर से डर गये।

www.epaper.azadsipahi.in

27 अगस्त, 2024
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 09, अंक 307

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

जम्मू-कश्मीर में मोदी-शाह खुद संभालेंगे कमान

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

संताल की महिलाओं के मोबाइल में मैसेज आने की बजेगी घंटी

मुख्यमंत्री आज दुमका से बाटेंगे मंईयां सम्मान योजना की राशि

- गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ की महिलाओं को देंगे सौगात
- दुमका में कार्यक्रम की तैयारी पूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। संताल की महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना की राशि पहुंचने की मोबाइल मैसेज की घंटी मंगलवार को बजेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दुमका से अपनी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लिए डीबीटी के

माध्यम से राशि को हस्तांतरित करेंगे। महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये जायेंगे। दुमका में कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में है।

48 लाख से अधिक महिलाओं ने कराया है निबंधन: प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक मुख्यमंत्री मंईयां योजना को लेकर 48 लाख से अधिक महिलाओं ने निबंधन कराया है। अब तक 43 लाख से अधिक आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं। पिछले दिनों पलामू और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की महिलाओं को पहली किश्त दी जा चुकी है। अब मंगलवार को दुमका के जामा में योजना राशि के हस्तांतरण को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छह जिलों गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ की महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से डालेंगे।

हर महीने 15 तारीख को भेज दी जायेगी राशि

सम्मान योजना की पहली किस्त 31 अगस्त तक सभी को भेजने का लक्ष्य है। 30 अगस्त को दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के मुख्यालय रांची में कार्यक्रम होगा। हर महीने की 15 तारीख तक लाभुक महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये भेज दिये जायेंगे।

सुदेश महतो और अमित शाह की हुई मुलाकात

भाजपा-आजसू का विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला

2019 में दोनों दल अलग-अलग चुनाव मैदान में उतरे थे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/नयी दिल्ली। झारखंड विधानसभा का चुनाव भाजपा और आजसू मिल कर लड़ेगी। आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम मिल कर झारखंड की 81 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे।

गौरतलब है कि सुदेश महतो ने सोमवार को नयी दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच झारखंड की राजनीतिक स्थिति को लेकर चर्चा हुई। साथ ही गठबंधन पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं के बीच आगामी विधानसभा चुनाव गठबंधन में

लड़ने पर सहमति बन गयी है। अभी सीटों को लेकर कोई घोषणा नहीं की गयी है।

गौरतलब है कि 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और आजसू के बीच गठबंधन नहीं हुआ था। दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। आजसू ने 50 से अधिक सीटों पर उम्मीदवार उतार दिये थे। गठबंधन में टूट का नुकसान भाजपा और आजसू दोनों ही दलों को उठाना पड़ा था। चुनाव के बाद भाजपा और आजसू साथ-साथ हो गये। लोकसभा चुनाव 2024 में दोनों दलों के बीच गठबंधन हुआ। दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा।

न्यूज रील्स

बांग्लादेश में फिर हिंसा, 50 घायल

ढाका। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंसा हुई। रविवार देर रात होमगार्ड (अंसार ग्रुप) और छात्रों के बीच झड़प हो गयी। झड़प में 50 लोग घायल हुए हैं। दरअसल अंसार ग्रुप पिछले दो दिनों से प्रदर्शन कर रहा था। अंसार ग्रुप एक पारामिलिट्री फोर्स है। अंसार ग्रुप की मांग है कि उनकी नौकरियों को स्थायी किया जाये। अंसार ग्रुप के कई सदस्य सचिवालय पहुंच गये। उन्होंने गेट बंद कर दिया। किसी भी सरकारी अधिकारी को बाहर आने नहीं दिया। अंतरिम सरकार में मंत्री नाहिद इस्लाम और स्टूडेंट संगठन के कुछ सदस्य भी अंदर कैद हो गये। उन्होंने फेसबुक के जरिए सैकड़ों छात्रों से सचिवालय आने की अपील की। जब भारी संख्या में छात्र सचिवालय की ओर बढ़े तो वहां पहले से मौजूद अंसार ग्रुप के मेंबर्स से उनकी भिड़ंत हो गयी।

कंगना को किसान आंदोलन पर बोलने की इजाजत नहीं: भाजपा

नयी दिल्ली। भाजपा ने एक्ट्रेस-सांसद कंगना रनोट के उस बयान से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान रेप-मर्डर होने की बात कही थी। भाजपा ने सोमवार को भाजपा की प्रेस रिलीज जारी की। इसमें लिखा है कि पार्टी कंगना के बयान से असहमत है। उन्हें पार्टी के नीतिगत मुद्दों पर बोलने की इजाजत नहीं है। वे पार्टी की तरफ से बयान देने के लिए अधिकृत भी नहीं हैं। भाजपा ने कंगना को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर आगे कोई बयान न दें।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी में सीट शेयरिंग फाइनल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग सोमवार को फाइनल हो गयी। केंद्र शासित प्रदेश की 90 सीटों में नेशनल कांफ्रेंस 51 और कांग्रेस 32 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पांच सीटों पर फ्रेंडली फाइट होगी। दो सीटें सीपीआइ (एम) और पेंथर्स पार्टी को मिली हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, सलमान खुर्शीद और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हामीद कर्रा ने सोमवार को श्रीनगर में नेशनल कांफ्रेंस के सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला के घर जाकर मुलाकात की।

राजस्थान और मध्यप्रदेश में बनेगा श्रीकृष्ण गमन पथ

डीग (भरतपुर)। भगवान कृष्ण की जन्म स्थली मथुरा से लेकर उनकी शिक्षा स्थली उज्जैन को धार्मिक सर्किट के जरिये जोड़ा जायेगा। यह धार्मिक सर्किट करीब 525 किलोमीटर का हो सकता है। यह सर्किट राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार मिलकर बनाएंगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण गमन पथ बनाने की घोषणा की।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में आरोपी संजय ने जुर्म कबूला

पॉलीग्राफ टेस्ट में कहा, घटना से पहले शराब पी, रेडलाइट एरिया गया, गर्लफ्रेंड से न्यूड तस्वीरें मांगीं

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने पॉलीग्राफ टेस्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। संजय ने कहा कि उसने रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर की हत्या की। घटना को अंजाम देने से पहले वह रेड लाइट एरिया गया था। रास्ते में भी एक लड़की को छेड़ा और गर्लफ्रेंड से न्यूड तस्वीरें मांगी थीं।

गौरतलब है कि पुलिस कस्टडी में भी संजय ने रेप और मर्डर की बात स्वीकार की थी। संजय का यह कबूलनामा मर्डर और रेप के 18 दिन बाद सामने आया है। 8 और 9 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में लड़की की अर्धनग्न बॉडी मिली थी।

पॉलीग्राफी टेस्ट में ये बातें कही: प्राप्त जानकारी के अनुसार सीबीआइ और सेंट्रल फोरेंसिक टीम के सदस्यों ने रविवार को तीन घंटे संजय का पॉलिग्राफ टेस्ट किया। संजय ने कबूला कि उसी ने ट्रेनी डॉक्टर का रेप करने के बाद हत्या की थी। संजय ने टेस्ट के दौरान सीबीआइ को बताया कि उसने 8 अगस्त को अपने एक

दोस्त के साथ शराब पी थी। इसके बाद वह रेड लाइट एरिया गया। रास्ते में उसने एक लड़की को मॉलेस्ट किया। इसके बाद संजय ने देर रात अपनी गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात की न्यूड तस्वीरें मांगीं। संजय ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे वह हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल पहुंचा, जहां ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के बाद वह सुबह अपने दोस्त के घर गया। उसका दोस्त कोलकाता पुलिस में ऑफिसर था।

डेरेक ओ' ब्रायन बोले सारी हदें पार कर दी

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ' ब्रायन ने कहा कि आप अपनी गंदी चालों से राजनीतिक रूप से लड़िए। आपने ऐसा पहले भी किया है, लेकिन आज तो सारी हदें ही पार कर दी। बच्चों को धमकाना बंद कीजिए। अपने निम्नस्तरीय शब्दों से हमारे राष्ट्रीय महासचिव की बेटी को धमकाने वाले के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसे बंद कीजिए।

सांसद अभिषेक बनर्जी की बेटी को मिली धमकी

कोलकाता (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की 11 साल की बेटी को रेप की धमकी दिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डब्ल्यूबीसीपीसीआर) ने खुद नोटिस लिया है। डब्ल्यूबीसीपीसीआर ने कहा कि जिस शख्स ने यह अभद्र टिप्पणी की है, उसका इरादा एक नाबालिग लड़की की गरिमा को ठेस पहुंचाना और उसकी सुरक्षा को खतरे में डालना है। पुलिस को पोक्सो, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और यूएन कन्वेंशन ऑन राइट्स ऑफ अ चाइल्ड के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। जानकारी के मुताबिक कोलकाता आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर की घटना के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया था, जिसमें प्रदर्शन में आए एक व्यक्ति ने अभिषेक बनर्जी की बेटी को रेप की धमकी दी। उसने सार्वजनिक रूप से ये भी कहा कि इस काम को अंजाम देने वाले को 10 करोड़ रुपये का इनाम दिया जायेगा।

अलकायदा मॉड्यूल के सरगना इश्तियाक के करीबी बबलू खान से इडी ने की पूछताछ

करोड़ों रुपये के लेन-देन की मिल रही जानकारी

जमीन घोटाले में टेरर फंडिंग होने की संभावना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने झारखंड जमीन घोटाले का संबंध टेरर फंडिंग से होने के आरोपों की बाबत छानबीन शुरू कर दी है। इडी ने सोमवार को बबलू खान से पूछताछ की। इडी के अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि जमीन घोटाले के आरोपियों का पैसा अलकायदा इन इंडियन सब कॉटिनेंट की फंडिंग में तो नहीं लगा है।

गौरतलब है कि इडी ने पिछले दिनों बबलू खान को समन जारी किया था। बबलू खान सोमवार को इडी कार्यालय पहुंचा। उससे अधिकारियों ने लंबी पूछताछ की। अधिकारियों का फोकस जमीन घोटाले के आरोपियों का पैसा अलकायदा इन इंडियन सब कॉटिनेंट की फंडिंग में लगा है या नहीं उस पर था। हालांकि आधिकारिक रूप से पूछताछ में बबलू ने क्या-क्या बताया यह जनाकारी अभी नहीं दी गयी है। सूत्रों के मुताबिक इडी को करोड़ों रुपये के लेन-देन की जानकारी मिली है। इडी बबलू खान के बयान की पुष्टि करेगी। इसके बाद फिर आगे की कार्रवाई करेगी।

जमीन घोटाले की जांच में नाम आया सामने

बता दें कि झारखंड एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने अलकायदा इन इंडियन सब कॉटिनेंट के मॉड्यूल से जुड़े केस में इश्तियाक अहमद को गिरफ्तार किया था। वह लेक व्यू अस्पताल का संचालक भी है। सूत्रों ने बताया कि इडी ने अपनी शुरुआती जांच में पाया है कि बबलू खान झारखंड जमीन घोटाला मामले में उसकी ओर से गिरफ्तार किये गये दो आरोपियों (रिम्स के कर्मचारी अफसर अली और तल्हा खान) का रिश्तेदार है। सबूत और दस्तावेजों के विश्लेषण से यह भी पता चला है कि रांची के बरियातू इलाके में एक नर्सिंग होम के जरिए बबलू खान भी कथित तौर पर इश्तियाक से जुड़ा था।

पिछले दिनों हुआ आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार करने के बाद अल-कायदा के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया था। दिल्ली पुलिस ने झारखंड, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से तीन अन्य को हिरासत में लिया था। पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा था कि टेरर मॉड्यूल के संचालन का नेतृत्व रांची का इश्तियाक कर रहा था। वह खिलाफत लागू करने और देश में गंभीर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की इच्छा रखता था।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने नियुक्त किये चार नये प्रवक्ता

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को चार नये प्रदेश प्रवक्ताओं की नियुक्ति की। प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने पत्र जारी कर नियुक्ति की घोषणा की। नये नियुक्त प्रवक्ताओ में पूर्व सांसद गीता कोड़ा, रांची से प्रदीप सिन्हा, चाइबासा से अजय शाह और जमुआ गिरिडीह से विजय चौरसिया शामिल हैं। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

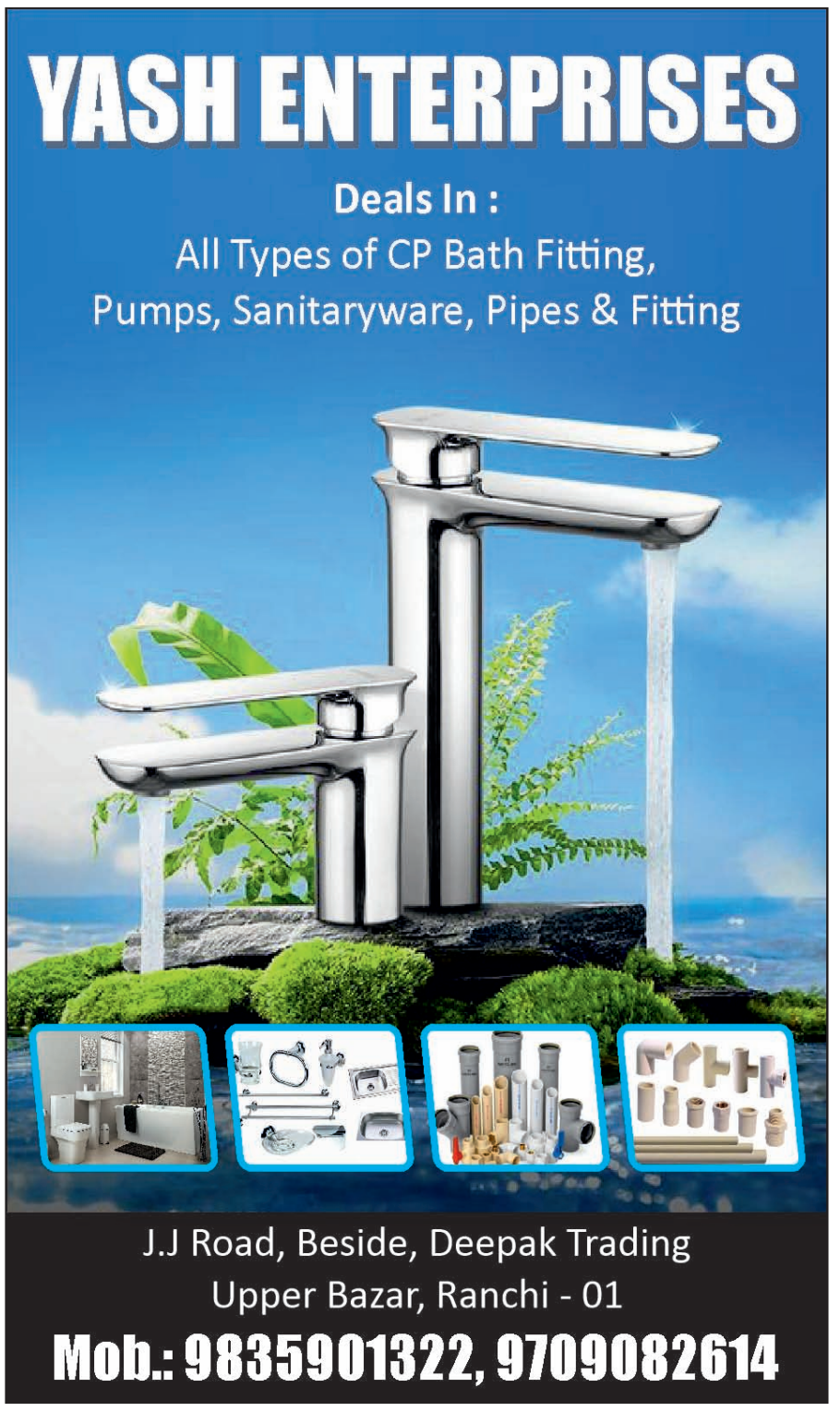

30 अगस्त को चंपाई सोरेन भाजपा में होंगे शामिल

सोमवार की देर रात नयी दिल्ली में अमित शाह से हुई मुलाकात, हिमंता बिस्वा सरमा थे साथ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अटकलों पर विराम लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भाजपा में 30 अगस्त को शामिल होंगे। रांची में एक कार्यक्रम होगा, पूर्व सीएम भाजपा का दामन थाम लेंगे। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनकी दिल्ली में मुलाकत हुई, वहीं पूरी रूपरेखा तय की गयी है। चंपाई सोरेन के साथ भाजपा के झारखंड विधान सभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा भी थे। करीब 25 मिनट तक चंपाई सोरेन की अमित शाह से बातचीत हुई है। इधर इस मुलाकात के बारे में हिमंता विस्वा सरमा ने ट्वीट कर मुलाकात की तस्वीर भी डाली है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के जन्माष्टमी महोत्सव में भगवान श्री कृष्ण-बाल रूप धारण कर पधारे

- बाल गोपाल प्रतियोगिता में 6 महीने से 12 वर्ष तक के 100 से ज्यादा बच्चों और बच्चियों ने फैंसी ड्रेस के साथ भाग लिया
- भव्य नृत्य प्रस्तुति संग बाल लीलाओं के भक्तों ने भावपूर्ण मनोरम दर्शन का आनंद लिया, दही हांडी प्रतियोगिता का उद्घाटन आज राज्यपाल करेंगे
- मुख्य अतिथि के रूप में बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा सहित कई लोग होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के तत्वावधान में अल्बर्ट एक्का चौक मेन रोड में सोमवार को दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव सायं को श्री गणेश स्तुति के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर श्री कृष्ण के बाल गोपाल, झांकी प्रतियोगिता में 100 से ज्यादा बच्चों, बच्चियों ने श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता दो ग्रुप में आयोजित की गयी थी। प्रथम ग्रुप में 6 महीने से 6 वर्ष तक के करीबन 70 बच्चों ने हिस्सा लिया। वहीं द्वितीय ग्रुप में 7 साल से 10 साल तक के 40 बच्चों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने बालकृष्ण के रूप और फैंसी ड्रेस के साथ हिस्सा लिया। रंग बिरंगी ड्रेस, हाथ में बांसुरी, पांव में घुंघरू, हाथों में कड़े, गले में सुंदर सी माला बच्चों की यह झलक लोगों को अति सुंदर और मनमोहक लगी। मानो सचमुच वृंदावन से कन्हैया स्वयं बाल रूप में माखन खाने पहुंच चुके हैं। दीप प्रज्ज्वलित कर श्री कृष्ण के बाल रूप झांकी सहित द्वारकाधीश के रूप झांकी, कालिया नाग मंथन झांकी, रजरप्पा मंदिर सहित कारगिल युद्ध की झांकी का उद्घाटन महाधिवक्ता राजीव रंजन, सांसद सह रक्षा मंत्री संजय सेठ, महेश पोद्दार, अध्यक्ष मुकेश काबरा, वरुण साहू के संग रांची की सामाजिक व धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के अध्यक्ष/सचिव पदाधिकारी द्वारा किया गया।

6 महीने से 6 वर्ष तक (ग्रुप ए) के बच्चों के चयन में रियांश राज को प्रथम पुरस्कार, वैभव शर्मा को द्वितीय पुरस्कार और श्रावणी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। 7 साल से 12 साल (ग्रुप बी) तक के बच्चों में प्रथम पुरस्कार - अभिराज, द्वितीय वैभव श्रीशर्मा, निशाद के बीच वितरण किया गया। सभी बच्चों को मोमेंटो समिति की ओर संजय सेठ व समिति सदस्यों ने देकर उनका स्वागत किया गया।

इसके अलावा सभी बच्चों के बीच सांत्वना पुरस्कार उपहार स्वरूप वितरण किया गया। इस अवसर पर कन्हैया इवेंट के द्वारा भव्य नृत्य प्रस्तुति का लोगों ने आनंद उठाया। साथ ही साथ धरित्री कला केंद्र की गार्गी मलकानी के नेतृत्व में छोटे-छोटे बच्चियों ने नृत्य नाटिका के द्वारा प्रस्तुति दी। सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री कृष्ण को मोटे अनाज सहित माखन मिश्री, पंजीरी, फल, रबड़ी का भोग भी लगाया गया जिसे जन मानस के बीच वितरण किया गया।

दही हांडी फोड़ो प्रतियोगिता सह भजन संध्या आज

27 अगस्त को दही हांडी फोड़ो प्रतियोगिता सह भजन संध्या सहित नित्य नाट्य मंचन का आयोजन रखा गया है। दही हांडी प्रतियोगिता सह नृत्य नाटिका का उदघाटन राज्यपाल करेंगे। बाल गोपाल झांकी प्रतियोगिता में पूनम आनंद, कुमुद झा, राजश्री जयंती, नीलम चौधरी, नीतू सिंह सहित समिति की महिलाओं ने अपना योगदान दिया। आयोजन को सफल बनाने में संजय सेठ, सीपी सिंह, मुकेश काबरा, जवाहर तनेजा, कुणाल आजमानी, रविंद्र मोदी, रमेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष राम बांगड़, संजय जायसवाल, प्रमोद सारस्वत, संजय पोद्दार, संजीव विजयवर्गीय, पूर्व पार्षद सुनीता, राज वर्मा, ललन श्रीवास्तव,मनोज तिवारी, भीषम सिंह, नीरज कुमार, नीरज चौधरी, सतीश सिंहा, सतेंद्र सिंह गुड्डू ,राजीव सहाय, विपिन वर्मा, मनोज कुमार, आनंद श्रीवास्तव, प्रकाश धेलिया, लल्लू सिंह, संतोष सेठ,रामशंकर बगड़िया, जुगल दरगढ़, कवल जीत सिंह संटी, अजय वर्मा, अशोक पुरोहित, मनीष लोधा, अमित चौधरी, वीरेंद्र गुप्ता सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा।

मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि जन्माष्टमी का यह पावन पर्व सभी के जीवन में खुशियां लाये। सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें। यही कामना करता हूं।

महत्वपूर्ण खबरें

रांची स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। सोमवार को रांची स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तृतीय त्रैमासिक बैठक स्टेशन प्रबंधक राज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। इस बैठक में रांची रेलवे स्टेशन पर राजभाषा अधिनियमों एवं नियमों के कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा की गयी। बैठक में रांची रेल मंडल के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी सुनील कुमार सिन्हा, आशुतोष कुमार मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, योगेंद्र कुमार सहायक उप निरीक्षक, संजय प्रसाद प्रधान आरक्षी, निरज कुमार मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, सुजीत कुमार वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (कार्य), बी राजेश्वर राव मुख्य वाणिज्य पर्यवेक्षक एवं सभी पर्यवेक्षक इकाई के प्रभारी उपस्थित थे।

सीबीए डॉक्टर्स मीट 2024 का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। संगम गार्डन रांची में सीबीए मेंबर्स और डॉक्टर्स कॉन्क्लेव में 60 डॉक्टर्स शमलित हुए। सीबीए फाउंडर्स में से सीबीए राज वर्मा एवं सीबीए देव सिन्हा ने डॉक्टर्स को उनके कार्य उपलब्धि और सेवा भावना के लिए सर्टिफिकेट से सम्मानित किये। सीबीए के दारा शुरुआत किये गये सम्मान कायस्थ रत्न अवॉर्ड से डॉ सीबी सहाय एवं डॉ केपी सिन्हा को समानित किया गया। इस मीट में सीबीए के प्रेसिडेंट सीबीए अभिमन्यु लाल, वाइस प्रेसिडेंट सीबीए अर्पित कुमार, सेक्रेट्री सीबीए रंजन सिन्हा, विशाल कुमार, सौरव स्वरूप, अमित श्रीवास्तव, रवि कुमार, राकेश रोशन, सौरव बोस, अनीश, पियूष, अमरेंद्र श्रीवास्तव, जितेंद्र सिन्हा, पंकज पियूष, आनंद गौरव, रवि सिन्हा राजीव शेखर, रूमी शेखर आदि मौजूद थे।

स्वास्तिक इएनटी हॉस्पिटल में मुफ्त चिकित्सा शिविर कल

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के इटकी रोड हेहल स्थित स्वास्तिक इएनटी सेंटर एंड हॉस्पिटल में 28 अगस्त को मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नाक कान गले की बीमारी का निशुल्क इलाज किया जायेगा। शिविर का समय दिन के 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक है। इस शिविर में गोल्ड मेडलिस्ट और इएनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर अभिषेक श्रीवास्तव मरीजों की नाक कान गले की बीमारी की जांच करेंगे। डॉक्टर अभिषेक श्रीवास्तव को चिकित्सा क्षेत्र में 18 वर्षों का अनुभव प्राप्त है। जो मरीज इस शिविर में शामिल होना चाहते हैं वह 9470140776 या 94301 43616 पर संपर्क कर सकते हैं।

शारदा ग्लोबल स्कूल में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

भक्ति गीतों, नाटिकाओं, झांकियों और मटकीफोड़ कार्यक्रम ने मोहा सबका मन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने कन्हैया के जीवन के विविध रूपों को भजन, नाटकों, मनमोहक झांकियों एवं विविध जीवंत प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि अमित कुमार आइएएस (गवर्मेंट ऑफ झारखंड, सीइओ ऑफ स्मार्ट सिटी), गेस्ट ऑफ ऑनर यामिनी कुमार एवं आदित्य स्वरूप उपस्थित थे। विद्यालय के डायरेक्टर दीपक बंका, अनुज रंजन, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ रंजना स्वरूप, प्राचार्या जसमीत कौर, दीपा बंका, आकांक्षा सिन्हा उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित झांकियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शारदा ग्लोबल ने जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण के जीवन के प्रत्येक पक्ष की जो जीवंत झांकियां प्रस्तुत की उससे लगा कि हम वृंदावन में प्रत्यक्ष रूप से श्रीकृष्ण की लीलाएं देख रहे हैं। डायरेक्टर दीपक बंका ने कहा कि श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन एक सीख और प्रेरणा है। उन्होंने हमें सिखाया है कि प्रेम एवं सहयोग से हम सभी समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ रंजना स्वरूप कहा ने कहा कि माखन चोर का माखन वास्तव में जीवन का सार है। विद्यालय की प्राचार्या ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने एवं उसे जीवन में लागू करने की सीख दी।

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की...

श्री राधाकृष्ण मंदिर कृष्णा नगर कालोनी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

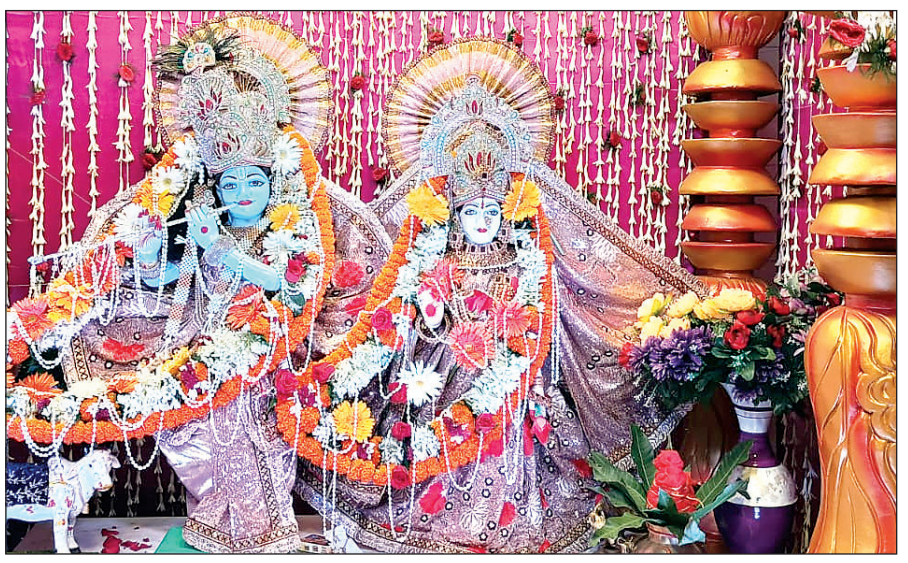

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिसमें श्रीमद् भागवत गीता का पाठ संस्कृत में पंडितों द्वारा समय सुबह 11:00 बजे से 1:00 बजे तक पढ़ा गया सुबह से ही मंदिर परिसर पर भक्तों का ताता लगा रहा एवं पूरा माहौल भक्ति में हो गया। दोपहर में समय 2:30 बजे से 6:00 बजे तक श्री हरि गीता जी का सामूहिक पाठ किया गया। रात्रि 9:00 बजे से श्री दुर्गा जागरण मंडली के केसर पपनेजा, मनोज किंगर, चंदन सिडाना एवं पवन मनुजा ज्योति अरोड़ा एवं उत्तर प्रदेश के वृंदावन से आये सुप्रसिद्ध गायक रसिक पुराण पागल जी द्वारा भजनों की गंगा बहाई गयी।

श्री कृष्ण दरबार का विशेष श्रृंगार किया गया एवं मंदिर को विशेष रूप से सजया गया भगवान के जन्म पर अलौकिक झांकी प्रस्तुत की गयी एवं मंदिर परिसर में आकर्षण का केंद्र रहे बाल गोपाल एवं राधा रानी का स्वरूप धारण किए हुए बच्चों ने पूरे मंदिर परिसर को कृष्णमय कर दिया। इस मौके पर सांसद संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह, रमेश सिंह, अशोक यादव, पूर्व पार्षद सुनीता देवी दिलीप गुप्ता सभी ने भगवान के दरबार पर हाजिरी लगायी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी अरुण जसूजा के द्वारा दी गयी।

इसके उपरांत रात्रि 12 बजे भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय शंखनाद एवं ढोल नगाड़ों से पूरा मंदिर परिसर कृष्णमय हो गया उसके उपरांत आरती अरदास एवं प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोहर लाल जसूजा, मुखी राधेश्याम, किंगर चंद्रभान, तलेजा केशर पपनेजा, रामचंद्र तलेजा, नंदकिशोर अरोड़ा, मनोज किंगर, हरीश अरोड़ा, किशोरी किंगर, चुन्नीलाल पपनेजा, चंदन सिडाना, अरुण जसूजा, किशोरी पपनेजा, गौरीशंकर मादनपोत्रा, हरीश मनुजा, प्रवीण घई, विशाल अरोड़ा, कमल घई, नरेश खत्री, हरीश नागपाल, नरेश अरोड़ा, मुकेश तलेजा, विजय जसूजा, विनीत अरोड़ा, पंकज गक्कड़, शालू मिड्ढा, सुनीता विज, संगीता मादनपोत्रा, ऋचा मिड्ढा, भावना किंगर, पिंकी तलेजा छाया पपनेजा समेत समाज के कई लोगों का अहम योगदान रहा।

श्री श्याम मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव भक्तिमय वातावरण में मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव अत्यंत उत्साह के साथ भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया। रंग बिरंगे बैलूनों की कलामत्तक व विद्युत की रंगीन लड़ियों से रोशनी बिखेर रही थी। साथ ही इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु का मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान हनुमान जी एवं शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्री कृष्ण लीला पर आधारित झांकियां भक्तों का मन मोह रही थी। मुख्य आकर्षण था रजत झूले पर मधुर मुस्कान के साथ विराजमान लड्डू गोपाल का दिव्य दर्शन। श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा गणेश वंदना के साथ संगीतमय संकीर्तन का शुभारम्भ किया गया। बस इतनी तमन्ना है हे श्याम तुम्हें देखूं। कन्हैया बांसुरी वाले तुम्हारी याद आती है। छोटी छोटी गैया छोटे छोटे ग्वाल इत्यादि भजनों की गंगा में श्रद्धालु गोते लगाते रहे। रोहिणी नक्षत्र में रात्रि 12 बजते ही मंदिर परिसर ढोल नगाड़े, घंटा घड़ियाल व शंख ध्वनि से गूंज उठा। भक्तगण नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की, की धुन पर झूम उठा साथ ही महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश चन्द्र सारस्वत, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, अशोक लाठ, प्रमोद बगड़िया, विकास पाड़िया, नितेश लाखोटिया, विवेक ढांढनिया, अमित जलान, गौरव परसरामपुरिया, प्रियांश पोद्दार का अहम सहयोग रहा।

भव्यता और भक्ति भाव से मनी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

श्री श्याम मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल रांची द्वारा संचालित हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भगवान श्री कृष्ण के 5249 वें जन्मोत्सव के अवसर पर दर्शन- पूजन- वंदन में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः 5:00 बजे मंदिर खुलते ही भक्त उमड़ पड़े। प्रातः 5:30 बजे मंगला आरती एवं भोग के बाद मंदिर कपाट थोड़े समय के लिए बंद करके प्रातः कालीन विशेष श्रृंगार कर श्रृंगार आरती एवं भोग लगाया गया। श्रृंगार के फूल कोलकाता से मंगाये गये जिनमें रजनीगंधा मोती मुरगन एवं तुलसीदल से भगवान का श्रृंगार किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि श्री श्याम मंदिर में इस वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आठवां कार्यक्रम है। बताया कि रात्रि 8:30 बजे से भजन संकीर्तन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मंडल के श्रवण ढांढनिया श्याम सुंदर शर्मा गौरव अग्रवाल मोनू साकेत ढांढनिया सलज अग्रवाल, पंकज गाड़ोदिया आदि ने दरबार में भजन गायन करके भजनों की शुरूआत की। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में भजन श्रृंखला में धनबाद से आयी सिमरन कौर ने कई प्रिय भजनों का गायन कर भक्तजनों को भक्ति के सागर में झुमाया। अनेक भक्तगण अपने छोटे-छोटे बच्चों को राधा कृष्ण के रूप में लेकर आये थे। पूरा मंदिर परिसर खाटू नरेश भगवान श्री कृष्ण लड्डू गोपाल भारत माता के जयकारों से गूंज रहा था। भगवान श्री कृष्ण का जन्म समय होते-होते पूरा मंदिर परिसर खचाखच भर गया। गर्भगृह के बाहर लड्डू गोपाल जी का झूला सजाया गया था जहां से वह भक्तों को आशीष प्रदान कर रहे थे। शंख ध्वनि घंटा घड़ियाल की गूंज के साथ सभी गर्भगृह के परदे खोल दिये गये। रात 12:00 बजे पट खुलते ही बाबा की पांच दीपों की आरती की गयी। लड्डू गोपाल की आरती यजमान श्री द्वारा की गयी।

कोल्हान विश्वविद्यालय के चयनित प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र होगी पूरी, राज्यपाल से मिला आश्वासन

चयनित प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में राजभवन में की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में सोमवार को कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए जेपीएससी परीक्षा द्वारा चयनित 17 इतिहास विषय के शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की। चयनित प्राध्यापकों में विनोद कुमार लोहरा, हेमा लकड़ा, मुक्तारानी ओड़ेया, मैरी नीला हांसदा, कविता कुमारी, अरविंद कुमार साहू, विकास नंदन, साकेत बिहारी, प्रदीप झा शामिल हैं। कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2018 में विज्ञापन द्वारा इतिहास विषय के 17 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हुई थी। 31 अक्टूबर 2023 को जेपीएससी द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा की गयी। कोल्हान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट द्वारा भी 2 फरवरी 2024 को नियुक्ति की अनुशंसा की जा चुकी है, परंतु विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति के नहीं होने के कारण अनुमोदन की संचिका कुपाधिपति कार्यालय में लंबित है। राज्यपाल ने इस संबंध में चयनित सहायक प्राध्यापकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने का भरोसा दिलाया।

असम मुख्यमंत्री के हलचल मात्र से झामुमो की नींद हराम : प्रदीप वर्मा

- **झामुमो के वादे ही उनके लिए कांटे बन गये**
- **झामुमो यही भाईचारा प्रेम की बात गोपीनाथपुर, गायबथान में बताता तो राज्य का भला होता**

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि झामुमो की बेचैनी बढ़ गयी है। रात की नींद हराम हो चुकी है। जबसे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का झारखंड में सांगठनिक प्रवास तेज हुआ है। उन्होंने कहा कि आंदोलन की उपज बताने वाली पार्टी और नेता आज लोकतांत्रिक आंदोलन का मजाक उड़ा रहे। उन्हें बताना चाहिए कि भाजपा के नेतृत्व में लगातार 5 वर्षों से अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार, लूट वादा खिलाफी पर सदन से सड़क तक आंदोलन चल रहे हैं। इसके पूर्व पारा शिक्षकों, पुलिसकर्मियों, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, अनुबंध कर्मियों ने आंदोलन किया। आज भी कर रहे, क्या सभी हत्यारे हैं, आपके वादों को याद कराकर अधिकार मांगना उन्हें नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी झामुमो निर्लज्जता की सीमा लांघ रहा। आज भी वे युवाओं को नौकरी देने, किसानों के ऋण माफ कर देने, महिलाओं को सम्मान देने की झूठी बातें प्रेसवार्ता में कर रहे। यह सब ठगबंधन सरकार ने कर दिया होता तो लोग क्यों सड़कों पर उतरते। उन्होंने कहा कि आज उनके वादे ही उनके लिए कांटे बन गये। जब-जब भाजपा याद दिलाती है तो उन्हें दर्द होने लगता है। वे अपनी नाकामियों पर पर्दा डालना चाहते। इसके लिए प्रशासनिक तंत्र का खुल्लम खुल्ला दुरुपयोग करते हैं। झामुमो को सब भाईचारा दिखता क्योंकि वोट बैंक, तुष्टिकरण उनके रग-रग में है। झामुमो जितना ताकत भाजपा पर लगा रही उतनी ताकत बांग्लादेशी घुसपैठियों से गायबथान के आदिवासी की जमीन वापस करने में लगाती तो कुछ भला होता। आज गोपीनाथ पुर के लोग गांव छोड़कर भाग रहे। झामुमो सत्ता की रोटी सेंकने में लगा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की टीम के दौरे मात्र से झामुमो को दौरा चढ़ जाता है। लेकिन कुर्सी का अंत तो आना है। कुर्सी जनता ने दी है। अब जनता हटाने को तैयार है।

बहरागोड़ा में प्रत्याशी के काम, व्यक्तित्व और जन सरोकार को तवज्जो देंगे वोटर

अरुण सिंह

घाटशिला (आजाद सिपाही)। बहरागोड़ा में विधानसभा चुनाव के पहले परिदृश्य काफी कुछ बदला-बदला नजर आ रहा है। वर्ष 2019 में झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। तब झामुमो प्रत्याशी समीर कुमार मोहंती रिकॉर्ड वोटों के अंतर से जीते थे। झामुमो छोड़ भाजपा के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे कुणाल षाड़ंगी को हार का सामना करना पड़ा था। बहरागोड़ा सीट पर भाजपा की यह लगातार तीसरी हार थी। भाजपा की हार की वजह यहां हरेक व्यक्ति की जुबान पर है। यहां से भाजपा का जो भी प्रत्याशी चुनाव हारा, उन सबकी जुबान पर एक ही गीत होता है, मुझे तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था.... फिलवक्त भी कमोबेश वैसी ही स्थिति बनी हुई है।

राजनीतिक गालियारे में जो चर्चा है और जो चुनावी आहट सुनायी पड़ रही है, उससे इस बात को बल मिल रहा है कि इस बार क्षेत्र के मतदाता पार्टी की बजाय प्रत्याशी का व्यक्तित्व और जनसेवा देख कर मतदान करेंगे। वहीं दूसरी ओर, जिस प्रत्याशी की दल के साथ-साथ वोटरों के बीच निजी पकड़ है, उसे लाभ मिलेगा। बहरागोड़ा विस क्षेत्र की स्थिति एवं वोटरों के बीच जो चर्चा है, उस पर गौर करें तो मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल झामुमो और भाजपा की ओर से प्रत्याशी कौन होगा, अभी तक स्पष्ट नहीं है।

सबसे पहले राष्ट्रीय दल भाजपा पर गौर करें तो सबसे प्रबल दावेदार डॉ दिनेशानंद गोस्वामी हैं। उनके सामाजिक सरोकार की बात करें तो पिछले विस चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बावजूद क्षेत्र में बने हुए हैं। सामूहिक विवाह एवं चिकित्सा जांच शिविर के आयोजन द्वारा उन्होंने जन सरोकार को एक नया आयाम दिया है। डॉ गोस्वामी काफी हद तक टिकट को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन इसी बीच तीन बार के जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव ने भी टिकट की दावेदारी की है। वे पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता माने जाते हैं। इनके अलावे काबू दत्ता, सरोज महापात्रा एवं राहुल षाड़ंगी ने भी दावेदारी ठोक रखी है।

झामुमो की बात करें तो वर्तमान विधायक समीर मोहंती टिकट के प्रबल दावेदार हैं। लेकिन झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा आदित्य प्रधान की भी है। श्री प्रधान कहते हैं कि अलग राज्य के आंदोलन में वे सक्रिय रहे। कभी पार्टी लाइन से हट कर उन्होंने कोई काम नहीं किया और ना ही पार्टी बदली है। जब जो जिम्मेदारी मिली, उसे ईमानदारी एवं लगन से पूरा किया है। श्री प्रधान को विश्वास है कि पार्टी समर्पित कार्यकर्ता को मौका देगी। वैसे आमतौर पर सीटिंग विधायक का टिकट काटने की परंपरा झामुमो में नहीं है, तो दूसरी ओर राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है, ये भी सच है।

बहरागोड़ा विस क्षेत्र में वैकल्पिक राजनीति की शुरुआत 1990 के विस चुनाव के एक दशक पहले से डॉ दिनेश कुमार षाड़ंगी ने की थी। उन्होंने सबसे पहले एक चिकित्सक के रूप में लोकप्रियता हासिल की। ततपश्चात सीपीआइ के विरुद्ध आम जनता को गोलबंद किया। डॉक्टर के पेशे में अपने सेवाभाव से उन्होंने लोगों का विश्वास जीता। वर्ष 2000 में वे विधायक बने और राज्य गठन के साथ ही झारखंड के पहले स्वास्थ्य मंत्री बने। 2005 में दुबारा विधायक बने, लेकिन 2009 में वे चुनाव हार गये। और इसके साथ ही बहरागोड़ा विस क्षेत्र में भाजपा का विजय रथ रुक गया। वैसे डॉ षाड़ंगी के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं में एक संगठन हैं। 1995 में समता पार्टी के टिकट पर दक्षिण बिहार (अब झारखंड) में डॉ षाड़ंगी ने सबसे अधिक वोट प्राप्त किया था। उनके भाजपा छोड़ने के बाद उनकी कमी की भरपाई विधानसभा चुनाव में पार्टी अब तक नहीं कर सकी है। उनका दस वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल रहा, ऐसा उन्हें चाहने वालों का मानना है। उनके वैचारिक विरोधी भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि बहरागोड़ा में विकास के नाम पर स्थायी काम जो भी हुए हैं, उसमें सर्वाधिक योगदान डॉ षाड़ंगी का है।

कुणाल षाड़ंगी 2014 के अंत में झामुमो से विधायक चुने गये थे। उक्त चुनाव में उन्होंने भाजपा भाजपा प्रत्याशी डॉ गोस्वामी को हराया था। पांच वर्ष तक पार्टी के तेज-तर्रार विधायक के रूप में छवि बनाने के बाद 2019 में पार्टी बदल कर उन्होंने भाजपा से चुनाव लड़ा और पराजित हो गये। अपनी हार के बाद कुणाल ने पार्टी की गतिविधि के साथ-साथ सामाजिक सरोकार का अभियान चलाया। इस क्रम में उन्होंने बहरागोड़ा के साथ-साथ पूरे जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र को अपना कार्यक्षत्र बनाया। कोविड पीरियड में कुणाल की सक्रियता की ख्याति की दुहाई लोग अब भी देते हैं।

वर्तमान में राजनितिक परिदृश्य पर नजर डालें तो क्षेत्र के लोगों में विकास और सामाजिक सरोकार मुख्य मुद्दा बनता जा रहा है। दुख की घड़ी में कौन खड़ा हुआ और किसके कार्यकाल में काम ज्यादा हुआ, बहरागोड़ा की जनता अब ये सब तुलना करने में लगी है। इस बात की संभावना व्यक्त की जा रही है कि मतदाता दल के साथ-साथ प्रत्याशी के कार्य, व्यक्तित्व एवं जन सरोकार को तवज्जो देंगे।

छह जिलों के डीसी ने बताया, संताल में घुसपैठिये नहीं

आदिवासियों की संख्या कैसे घटी, यह भी बतायें: हाइकोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने संताल इलाके के उपायुक्तों और एसपी द्वारा अदालत में दिये गये हलफनामे में आदिवासियों की लगातार घटती आबादी पर कोई जानकारी नहीं देने पर निराशा जतायी है। दानियल दानिश की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाइकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने 22 अगस्त को पांच पन्नों के अपने आदेश में केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा जवाब देने के लिए समय मांगे जाने पर भी नाराजगी जतायी है।

सुनवाई के आदेश की विस्तृत कॉपी हाइकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड : जनहित याचिका पर हुई सुनवाई के आदेश की विस्तृत कॉपी हाइकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि संताल के डीसी यह बता रहे हैं कि वहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की घुसपैठ नहीं हुई है, लेकिन आदिवासियों की घटती संख्या के पीछे क्या वजह है, यह नहीं बताया गया है।

इस केस की अगली सुनवाई 5 सितंबर को है : सुनवाई के दौरान अदालत ने सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक, यूनिक आइडेंटीफिकेशन अथॉरिटी के द्वारा जवाब दाखिल करने के लिए समय दिये जाने के आग्रह को ठुकराते हुए अगली सुनवाई से पहले जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने संताल के जिला उपायुक्तों द्वारा आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए किन दस्तावेजों को आधार बनाया जा रहा है, इस बिंदु पर भी जानकारी मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को है। उससे पहले जनहित याचिका दायर करनेवाले दानियल दानिश डीसी द्वारा दिये गये जवाब पर अपना प्रतिउत्तर दाखिल करेंगे।

चिराग पासवान ने देश में जातीय जनगणना कराने की आवाज बुलंद की, ओबीसी मोर्चा ने आभार जताया

रांची (आजाद सिपाही)। लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत सरकार के मंत्री चिराग पासवान ने देश में जातीय जनगणना कराने की आवाज को बुलंद की है। इसके लिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा उनका आभार व्यक्त करती है। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई में उनके पिता रामविलास पासवान ने ओबीसी को 27% आरक्षण दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। आज उन्हीं के नक्शे कदम पर चिराग पासवान चल रहे हैं, यह सराहनीय कदम है। इससे उनके प्रति ओबीसी समुदाय का विश्वास बढ़ेगा। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान से मांग करता है कि वह मंत्रिमंडल में पास करायें और देश में जाति जनगणना कराने पर मोहर लगायें तथा झारखंड और बिहार प्रदेश के ओबीसी आरक्षण को नवीं सूची में डालवाने की भी पहल करें।

राज्यपाल के नाम 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा

रांची (आजाद सिपाही)। आपकी विकास पार्टी झारखंड के विकास, बेरोजगारी और पलायन सहित ज्वलंत 11 सूत्री मांग के समर्थन में 20 अगस्त से कोडरमा से झारखंड बदलाव संघर्ष पदयात्रा निकला। यह पदयात्रा सोमवार को रांची पहुंचा। इसके बाद पार्टी के सदस्य राजभवन के समक्ष धरना पर बैठा और फिर राज्यपाल के नाम 11 सूत्री मांगपत्र सौंपा। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि झारखंड को बिहार अलग हुए 24 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक जितने भी सरकार बनी सबने जनता को ठगने का काम किया है। इसलिए पार्टी झारखंड बदलाव संघर्ष यात्रा निकालकर सरकार को चेताने का काम कर रहा हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता, डॉ कहकशा कमाल, राष्ट्रीय महासचिव विकास कुमार साह, प्रदेश अध्यक्ष उज्जवल कुमार रावण, जाहिद अनवर,जगदीश केवट, संतोष महतो, रकीब आलम सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पादरी रॉबर्ट से बने आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक डॉ सुमन कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। हर मनुष्य का जन्म किसी विशेष उद्देश्य के लिए होता है जिसने अपने जीवन का लक्ष्य समझ लिया। वहीं अपनी मंजिल प्राप्त कर लेता है। हर व्यक्ति का जीवन अपने आप में कहानी है। ऐसे ही अपने बीच सनातनी हिंदू समाज के चिंतन करने वाले हिंदू जागरण मंच 8 प्रांत के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ सुमन कुमार का जन्म इंडोनेशिया के जकार्ता में हुआ था। पहले लोग इन्हें पादरी रॉबर्ट सालोमन के नाम से जाने जाते थे। लेकिन जब डॉक्टर सुमन कुमार भारत में आये तो इन्होंने हिंदू चिंतन और दर्शन एवं संघ के कार्यों से इतना प्रभावित हुए की खुद हिंदू धर्म को ही अपना लिया। कुछ ही दिनों में संघ के प्रचारक बन गये, प्रचारक का जीवन कोई साधना से काम नहीं होता है।

28 अगस्त को सीएम सरायकेला में मंईयां सम्मान योजना की देंगे सौगात

कोल्हान के तीन जिलों की लाभुकों के खाते में ट्रांसफर करेंगे पैसे

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। 28 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सरायकेला दौरा प्रस्तावित है। यहां से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों की झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के योग्य लाभुकों को सौगात देंगे। इधर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भारी भीड़ होने की संभावना को देखते हुए जिला परिवहन विभाग की ओर से 28 अगस्त को जिले में प्रवेश करनेवाले कुल छह स्थलों से सभी प्रकार के छोटे एवं बड़े व्यावसायिक वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश जारी किया गया है। इसको लेकर जिला प्रशासन पूरी तैयारी में जुटा है। बता दें कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम गम्हरिया प्रखंड के रापचा फुटबॉल मैदान में प्रस्तावित है, जहां वे कोल्हान प्रमंडल स्तरीय झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को इसकी सौगात देंगे।

योगदा आश्रम रांची में मना जन्माष्टमी उत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। योगदा आश्रम, रांची में सोमवार को भक्ति और हर्षोल्लास के साथ जन्माष्टमी मनायी गयी। उत्सव सुबह स्वामी वसुदेवनंद गिरी द्वारा संचालित विशेष ऑनलाइन सामूहिक ध्यान के साथ आरंभ हुआ, जिसमें पूरे भारत से अनेक भक्तों ने भाग लिया। उसके बाद सुबह साढ़े नौ बजे से 11:30 बजे तक कार्यक्रम में भाग लेने वाले भक्त, स्वामी अमरानंद गिरी और ब्रह्मचारी शांभवानंद के भजनों के आनंदमय गायन में शामिल हुए, जब जन्माष्टमी पूजा की जा रही थी। भजनों के बाद वहां उपस्थित भक्तों और सन्यासियों को प्रसाद वितरित किया गया। यह जन्माष्टमी समारोह शाम को विशेष तीन घंटे लंबे ध्यान के साथ समाप्त हुआ, जहां स्वामी अमरानंद गिरी ने श्रीमद्-भागवतम (भागवत पुराण) से एक प्रेरक कहानी पढ़ी और मेजदार पुस्तक से एक घटना का विवरण किया, जिसमें बताया गया कि कैसे श्री श्री परमहंस योगानंद को भगवान कृष्ण के दर्शन हुए। जन्माष्टमी के इस अवसर पर रविवार, 25 अगस्त को आठ घंटे का विशेष लंबा ध्यान भी आयोजित किया गया था।

सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों को भी सरकार देगी पोशाक और बैग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में अब सरकारी स्कूलों के साथ-साथ सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चों को भी पोशाक, स्कूल बैग और अन्य योजनाओं का लाभ मिलनेवाला है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार किया है। यह प्रस्ताव जल्द ही विभागीय मंत्री को भेजा जायेगा और उनकी मंजूरी के बाद इसे वित्त विभाग और फिर कैबिनेट के पास भेजा जायेगा। अभी तक सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों को केवल किताबें ही मिलती थीं। अब यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो बच्चों को स्कूल किट के साथ पोशाक और स्कूल बैग भी प्रदान किये जायेंगे। स्कूल किट में कॉपी और पेंसिल शामिल हैं, जबकि पोशाक में दो सेट की यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूते और मोजे शामिल होंगे। इसके लिए सरकार बच्चों के बैंक खातों में राशि भेजेगी।

राशि और वितरण की प्रक्रिया: इस समय, ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर स्कूलों द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में लगभग 2.5 लाख बच्चे नामांकित हैं। जिलों से भी बच्चों की संख्या की जानकारी जुटायी जायेगी, और इसी आधार पर योजना के लिए राशि की मांग की जायेगी। पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों को पोशाक के लिए 600 रुपये दिये जायेंगे, जबकि छठी से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को 600 रुपये के अलावा जूते और मोजे के लिए अलग से 160 रुपये मिलेंगे।

स्कूली शिक्षा विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव : समग्र शिक्षा अभियान के तहत, आठवीं कक्षा तक के सरकारी स्कूलों की सभी वर्ग की छात्राओं और अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की पोशाक के लिए केंद्र सरकार 60 फीसदी राशि और राज्य सरकार 40 फीसदी राशि देती है। अन्य सभी बच्चों की पोशाक की राशि पूरी तरह से राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के बच्चों को भी पोशाक राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। अब सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के लिए भी पूरी राशि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जायेगी।

LOST & FOUND

As per Affidavit Ref. No. 292 Dated 29.08.2024 , I Radheshyam Poddar S/o. Late Kedar Nath Poddar Resident of Flat no. 303, Panchwati Gardens, Behind C. N. Honda, Bariatu, P.s. Bariatu, Dist.- Ranchi Jharkhand- 834009 do Hereby solemnly affirm and declare as follows :-

1. That I Am an indian Citizen and living in above mentioned address.
2. That I have lost original sale deed of a plede of land vide deed No. 7812 Dated 22/05/1970 on 20/08/2024 during getting photo copy of said documents in upper bazar, Ranchi to which I Have not been able to trace out till today in spite of my great effort. that this affidavit is being executed to today the missing complaint (Sanha) in condemed police Station. 4. That all statements given in this affidavit is correct and true, if it is found false I shall be fully personally for it.

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 27591 Dated 30.07.2024 . I Bikesh Mallah S/o. Sarju Mallah, R/o. Vill- Baranw Tola - Karmaha, Po.- Harinamar, P.s- Chainpur, Dist. Palamu, Jharkhand-822110, Do hereby solemnly affirm & Declare as follows :-

1. That I Am the employee of central coalfield limited posted ad churi colliery, CMPF No. RAN/4-390, PIS 11124161.
2. That Fulwa Devi is my wife and her date of birth is 10.01.1980.
3. That at the time of my joining on 19.01.2000, my aforesaid wife age is 19 years.
4. That now I want to enrol my wife's date of birth as 10.01.1980 in my service book hance this affidavit.

Sworn & signed this affidavit on 30.07.2024 at ranchi.

पेंशन के मुद्दे पर दूर हुई उलझन

सरकारी कर्मचारियों के लिए शनिवार को घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम (यूपीएस) को सही अर्थों में मध्यम मार्ग का एक अच्छा उदाहरण कहा जा सकता है। इस स्कीम के जरिये सरकार ने जहां कर्मचारियों के भविष्य से जुड़ी असुरक्षा दूर करने की कोशिश की है, वहीं बजट पर पड़ने वाले बोझ के अनुपात का भी ध्यान रखा है।

चुनावी पहलू : निश्चित रूप से इस कदम का चुनावी पहलू खासा अहम है। हालांकि इसके पीछे सोच-विचार की लंबी प्रक्रिया दिखती है। केंद्र सरकार ने पेंशन स्कीम पर विचार करने के लिए अप्रैल 2023 में ही तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की अध्यक्षता में एक समिति बना दी थी। व्यापक विचार-विमर्श के बाद समिति ने अपनी सिफारिशें दीं, जिन पर कैबिनेट ने शनिवार को मुहर लगा दी। मगर यह मंजूरी ऐसे समय दी गयी, जब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के लिए विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं। महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में अगले कुछ महीनों में चुनाव होने तय हैं।

ओपीएस का मुद्दा : मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कई विधानसभा चुनावों में ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) की वापसी को प्रमुख मुद्दा बनाया था। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को मिली जीत के पीछे इस मुद्दे की प्रमुख भूमिका मानी गयी थी। हालांकि मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के चुनाव नतीजों पर इसका खास असर नहीं देखा गया। एक्सपर्ट की तरफ से यह भी कहा जा रहा था कि ओल्ड पेंशन स्कीम देश भर में फिर से लागू करने का विचार इकॉनमी के लिहाज से खासा नुकसानदेह हो सकता है। संभवतः इन्हीं वजहों से कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनावों में इसे उठाने से परहेज किया।

सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन स्कीम (यूपीएस) की घोषणा की, जिससे उनके भविष्य की वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी। इस स्कीम में फिक्स्ड पेंशन, अश्योर्ड फैमिली पेंशन और इन्फ्लेशन इनडेक्सेशन शामिल हैं। ये कदम हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के दौरान लिया गया, जिससे इसका चुनावी महत्त्व भी प्रमुख है।

सरकारी कर्मचारियों में बेचैनी : इन सबके बावजूद नई पेंशन योजना खास तौर पर सरकारी कर्मचारियों के बीच बेचैनी की वजह बनी हुई थी। माना जा रहा था कि सरकारी सेवा में पूरी जिंदगी खपाने वालों को सेवानिवृत्ति के बाद जिस तरह की आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए, वह न्यू पेंशन स्कीम नहीं दे पा रही। कुछ विधानसभा चुनावों में कांग्रेस द्वारा इसे जोर-शोर से उठाने के चलते, सही या गलत, पर यह परसेप्शन भी बना हुआ था कि इस मसले पर कांग्रेस का रुख सहानुभूतिपूर्ण है। इसे बदलना सरकार और सत्तारूढ़ दल को जरूरी लग रहा था।

एक ठोस कदम : यूनिफाइड पेंशन स्कीम को इस लिहाज से एक ठोस कदम माना जा सकता है। फिक्स्ड पेंशन, अश्योर्ड फैमिली पेंशन, अश्योर्ड मिनिमम पेंशन और इन्फ्लेशन इनडेक्सेशन जैसे फीचर्स इसे कर्मचारियों के लिए आकर्षक बनाते हैं। विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया में भी इस फैसले की आलोचना करने के बजाय सरकार को इसके लिए मजबूर करने का श्रेय लेने का भाव ज्यादा दिख रहा है। कुल मिलाकर इस कदम को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का एक सुफल माना जा सकता है।

अभिमत
आजाद सिपाही

कोलकाता में महिला जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद दर्दनाक हत्या, बिहार के मुजफ्फरपुर में एक किशोरी की अपहरण के बाद गैंगरेप और फिर हत्या, सोनीपत, जींद और यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में सपा के एक नेता को गिरफ्तार किया जाना, जैसे मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। आखिर हमारे देश में यौन अपराध क्यों नहीं रुक रहे हैं, यह आज एक अहम सवाल है।

क्यों नहीं रुक रहे यौन अपराध, सरकार और प्रशासन पर सवाल

नीरज मिश्रा

सिर्फ विपक्ष ही नहीं, सत्ता पक्ष की ओर से भी ऐसा देखने में आया है कि जो तेवर और जो अंदाज अलग-अलग राजनीतिक दलों की महिला नेताओं का विरोधियों से जुड़े मामले पर देखने को मिलता है, वही तेवर अपनी ओर क्यों नहीं दिखता। क्या यह जरूरी नहीं, खासकर महिलाओं से जुड़े मामले में महिला नेता अपनी आवाज और बुलंद करें। यदि आवाज बुलंद होगी तो दूसरी बेटियों, महिलाओं को भी इससे ताकत मिलेगी और न्याय की उम्मीद बंधेगी।

देश में आधी आबादी यानी महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सरकारें भले ही महिलाओं के आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्तिकरण की बातें करती हों, लेकिन हालात कुछ और ही बयां करते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारें अपराधों के सामने खुद को बौना ही पाती हैं। सिर्फ कानून बदलने से ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। इसके लिए और अधिक प्रयास किए जाने की जरूरत है।

कड़ी कार्रवाई और फांसी की सजा: हाल ही के दिनों की बात करें तो कोलकाता में महिला जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद दर्दनाक हत्या, बिहार के मुजफ्फरपुर में एक किशोरी की अपहरण के बाद गैंगरेप और फिर हत्या, सोनीपत, जींद और यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में सपा के एक नेता को गिरफ्तार किया जाना, जैसे मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। ऐसे मामलों को लेकर पूरा देश गुस्से में है और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फांसी की सजा दिए जाने की मांग कर रहा है। कुछ दिनों पहले मणिपुर में महिलाओं को नग्न कर गांव में घुमाया जाना जैसे तमाम मामले हैं जो सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हैं।

ऐसे मामलों में राज्य सरकार, महिला आयोग, प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही भी तय करनी होगी।

ऐसे मामले सामने आने पर राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और मौन धारण करना भी सवाल उरशासन को महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, न घर में, न कार्यालय में, न गांवों और न ही शहरों में, ऐसे में महिलाओं को मजबूती कैसे मिलेगी? वे आत्मनिर्भर कैसे बनेंगी? उनका सशक्तीकरण कैसे होगा? ऐसे तमाम सवाल हैं जो आज भी सुरसा की तरह मुंह बाए खड़े हैं। इस समय महिलाएं संसद, विधानसभा और प्रशासन में बड़े ओहदों पर मौजूद हैं। इसके बावजूद खुद महिलाएं भी महिला अपराधों के खिलाफ ठीक से आवाज नहीं उठा पा रही हैं। ऐसी क्या मजबूरी है कि महिलाएं कई मामलों में सक्षम होने के बावजूद ऐसे मामलों में खुद को असहाय महसूस करती हैं।

कोलकाता रेप व हत्याकांड: कोलकाता में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दर्दनाक घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। यह घटना महिला सुरक्षा और लोगों के विश्वास पर गहरा प्रश्नचिह्न लगाती है। इस घटना के विरोध में देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं और न्याय की मांग की जा रही है। इस मामले पर राजनीति भी देखी जा रही है। महिला सुरक्षा की मांग और इस पर हो राजनीति के बीच एक बात गौर करने वाली है। ऐसा सिर्फ इसी मामले में नहीं, बल्कि महिलाओं से जुड़े दूसरे मामलों में भी देखने को मिल रहा है। एक चुप्पी जिसके पीछे कई सवाल अपने आप खड़े हो जाते हैं।

बता दें कि नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी। डॉक्टर के निजी अंगों, आंखों और मुंह से खून बह रहा था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की बात सामने आई थी। इस मामले की अब सीबीआई जांच हो रही है। इससे पहले जांच कर रही पश्चिम बंगाल की पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। आखिर रोंगटे खड़े करने वाली रेप व हत्या की घटना पर पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार एक्शन को लेकर तत्परता से क्यों काम नहीं कर रही थी?

घटना पर नाउम्मीद क्यों: इस समय देश में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ाने की बात हो रही है और यह बहुत अच्छी बात भी है। । संसद में महिला आरक्षण बिल पास हो गया और आने वाले वक्त में महिलाओं की भागीदारी और भी बढ़ेगी। यह फैसला भी काफी देर से हुआ, लेकिन ठीक है। ऐसे में महिलाओं की संख्या बढ़ेगी तो महिला सांसद, विधायक महिलाओं से जुड़े मामलों को बढ़चढ़ कर उठाएंगी। यह उम्मीद की जाती है, लेकिन बंगाल और बिहार जैसी घटना पर यह उम्मीद नाउम्मीद में क्यों बदल जाती है।

यूपी के कन्नौज में भी उत्पीड़न: यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में समाजवादी पार्टी के एक नेता को गिरफ्तार किया गया। इस मामले पर समाजवादी पार्टी की एक महिला नेता ने कहा कि कौन सी नौकरी थी जो 15 साल की बच्ची रात में मांगने गई थी। बलात्कार के प्रयास के आरोप में समाजवादी पार्टी के एक नेता को गिरफ्तार किया गया। इस मामले पर समाजवादी पार्टी की एक महिला नेता ने कहा कि कौन सी नौकरी थी जो 15 साल की बच्ची रात में मांगने गई थी। अब इस बयान को सुनकर कोई क्या मतलब निकालेगा। इससे ऐसा लगता है कि पीड़ित को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब आते हैं उस मुद्दे की ओर जो मामले को और गंभीर बनाता है।

मुजफ्फरपुर में गैंगरेप व हत्या: बिहार के मुजफ्फरपुर में 9वीं क्लास की छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसके साथ पूरी दरिंदगी की। उसके ब्रेस्ट तक काट दिए। निजी अंगों पर भी चाकू से प्रहार किया। किशोरी का शव अर्धनग्न हालत में अगले दिन पोखर में मिला। मुंह पर कपड़ा बंधा था। अगल-बगल मांस के चिथड़े और खून के धब्बे पड़े थे। पीड़ित के परिवार का कहना है कि 5 लोग घर से बेटी को उठाकर ले गए। छात्रा की मां ने थाने में लिखित शिकायत की है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, जिसमें गांव के ही संजय राय (41) समेत पांच को आरोपित भी बनाया गया। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेजाबी की, प्रदर्शन कर न्याय मांगा, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी इस मामले में पुलिस और प्रशासन खाली हाथ और मौन है।

महिलाएं क्यों नहीं दिखाती तेवर: सिर्फ विपक्ष ही नहीं, सत्ता पक्ष की ओर से भी ऐसा देखने में आया है कि जो तेवर और जो अंदाज अलग-अलग राजनीतिक दलों की महिला नेताओं का विरोधियों से जुड़े मामले पर देखने को मिलता है, वही तेवर अपनी ओर क्यों नहीं दिखता। क्या यह जरूरी नहीं, खासकर महिलाओं से जुड़े मामले में महिला नेता अपनी आवाज और बुलंद करें। यदि आवाज बुलंद होगी तो दूसरी बेटियों, महिलाओं को भी इससे ताकत मिलेगी और न्याय की उम्मीद बंधेगी।

और कदम उठाने होंगे: देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीरता से कदम उठाने होंगे। तभी महिलाओं के खिलाफ अपराध रुकेंगे। वरना नारी यूं ही प्रताड़ना का शिकार होती रहेगी और समाज में भेड़ की खाल में छुपे भेड़िये, दरिंदे यूं ही महिलाओं की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे। वहीं, दूसरी ओर ऐसे मामलों में राज्य सरकार, महिला आयोग, प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही भी तय करनी होगी। कानूनों का कठोरता के साथ पालन करना होगा, तभी हम महिला अपराधों पर अंकुश लगाने में कामयाब हो सकेंगे। वरना देश की आधी आबादी यूं ही अपराध झेलती रहेगी और सिसकती रहेगी। आज महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए मिलकर संगठित प्रयास किए जाने की जरूरत है। तभी यह अपराध का दंश खत्म हो सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

देश-विदेश की खबरें

जम्मू-कश्मीर में मोदी-शाह खुद संभालेंगे कमान

भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी, प्रत्याशियों की सूची पर हंगामा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों के तारीखों की घोषणा कर दी है। इसके बाद अब सभी पार्टियों ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इस बीच भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस लिस्ट के मुताबिक कश्मीर में पीएम खुद प्रचार की कमान संभालते नजर आएंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के स्टार प्रचारकों में शामिल होंगे। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर के 90 विधानसभा

क्षेत्रों के लिए तीन चरणों में 18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर को चुनाव होंगे। वहीं परिणाम चार अक्टूबर को घोषित किए जायेंगे। इसे लेकर भाजपा ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है।

शिवराज, मनोहर लाल और स्मृति का नाम भी शामिल

भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में कई केंद्रीय मंत्रियों के नाम भी शामिल है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर, जी किशन रेड्डी, डॉ. जितेंद्र सिंह जैसे प्रमुख चेहरे मतदाताओं को लुभाने के लिए मैदान में उतरेंगे। अन्य नामों में शिवराज सिंह चौहान, जय राम ठाकुर, भजन लाल शर्मा, राम माधव, अनुराग ठाकुर, स्मृति इरानी, जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त), रविंदर रैना और दो पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता के नाम भी शामिल हैं।

प्रत्याशियों की लिस्ट जारी, पर कलह की खबरें

इससे पहले सोमवार को भाजपा ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए 15 नामों की सूची भी जारी की। यह सूची भी खबरों का केंद्र रही। दरअसल भाजपा ने पहले 44 नामों की सूची जारी की थी, लेकिन कुछ देर बाद ही वह सूची वापस ले ली गयी। इसके बाद नई सूची जारी की गई जिसमें 15 प्रत्याशियों के नाम शामिल थे। इस घटनाक्रम के पीछे की वजह केंद्र शासित प्रदेश में पार्टी की अंदरूनी कलह बतायी जा रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाये हैं कि पार्टी जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रही है।

अहमदाबाद के डाकघर में छापा, हाइब्रिड गांजा बरामद

अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद फॉरेन पोस्ट ऑफिस में पार्सलों के अंदर से 1.70 करोड़ रुपये कीमत का हाइब्रिड गांजा बरामद किया गया है। अहमदाबाद सिटी साइबर क्राइम ब्रांच ने इस संबंध में एफआइआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। गुजरात पुलिस ने कहा कि अहमदाबाद में एक विदेशी डाकघर अनुभाग से खिलौनों और महिलाओं के जूतों में छिपाकर रखे गये हाइ क्वालिटी के गांजे से भरे पार्सल के पैकेट बरामद किये गये हैं। शुरुआती जांच से इसका संकेत मिला है कि इस गांजे की खरीद डार्क वेब से की गयी है।

भारत में रहना है तो 'राम-कृष्ण की जय' कहना होगा: मोहन यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि भारत में रहने वालों को 'राम-कृष्ण की जय' कहना होगा। उन्होंने रहीम और रसखान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें इसलिए याद किया जाता है, क्योंकि वह खुद को इस मिट्टी से जोड़कर चले। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं चलेगा कि यहां का खायें और कहीं और का बजायें। मोहन यादव ने सोमवार को अशोकनगर जिले के चंदेरी में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित

श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, रहीम-रसखान अपने को यहां की मिट्टी में जोड़कर चले। सदियों से हम उनका स्मरण करते हैं। जो यहां का खाता है और कहीं और का बजाता है, यह नहीं चलेगा।

दुमका के 11 श्रमिक तमिलनाडु में बंधक, रिहाई के लिए मांगे जा रहे पैसे

दुमका (आजाद सिपाही)। दुमका जिले के 11 मजदूरों को तमिलनाडु में बंधक बना लिया गया है। बंधक बनानेवालों ने रुपयों की मांग भी की है। इस संबंध में मजदूरों के परिजनों ने पुलिस के पास शिकायत की है और अपनों की वापसी कराने की मांग की है। ये मजदूर एक कपड़ा मिल में काम करने गये थे। परिजनों ने बताया कि उनके साथ वहां मारपीट भी की जा रही है। इसकी सूचना मजदूरों ने खुद फोन पर दी है। एक परिवार से ऑनलाइन 15 हजार रुपये भेज भी दिया है, लेकिन मजदूर को अब तक नहीं छोड़ा गया है। मजदूरों के परिजनों ने सीएम हेमंत सोरेन से मदद की गुहार लगायी है। उन्होंने आवेदन के माध्यम से बताया कि बंधक बनाये गये लोगों में दीपक पहाड़िया, शंकर पहाड़िया, राजू पहाड़िया, नोरेन सोरेन, जोगेश सोरेन, मुंशी मुर्मू और राजकिशोर पहाड़िया है। ये सभी चार दिन पहले तमिलनाडु गये थे। रविवार की सुबह वे तमिलनाडु पहुंचे ही थे और चंद घंटे के बाद उन्होंने अपने परिजनों को फोन किया कि हमें बंधक बना लिया गया है। बंधक बनानेवालों ने उनके परिवार वालों को एक मोबाइल नंबर दिया और कहा कि तुम लोग इसमें रुपये भेजो। जब तक रुपये नहीं मिलेंगे, तब तक ये सभी हमारे कब्जे में रहेंगे। धमकी मिलने के बाद दीपक पहाड़िया के परिजनों ने 15 हजार रुपये भेज भी दिया हैं, लेकिन अब तक दीपक को नहीं छोड़ा गया है। एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि श्रमिकों की रिहाई के लिए प्रयास कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो दुमका पुलिस की टीम तमिलनाडु जायेगी।

लद्दाख में पांच नये जिलों के गठन को मंजूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के विजन को साकार करने की दिशा में गृह मंत्रालय ने संघशासित प्रदेश में पांच नये जिलों के गठन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में इस ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि इस निर्णय से पांच नये जिलों, जंस्कार, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग में प्रशासन के सुदृढ़ होने से स्थानीय लोगों को उनके द्वार पर सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। इन पांच जिलों के गठन के बाद अब लद्दाख में लेह और कारगिल को मिलाकर, कुल सात जिले हो जायेंगे। लद्दाख क्षेत्रफल के हिसाब से एक बहुत बड़ा संघशासित क्षेत्र है। वर्तमान में

लद्दाख में दो जिले हैं - लेह और कारगिल। यह भारत के सबसे कम जनसंख्या वाले भूभागों में से एक है। अत्यंत कठिन और दुर्गम होने के कारण, वर्तमान में जिला प्रशासन को जमीनी स्तर तक पहुँचने में कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इन जिलों के गठन के बाद अब केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन की सभी जनहित योजनाएं लोगों तक आसानी से पहुंच सकेंगी और अधिक से अधिक लोग उनका लाभ उठा सकेंगे। गृह मंत्रालय का यह महत्वपूर्ण निर्णय लद्दाख के सर्वांगीण विकास में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। पांच नये जिलों के गठन की सैद्धांतिक स्वीकृति देने के साथ ही गृह मंत्रालय ने लद्दाख प्रशासन को नये जिलों के गठन से संबंधित विभिन्न पहलुओं, जैसे, मुख्यालय, सीमाएं, संरचना, पदों के सृजन, जिला निर्माण से संबंधित कोई अन्य पहलू आदि के आकलन के लिए एक समिति बनाने और उसे तीन महीने के अंदर रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। उक्त समिति की रिपोर्ट प्राप्ति के बाद संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख इस रिपोर्ट के आधार पर नए जिलों के निर्माण के सम्बन्ध में अंतिम प्रस्ताव गृह मंत्रालय को आगे की कार्यवाही के लिए भेजेगा। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार लद्दाख के लोगों के लिए अपार संभावनाओं का सृजन करने के प्रति पूरी तरह कटिबद्ध है।

बंटेंगे तो कटेंगे: योगी आदित्यनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

आगरा। राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं। राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हम एक होंगे। बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए...बटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-नेक रहेंगे। सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आगरा में यह बात कही। वे यहां पुरानी मंडी चौराहे पर राष्ट्रवीर दुगार्दास राठौर की प्रतिमा का अनावरण

बांग्लादेश वाली गलतियां यहां ना हों, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे

करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि 10 साल से यह प्रतिमा मेरा इंतजार कर रही थी। मेरे ऊपर उनकी कृपा हो गयी। मुझे यहां आने का अवसर भी तब मिला, जब कृष्ण का जन्म हो रहा है। योगी ने राधे-राधे कहकर जनसभा में मौजूद लोगों को कृष्ण

जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

योगी ने कहा- बहुत सारे लोगों ने मुगलों और अंग्रेजों के सामने समर्पण कर दिया था, लेकिन आज हम राष्ट्रवीर दुगार्दास राठौर जी का नाम ले रहे हैं। एक बार राजस्थान जाइए, देखिए उनकी पूजा होती है। जोधपुर में श्रद्धा का भाव देखने को मिलता है। मैं इसी श्रद्धा के भाव को मजबूत करने के लिए आया हूं। योगी ने कहा- रामप्रसाद बिस्मिल को जब फांसी दी जा रही थी, तब उनसे पूछा गया कि अंतिम अभिलाषा हो तो बताइए। तब बिस्मिल जी ने कहा- इस भारत वर्ष में सौ बार मेरा जन्म हो और मौत का कारण सदा ही देश उपकार कर्म हो।

न्यायालय ने दबाव बनाने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आदिवासी महिला के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के आरोप में गढ़वा न्यायालय ने आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। यह मामला रंका थाना क्षेत्र के दुधवल ग्राम का है। जिसमे आरोपी मो० इजहार अंसारी, नदीम अंसारी और सुल्ताना प्रवीण तीनों रंका थाना क्षेत्र के थाना मोड़ निवासी हैं, जिनके विरुद्ध 35 वर्षीय दुधवल ग्राम निवासी महीला ललिता कुमारी ने न्यायालय में परिवाद पत्र संख्या 972/2024 दाखिल किया है। मामले की गंभीरता को समझते हुए न्यायिक दण्डाधिकरी प्रथम श्रेणी अनुलिका कुमार की आदालत ने रंका थाना को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है।

समाचार के अनुसार, ललिता कमारी ने अपने परिवाद पत्र में आरोप लगाया है कि 300 घरों वाली मेरी बस्ती में मैं एकमात्र आदीवासी महीला हूं, शेष लोग विशेष समुदाय की श्रेणी से आते हैं। आरोप पत्र में कहा गया है कि मो. इजहार अंसारी जो वर्तमान में दुधवल पंचायत का मुखिया है, वर्ष 2003 में 14 वर्ष की उम्र में जबरन घर में घुसकर हथियार के बल पर नक्सली होने का भय दिखाकर बलात्कार किया। तबसे लेकर अक्टूबर 2023 तक जबरन शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस दौरान उसका तीन बार गर्भपात कराया गया। पीड़िता के साथ उसकी जयादती उस समय और बढ़ गयी, जब उसने पीड़िता को अपने समुदाय में शादी नहीं करने की धमकी देते हुए इस्लाम धर्म कबूल करने का दबाव बनाता रहा। उसने धमकी दिया कि ऐसा नहीं करने पर उसे जबरन वेश्यावृति में धकेल देगा। पीड़िता ने अपने आवेदन में कहा है कि वह आरोपियों के इस कुकृत से तंग आकर पीड़िता ने रंका थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक गढ़वा, पुलिस उपमहानिरीक्षक पलामू और मानवाधिकार आयोग न्यू दिल्ली, महिला आयोग रांची, पुलिस महानिरीक्षक रांची को आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगा चुकी है। लेकिन वहां से निराशा प्राप्त होने के पश्चात उसने गढ़वा न्यायलय में परिवाद पत्र दाखिल कर न्याय की गुहार लगायी है।

पीड़िता को न्याय दिलाकर ही दम लूंगा, केंद्रीय गृह मंत्री को भी कराऊंगा अवगत : सत्येंद्रनाथ तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

पीड़िता के घर पहुंचकर जानकारी लेते पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी।

गढ़वा। जिले के रंका थाना क्षेत्र के दुष्कर्म पीड़िता के घर सोमवार को पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी पहुंचे। उन्होंने पीड़िता को हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। वहीं पीड़िता व उसकी परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से भी मौके से ही बात किया। जब तक पुलिस पीड़िता के घर नहीं पहुंची तब तक पूर्व विधायक वहीं पर बैठे रहे। रंका पुलिस को पीड़िता के घर पहुंचने के बाद ही वे वहां से उठे। पूर्व विधायक पुलिस प्रशासन की नहीं पहुंचने पर पीड़िता व उसके परिवार वालों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने साथ ले जाने की भी बात कह रहे थे। हालांकि एसपी से बात करने के बाद रंका पुलिस पीड़िता के घर पहुंच गयी थी। पीड़िता व उसके भाई ने कहा कि हमलोगों की जान को खतरा है। आरोपी काफी दबंग व अपराधी प्रवृत्ति का है। मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि पीड़िता के साथ काफी अन्याय हुआ है। प्रशासन भी पीड़िता को सहयोग नहीं किया। अन्यथा ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। ज्ञात कि पीड़िता ने थाना व पुलिस के चक्कर लगाने के बाद थक कर 24 अगस्त को गढ़वा कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ परिवाद दायर किया है। तब से मामला गंभीर हो गया है। उसके बाद इसकी जानकारी पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी तक पहुंची। मरांडी ने इस मामलें को अपने सोशल मीडिया के जरिए साझा करते हुए पूर्व विधायक को पीड़ीता को न्याय दिलाने की दिशा में अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मरांडी के निर्देश पर पूर्व विधायक ने पीड़ीता के घर जाकर स्थिति से अगवत होकर पीड़ीता को हरसंभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

बीडीओ को अज्ञात युवकों ने पीटा, जांच में जुटी पुलिस

विमलेश कुमार

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)।। भवनाथपुर से पांच दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने रांची जाने के क्रम में खरौंधी मोड़ के समीप दो अज्ञात युवकों द्वारा बीडीओ नंदजी राम को थप्पड़ से पिटाई किये जाने का मामला सामने आया है। इसकी जानकारी मिलने पर मामले की गंभीरता को देख थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सशस्त्र बल के साथ खरौंधी मोड़ पहुंचे तथा घटना की जानकारी बीडीओ से लेते हुए आरोपी युवक की धर पकड़ के लिए पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुट गयी है।

जानकारी के अनुसार बीडीओ नंदजी राम सोमवार के दोपहर पांच दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने रांची के लिए अपने निजी वाहन से निकले थे, तभी खरौंधी मोड़ के समीप जाम में वें फंस गए जैसे ही वें जाम हटवाने के लिए अपनी वाहन से नीचे उतरे शराब के नशे में धुत दो टेंपो चालक युवक किसी बात को लेकर बीडीओ नंदजी राम से उलझ गए, देखते देखते उक्त दोनों युवक हमलावर हो गए और बीडीओ नंदजी राम को थप्पड़ से पिटाई चालू कर दी। आस पास के लोगो द्वारा किसी तरह बीच बचाव कर हमलावर दोनो टेंपो चालक युवक से बीडीओ को बचाया। उधर सरेराह दो युवकों द्वारा बीडीओ की धुनाई किए जाने की चर्चा क्षेत्र में आग तरह फैल गई। समाचार लिखे जाने तक मारपीट की घटना को लेकर बीडीओ द्वारा थाने में लिखित आवेदन नही दी है।

एसबीआइ ग्राहक सेवा केंद्र में लूट का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुरा। बंशीधर नगर अनुमंडल एसडीपीओ ने विशुनपुरा थाना में प्रेस वार्ता कर बीते दिनों एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र बैंक में लूट का असफल प्रयास का उद्भेदन किया। पुलिस ने चार दिनों के अंदर अपराधी को पकड़ कर हिरासत मे भेज दिया है। प्रेस विज्ञप्ति में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने बताया कि बीते गुरुवार को रात्रि में विशुनपुरा थाना अंतर्गत झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के ऊपर तला पर स्थित एसबीआई सीएसपी बैंक में अज्ञात अपराधी द्वारा चोरी करने के नियत से दरवाजा में लगा ताला को तोड़ने का प्रयास किया गया था। इस घटना को लेकर सीएसपी संचालक मदन प्रसाद गुप्ता ने अज्ञात के विरुद्ध आवेदन दिया था। आवेदन के आलोक में थाना प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ और पुलिस निरीक्षक रतन कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल द्वारा घटनास्थल के आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर सीएसपी बैंक में लगा ताला तोड़ने वाले अपराधी की पहचान किया गया। फुटेज और स्थानीय व्यक्तियों के सहयोग से विशुनपुरा गांव के ललकी माटी टोला निवासी सुनील पाशवान के 21 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार उर्फ भानु के रूप में किया गया। अपराधी के घर छापामारी कर पंकज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस घटना में प्रयोग किये गये लोहे की छेनी, हथोड़ी, पलाश हेक्सा बलेड अपराधी के पास से बरामद किया गया है।

झामुमो सरकार से जनता क्षुब्ध और त्रस्त है: भगत साहू

गढ़वा(आजाद सिपाही)। भाजपा नेता भगत सिंह साहू ने गढ़वा विधानसभा के मेराल प्रखंड के उत्तरी और दक्षिणी मंडल में कई गांव का दौरा किया। जिसमें गोना, बना, देवगाना, गेरुआ, बंका, बनुवा, भंडार आदि गांव में जाकर गांववासियों के बीच जाकर उनका हाल जाना। लोगों ने बताया कि कई महीनो से इस सरकार में पेंशन रोक दी गयी है। अबुवा आवास के नाम पर धन उगाही किया जा रहा है। अबूवा आवास का आवंटन भी नहीं हुआ। वर्तमान की सरकार से क्षेत्र की जनता क्षुब्ध और त्रस्त है। मौके पर धनंजय शर्मा, संतोष प्रसाद, गुड्डू सिंह, अमित प्रसाद, लालमोहन चौधरी, देवेंद्र विश्वकर्मा, सत्येंद्र विश्वकर्मा, राहुल गुप्ता, छोटेलाल गुप्ता, श्रीकांत प्रसाद सहित काफी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एमडी अफताब एसके अमूल्य हर्बल सेंटर का उद्घाटन

गढ़वा(आजाद सिपाही)। मेराल प्रखंड के ओखरगाड़ा में एमडी अफताब एसके अमूल्य हर्बल सेंटर का उद्घाटन किया गया। सेंटर का उद्घाटन एआईएमआईएम के पलामू प्रमंडल प्रभारी सह गढ़वा रंका विधान सभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी डॉक्टर एम एन खान ने फीता काटकर किया। मौके पर काफी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों का नि शुल्क चेकअप किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर एम एन खान ने कहा कि उक्त सेंटर आयुर्वेद से बने हुए प्रोडक्टों का प्रमोट करने और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंटर को खोला गया है। इस केंद्र के प्रोपराइटर एमडी अफताब, डॉक्टर शिवबचा चौहान, डॉ सुनील मेहता, डॉक्टर अजय रजवार रवि, भूषण दुबे ,सूर्यकांत शर्मा, हाजी नसीरुद्दीन, सदरू खान सहित काफी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग उपस्थित थे। इस अवसर पर जिनका नि:शुल्क चेक अप किया गया। उन्हें नि:शुल्क दवा भी दिया गया।

मृतक के परिजनों से भानु प्रताप शाही ने की मुलाकात, दिया आर्थिक सहयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। विधायक भानु प्रताप शाही नगर पंचायत क्षेत्र के उरांव टोला जाकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने परिजनों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। सोमवार को पहुंचे विधायक ने इस दौरान परिजनों को सांत्वना हुए आपदा राहत के तहत मिलने वाली मुआवजे की राशि को जल्द से जल्द दिलवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि घटना काफी दुःखद है, वह मर्माहत हैं। वहीं उपस्थित लोगों से कहा कि लगातार इस तरह की घटना घट रही है। 3 सालों के अंदर 12 बच्चों की मौत हो गयी है, अभिभावक बच्चों पर ध्यान दें। इस दौरान विधायक भानु प्रताप शाही ने डीसी से मोबाइल पर बात कर सुरक्षा को लेकर सरकार को प्रस्ताव भेजने की मांग की। साथ ही सिविल सर्जन से अब तक बच्चों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल रिपोर्ट बनाने की बात कही। इस दौरान जिला कार्य समिति सदस्य अनिल चौबे, विधायक प्रतिनिधि अशोक सेठ, मंडल अध्यक्ष कुमार कनिष्क ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास पांडे, भाजयुमो अध्यक्ष विक्रांत सिंह उर्फ सोनू सिंह, ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि विभूति चौबे, संजय कांस्यकार, सोनू कुमार, सहित कई लोग मौजूद थे।

सनातन धर्म को क्षति पहुंचाने का झारखंड में हो रहा है प्रयास : विनोद

आजाद सिपाही संवाददाता

भाजपा नेता विनोद प्रसाद।

कांडी। कहा गया है कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाये, तो फिर कौन बचाये, यहीं कहावत झारखंड में चरितार्थ हो रही है। यहां सनातन धर्म को मिटाने के लिए सरकारी स्तर पर गोपनीय रूप से प्रयास किया जा रहा है। कांडी पंचायत के पूर्व मुखिया और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विनोद प्रसाद ने कहा कि सनातन धर्म को क्षति पहुंचने का झारखंड में सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देव भाषा संस्कृत में ही अधिकांश वेद, शास्त्र, ग्रंथ, उपनिषद, उपवेद, वाल्मीकि कृत रामायण आदि लिखे गये हैं। इतना ही नहीं भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी की भी जननी संस्कृत ही है। लेकिन सरकारी स्तर पर संस्कृत के साथ क्या किया जा रहा है। वह एक बड़े उदाहरण से पूरी तरह स्पष्ट हो जायेगा। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड के उच्च विद्यालयों में नवीं और दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों को इस वर्ष अभी तक संस्कृत की पुस्तक नहीं दी गयी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि और सभी किताबों के लिए संसाधन उपलब्ध था। किताबें छप गयी, उनकी सप्लाई भी हो गयी। लेकिन संस्कृत में ऐसी क्या दिक्कत थी कि संस्कृत की किताब अभी तक बच्चे बच्चियों को नहीं दी गयी। यदि विद्यालयों में संस्कृत भाषा का ज्ञान नहीं दिया गया, तो छात्र-छात्राओं को आगे चलकर सनातन धर्म से जुड़ी जानकारी नहीं हो पायेगी। विनोद प्रसाद ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा है कि जितना जल्दी हो सके झारखंड के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के लिए संस्कृत की पुस्तक की आपूर्ति करें। उन्होंने कहा कि कांडी में सरकारी जमीन उपलब्ध है। उसमें संस्कृत विद्यालय की स्थापना के लिए ग्रामीणों को प्रयास करना चाहिए।

माफिया हटाओ गढ़वा बचाओ: गिरिनाथ सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह ने प्रवर्तन यात्रा के दौरान कहा कि पूरे विधानसभा में भ्रष्टाचार व्याप्त है। आप कहीं भी चले जायें कमीशन और घूस देंगे तों ही काम होगा। आज राज्य सरकार की अबूआ योजना की बात की जाये, तो हर घर पर 30000 की मांग की जा रही हैं, गरीब, वंचित और असहाय जनता कहां से पैसा देगी की उनका आवास मिल सके। पेयजल मंत्री का जिक्र करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि जब से विधायक और मंत्री बने हैं गढ़वा की भोली-भाली जनता पानी, रोड और मूलभूत सुविधाओं के लिए दर-दर ठोकर खा रही हैं और मंत्री अपने साथ-साथ अपने कार्यकर्त्ताओं का विकास करने में लगे हैं। पूर्व मंत्री ने संबोधन के दौरान एक नारा भी दिया 'माफिया हटाओ गढ़वा बचाओ'। आज का दौरा गढ़वा प्रखंड के पंचायत तिलदाग के ग्राम चेरी पोखर, बनपुरवा, बेलहारा, गिजना, तिलदाग में किया गया। परिवर्तन सह जनसंपर्क यात्रा में मुख्यरूप से बाबूल सिंह, अवध किशोर सिंह, शिवनाथ चौधरी, पारस यादव, अशोक दुबे, मुन्ना सिंह, प्रदुमन सिंह, संजय तिवारी, पारसनाथ तिवारी, रविंद्र नाथ तिवारी, उमेश पाल, जितेंद्र, शंभू पासवान, नवरंग, मन्नू, अमर पासवान, भीम तिवारी सहित सैकड़ों में ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

रंका में महिला किसान सम्मान पत्र का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका अनुमंडल प्रखंड मुख्यालय के रंकाकला पंचायत भवन में लखपति महिला किसान दीदी और लखपति महिला सीआरपी दीदी को प्रधानमंत्री का लखपति महिला किसान दीदी का ऑनलाइन कार्यक्रम मोबाइल से दिखाया गया और लखपति महिला किसान सम्मान पत्र का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में सीसी धनंजय गुप्ता, योगेंद्र सिंह, राजेश कुमार, अनुपम दूबे, एफटीसी सुदामा कुमार रवि, एलएचबीआरपी सत्येंद्र कुमार, सीआरपी आशा देवी, बिंदा देवी, चिंतामणि देवी और एसएचजी की महिलाएं उपस्थित थीं।

स्वहित के लिए नहीं, जनहित के लिए करता हूं राजनीति: मंत्री

गांव-गांव घूम रहे हैं मंत्री, कर रहे हैं जनसमस्या का निदान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर लगातार विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव का भ्रमण कर रहे हैं। क्षेत्र भ्रमण कर मंत्री श्री ठाकुर प्रतिदिन ग्रामीणों की जनसमस्या का निदान कर रहे हैं। इस क्रम में मंत्री श्री ठाकुर तेनार पंचायत के ग्राम तेनार में पंचायत भवन के समीप, तेनार उच्च विद्यालय के समीप, बगही टोला में स्कूल के समीप, ग्राम सोहबरिया के चकनाही टोला में स्कूल के समीप, सोहबरिया दुर्गा मंडप के समीप, पंचायत संगबरिया के ग्राम भीमखांड़ में दुर्गा मंडप के समीप, ग्राम बनुआ में स्कूल के समीप, ग्राम रजहारा एवं शेराशाम का रजहारा मध्य विद्यालय, दुर्गा मंडप के समीप, ग्राम संगबरिया में पंचायत भवन के समीप आयोजित जनसंवाद में ग्रामीणों की समस्या सुनी। इस दौरान उन्होंने कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट निदान करते हुए शेष समस्याओ का यथाशीघ्र निदान कराने की बात कही। इसके लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा की जनता ने जब से मुझे अपना सेवक चुना है, तब से वे लगातार क्षेत्र में जनता के बीच रहकर जनता के लिए ही काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि राजनीति मेरा पेशा नहीं है। मैं जनसेवा के लिए राजनीति करता हूं। जनता की सेवा में ही खुद को समर्पित कर चुका हूं। जनता का हर दुख दर्द, हर समस्या मेरी अपनी समस्या है। मंत्री श्री ठाकुर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि गढ़वा और राज्य की विकास की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री के कुर्सी पर बैठायें। ताकि विकास अनवरत चलता रहे। मौके पर जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, जैनेंद्र सिंह, बीडीसी जगदीश भुईयां, कामता सिंह, उदय सिंह, उजेश राम, रामदुलार राम, रविंद्र चौधरी, उमेश राम सहित कई अन्य उपस्थित थे।

गढ़वा नप क्षेत्र सहित विभिन्न गावों के 500 से अधिक लोग झामुमो में शामिल

गढ़वा। गढ़वा शहरी क्षेत्र के युवाओं सहित विभिन्न गावों के 500 से अधिक लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया। सोमवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर शहर के कई युवा, व्यवसायी एवं समाजसेवी सहित काफी संख्या में लोग, मेराल प्रखंड के करकोमा से ब्राहमन समाज और अन्य समाज के लोग, ग्राम कोरवाडीह और जोबरईया के युवाओं सहित अन्य लोगों ने भाजपा और अन्य राजनीति दलों को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण कर लिया। जबकि क्षेत्र भ्रमण के दौरान मेराल प्रखंड के तेनार पंचायत भवन, तेनार उच्च विद्यालय और तेनार पचमुहान टोला में काफी संख्या में युवकों, महिलाओं और पुरुषों ने भी भाजपा और दूसरे दलों को छोड़कर झामुमो की सदस्यता ग्रहण कर लिया। मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर सभी को झामुमो में शामिल किया।

उप विकास आयुक्त ने बलियारी पंचायत की मुखिया, पंचायत सचिव और जूनियर इंजीनियर से स्पष्टीकरण मांगा

आजाद सिपाही संवाददाता

पंचायत भवन बलियारी।

कांडी। जिला के उप विकास आयुक्त के द्वारा बलियारी पंचायत की मुखिया, पंचायत सचिव और 15वें वित्त के जूनियर इंजीनियर से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस दौरान वित्तीय नियमों का पालन नहीं करने, निकासी के अनुरूप कार्य नहीं करने, ग्राम सभा की पंजी संधारित नहीं रहने, स्वेच्छाचारिता किये जाने और कर्तव्य के निर्वहन में लापरवाही को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की गयी है। इसके लिए उन्हें 15 दिनों का समय दिया गया है। अन्यथा उनके विरुद्ध पंचायत राज अधिनियम 2001 के प्रावधानों और अन्य सुसंगत नियम के आलोक में अग्रेतर कार्रवाई प्रारंभ कर दी जायेगी। इस संदर्भ में उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्र के पत्रांक 542 दिनांक 22 अगस्त 2024 के अनुसार मुखिया चंदा देवी, पंचायत सचिव संजीव कुमार ठाकुर और जूनियर इंजीनियर से स्पष्टीकरण मांगते हुए कहा गया है कि अनुमंडल पदाधिकारी ने 19 जुलाई 2024 को जन शिकायत के आलोक में स्थल जांच कर कई तरह की अनियमितता पाते हुए डीडीसी को रिपोर्ट किया है। किये गये रिपोर्ट के तहत पंचायत में 20 सीमेंटेड कुर्सी की जगह मात्र 15 कुर्सियां पायी गयी हैं। जिसके विरुद्ध 200000 रुपये की निकासी कर ली गयी है। पंचायत के सभी विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन का अधिष्ठापन किया जाना था, लेकिन अपग्रेड उच्च विद्यालय बरवाडीह और राजकीय प्राथमिक विद्यालय सोनपुरा के आलावा कहीं किसी विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन नहीं पाया गया। उक्त दोनों स्कूलों का मशीन भी खराब है जो बंद पड़ा है। इसके विरुद्ध 148500 की निकासी कर ली गयी है। इन सभी मामलों को लेकर उक्त योजनाओं में वित्तीय नियमों का पालन नहीं किये जाने, निकासी के अनुरूप कार्य नहीं किये जाने, ग्राम सभा की पंजी भी संधारित नहीं होने और सभी लोगों के द्वारा स्वेच्छाचारिता अपनाते हुए कर्तव्य के निर्वहन में लापरवाही बरती गई है। एक पक्ष के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गयी है। इस सूरत में पंचायत राज अधिनियम 2001 में विहित प्रावधानों व अन्य सुसंगत नियमों के आलोक में अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी जायेगी।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
08

श्रद्धा और भक्तिभाव से खूंटी जिले में मनायी गयी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का महापर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को खूंटी जिले में धूमधाम और श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। जिला मुख्यालय कें ठाकुर रणछोड़ दास मंदिर (ठाकुरबाड़ी) और पिपराटोंली कें राम मंदिर, मिश्रा टोंली स्थित दुर्गा मंदिर कें अलावा बाबा आम्रेश्वर धाम परिसर स्थित श्रीराध-कृष्ण मंदिर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों ने श्रद्धाभाव से पूजा-अर्चना की। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कों लेकर सभी मंदिरों और देंवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। त्योहार कों लेकर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। मुख्य समारोह रात से शुरू हुआ, जब भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ। जन्मोत्सव कें बाद पूरे विधि-विधान सें उनकी पूजा-अर्चना की गयी और महा आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। जिला मुख्यालयश्य के अलावा मेन रोड तोरपा स्थित बजरंग बली मंदिर और देवी मंडप के अलावा कर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में भी श्रीकृष्ण जनमोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मौके पर कई मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया।

खूंटी

बुंडू

खलारी

भरपूर बारिश से किसान खुश

जन्माष्टमी के दिन हुई जोंरदार बारिश से किसान काफी खुश हैं। मान्यता है रथ यात्रा और जन्माष्टमी कें दिन बारिश होने से भरपूर फसल होती हे और खुशहाली आती है। सोमवार कों दोपहर बाद झमाझम बारिश से पूजा-अर्चना में लोगों कों कुछ परेशानी हुई, लेकिन लोग इसे काफी शुभ मान रहे हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी

बुंडू (आजाद सिपाही)। श्री श्री राधा रानी मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भक्तजन सुबह से ही भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना के लिए कतारबद्ध खड़ी थी मंदिर प्रबंधन भी जन्माष्टमी को लेकर पुरी तरह से तैयार थी। भक्तों के लिए प्रसाद का व्यवस्था किया गया था। बुंडू का यह मंदिर जागृत मंदिर है। कहा जाता है कि इस मंदिर में साक्षात भगवान कृष्ण विराजते हैं पुरे बुंडू से महिला पुरुष बच्चे बूढ़े इस मंदिर में पूजा करने के लिए जन्माष्टमी मे उमड़ पड़ते हैं मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर विशेषकर बच्चों के लिए फैंसी प्रतियोगिता आयोजित किया जाता है। जन्माष्टमी को लेकर पूर्व मंत्री राजा पीटर भी मंदिर परिसर में पधारे और पूजा अर्चना किए। साथ ही क्षेत्र की सुख शांति और समृद्धि की कामना किया। फैंसी प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। मौके पर राजकिशोर कुशवाहा, प्रदीप कुमार उर्फ रोशन महतो, परबीन चौधरी, गणेश कुम्हार, विवेक आनंद, जायसवाल मीना, देवी रंजीत लाहेरी, दीपक साहू, सजल कुंडू, रंजीत मोदक, आदि उपस्थित थे।

खलारी में हर्षोल्लास से मनाया गया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्र के मंदिरों को विद्युत सज्जा से आकर्षक रूप से सजाया गया था। कई मंदिरों में भगवान कृष्ण का पालना सजाया गया. देर शाम से मंदिरों में हरिकीर्तन शुरू किया गया जो रात 12 बजे भगवान के जन्म के बाद समाप्त हुआ। भगवान के जन्म के बाद विशेष आरती की गयी। वहीं भगवान के जयकारे से मंदिर गूंज उठे। साथ ही जन्माष्टमी को लेकर उपवास रखे हुए महिला-पुरूषों ने पूजन किया। जिसके बाद लोगों के बीच धनिया और नारियल चूरा से बना विशेष प्रसाद बांटा गया। वहीं मंदिर के अलावा कई घरों में भी भगवान श्रीकृष्ण का पालना सजाया गया था। मंदिर पहुंचे श्रद्धालु पूरी आस्था से पालना में लेटे भगवान को झूला झुलाए। क्षेत्र के श्रीजानकी रमण मंदिर खलारी, पहाड़ी मंदिर, शिव मंदिर खलारी बाजारटांड़, करकट्टा शिव मंदिर, धमधमिया आदि मंदिरों में जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर घरों में भी प्रकार-प्रकार का हलवा, नारियल व धनिया के मीठे चूर्ण बनाये गये।

हर घर तक पहुंचकर आजसू कार्यकर्ता बतायेंगे हेमंत सरकार की नाकामी : हरेलाल महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। आजसू पार्टी की ओर से राज्य के बेरोजगार युवाओं का बायोडाटा संग्रह अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ईचागढ़ विधानसभा में भी इसकी शुरूआत हो गयी हैं। सोमवार को नीमडीह प्रखंड कार्यालय में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने बायोडाटा संग्रह अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी दी गयी। हरेलाल महतो ने कहा कि आगामी 7 सितंबर तक ईचागढ़ विधानसभा के सभी बेरोजगार युवाओं का बायोडाटा लिया जायेगा, जिसे 8 सितंबर को राज्य सरकार को सौंपा जायेगा। इसके साथ साथ ईचागढ़ विधानसभा के सभी पंचायत में जनजागरण पदयात्रा निकाली जायेगी। इस दौरान आजसू के कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचकर हेमंत सरकार के नाकामी की जानकारी देंगे। हरेलाल महतो ने बताया कि मंगलवार को नीमडीह प्रखंड के लुपुंगडीह, टेंगाडीह, चालियामा तथा सामानपुर में जनजागरण पदयात्रा निकाली जायेगी। इस कार्यक्रम में सभी केंद्रीय, जिला और प्रखंड समिति के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा सभी चुल्हा प्रमुख, ग्राम प्रभारी, पंचायत प्रभारी तथा सभी अनुषंगी इकाई के सदस्य शामिल रहेंगे। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर सिंह बैद्यनाथ महतो, परशुराम गोराई, श्यामल महतो, भगीरथ दास, अमूल्य महतो, रमापति महतो, राजकिशोर महतो, कांचन सिंह, सुलोचना प्रमाणिक, दिनेश महतो, रवि महतो समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्व विधायक राजा पीटर राज्यपाल के नाम 31 सूत्री मांग पत्र सौंपेंगे

बुंडू (आजाद सिपाही)। तमाड़ विधानसभा की कई ज्वलंत समस्याओं को लेकर तमाड़ के पूर्व विधायक और मंत्री राजा पीटर 28 अगस्त को तमाड़ प्रखंड के भुईयांडीह चौक से बुंडू के मौसी बाड़ी मंदिर तक पदयात्रा करेंगे और राज्यपाल के नाम 31 सूत्री मांग पत्र सौंपेंगे। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। इस बात को लेकर बिरसा विकास समिति के सदस्यों ने पोस्टर बाजी और हैंड बिल बांटे जा रहे हैं।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में पांच घायल

तोरपा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र में अलग अलग सड़क दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गये। गंभीर रूप से घायल रोबर्ट कुल्लू (65) तथा बसंत भेंगरा (50) को ईलाज हेतु सदर अस्पताल खूंटी रेफर कर दिया। रोबर्ट तोरपा हिल चौक तथा बसंत भेंगरा कोंकया का रहने वाला है। रोबर्ट मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहा था रास्ते में कुलडा के पास अनियंत्रित होकर गिर गया। उसके सिर में चोट आयी है। बसंत भेंगरा को डांडतोली के पास एक अज्ञात स्कूटी सवार ने धक्का मार दिया। घटना के वक्त वह रोड पार कर रहा था। एक अन्य घटना में थाना क्षेत्र के चुरगी के पास मोटरसाईकिल से अनियंत्रित होकर गिर जाने से सूरज साहू (24) घायल हो गया। वह रनिया थाना क्षेत्र के लोहागड़ा गांव का रहने वाला है। वह खूंटी की तरफ से अपने घर जा रहा था। चुरगी के पास अनियंत्रित होकर गिर गया। एक अन्य घटना में मोटरसाईकिल से गिरकर अमरदीप आईंद व निकोलस हेमरोम घायल हो गये। निकोलस कसमार तथा अमरदीप सीमरगड़ा का रहने वाला है।

खगेन महतो की अध्यक्षता में टेंपो संघ का पुनर्गठन

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। विधानसभा क्षेत्र के रघुनाथपुर में सोमबार को टेंपो चालक की बैठक समाजसेवी खगेन महतो की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें निमडीह प्रखंड के सभी क्षेत्र से टेंपो चालक उपस्थित हुए, सभी ने टेंपो चालक संघ का सर्वसमिति से गठन करने का निर्णय लिया। सर्वसमिति से टेंपो चालक संघ का अध्यक्ष सुभाष महाली, प्रधान सचिव प्रदीप कर्मकार, उपाध्यक्ष लकीर कर्मकार, संजीव महतो, सचिव धीरेंद्र नाथ महतो, सह सचिव पवित्र नाग, कोषाध्यक्ष शिष्टधर महतो और प्रवक्ता मृणाल गोस्वामी को चुना गया।

पिपरवार एरिया को मिला सीसीएल इंटर एरिया क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल में होने वाले सीसीएल इंटर एरिया क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी सीसीएल पिपरवार एरिया को मिली है। इस वर्ष सीसीएल पिपरवार एरिया की मेजबानी में इंटर एरिया क्रिकेट टूनोमेंट का आयोजन किया जायेगा। जानकारी के अनुसार 27 सितंबर 2024 से लेकर 06 अक्टूबर 2024 तक सीसीएल पिपरवार में इंटर एरिया क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा। पिपरवार क्षेत्र के बचरा चार नंबर खेल मैदान और बचरा स्वर्ण जयंती स्टेडियम में सभी मैच खेले जायेंगे। इस वर्ष इस टूर्नामेंट में सीसीएल के सभी 18 क्षेत्रो की टीम शामिल होंगे। पिपरवार में होने वाले इंटर एरिया क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर जल्द ही सीसीएल के खेल अधिकारी के पिपरवार दौरा करने की संभावना है। इधर पिपरवार एरिया को इंटर एरिया क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने के बाद स्थानीय पिपरवार एरिया प्रबंधन द्वारा इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है। वहीं पिपरवार एरिया क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों में भी उत्साह देखा जा रहा है। पिपरवार क्षेत्र के सभी खिलाड़ी इंटर एरिया क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर जमकर अभ्यास कर रहे हैं।

मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने किया आर्थिक मदद

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी के चुरी होयर निवासी स्वः सुंदरी देवी के परिजन को मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने आर्थिक मदद किया। अब्दुल्ला ने बताया कि सुंदरी देवी का बीमारी के कारण एक सप्ताह पूर्व मृत्यु हो गया था। परिवार वालों की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। जानकारी मिलने पर मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी सुंदरी के घर गए। जहां उन्होने परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त कर परिवालों को ढांढस बढ़ाया। साथ ही श्राद्ध के लिये आर्थिक सहयोग किया। अंसारी ने आगे भी हर संभव मदद करने का आष्वासन दिया।

अशोक परियोजना में विश्वकर्मा पूजा समिति का हुआ गठन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना वर्कशॉप कार्यालय में अधिकारियो और कर्मचरियो की बैठक हुई। इस बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अशोक परियोजा कार्यालय में विश्वकर्मा पूजा धुमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक मे पूजा के सफल संचालन के लिए श्री श्री विश्वकर्मा पूजा समिति का गठन किया गया। समिति में संरक्षक अशोक परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार को बनाया गया। वही अध्यक्ष खान प्रबंधक एसके सिंह, उपाध्यक्ष शंभु शरण प्रसाद, शिशिर गर्ग, मनोज कुमार, कौशल आर्य, अजेश भंडारी, सचिव मिथिलेश कुमार, उप सचिव शेषनाथ प्रसाद, जैनुल अंसारी, राजेश प्रजापति, लखन साव, कोषाध्यक्ष दिलिप कुमार महतो, उप कोषाध्यक्ष स्वरूप सन्यामत को बनाया गया। वही चंदा कमेटी में शिवलाल महतो, अनिल पांडेय, शंभु राम, हेमराज प्रजापति, कामेश्वर राम, आरके सिंह, केके चतुर्वेदी, प्रयाग मिस्त्री, मथुरा प्रसाद मंडल, राकेश राम, बिनोद सिंह, मुबारक हुसैन, शंकर विश्वकर्मा, पुरण गंझु,पी कुजुर, रामधनी साव को रखा गया। जबकि प्रसाद कमेटी मे श्रवण महतो, आरएन ठाकुर, आरके नोनिया, फिरो महतों, दीपक कुमार, संजय ठाकुर, बबलु गरेरी, संतोष महतो, सुनील महतो, दिलेश्वर महतो, सूरज कहार, बिनोद कुमार, कुवंर महतो, राजेश चौहान, मिंटु कुमार, अशोक गंझु, जलेश्वर यादव को शामिल किया गया।
जेनरल कमेटी में प्रदीप कुमार, विकाश सिंह, ओमप्रकाश चौहान, प्रदीप कुमार, अशोक महतो, संतोष गिरी, गणेश रविदास, धनेश्वर गंझु, बुधन हजाम, आरएन पंडित, नागो गंझु, फूलेश्वर महतो, बासुदेव प्रसाद, एसके सिंह, एसके चौबे, श्रीवास्तव पासवान और दिलिप सिंह को शामिल किया गया है। बैठक में कई अधिकारी और कर्मचारी मौजुद थे।

वज्रपात से 52 वर्षीय भरत मुंडा की मौत

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ थाना क्षेत्र के जोजोडीह में वज्रपात से 52 वर्षीय भरत मुंडा की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत मुंडा अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी बीच वज्रपात होने से गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्हें चिकित्सा के लिए तमाड़ अस्पताल ले जाने के क्रम में मौत हो गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई है। पोस्टमार्टम के लिए भेजेगी।

सड़क नहीं होने के कारण छोटे बच्चों को विद्यालय जाने में हो रही परेशानी

रडगांव/तमाड़ प्रखंड के रडगांव रा०प्रा० विद्यालय में सड़क नहीं होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाने में बहुत दिक्कत हो रही है। बच्चे फिसल कर गिर रहे हैं, जिससे बच्चों की हाथ पैर टूटने की संभावना बनी हुई है, बताते चले कि इस स्कूल में लगभग 40 से 50 बच्चे पढ़ते हैं, यहां शिक्षक और कमरे की भी कमी है, यहां कक्षा एक से पांचवी तक पढ़ाई होती है लेकिन एक पारा शिक्षक और एक सरकारी शिक्षक ही है, कमरे मात्र तीन है, जिससे बच्चों की पढ़ाई में बाधा पहुंच रही है, बच्चों को आने जाने के लिए सड़क का होना अति आवश्यक है।

मैकलुस्कीगंज एवं आसपास के क्षेत्रों में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मना

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज और आस पास के क्षेत्रों में जन्माष्टमी का पर्व धुमधाम के साथ मनाया गया। इसको लेकर हेसालौंग, लपरा शिव मंदिर, दुल्ली सर्वधर्म स्थल आदि जगहों पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से विद्युत सज्जा कर सजाया गया। सुहागिनो ने दिन भर निर्जला उपवास रखा। वहीं मध्य रात्री को मेवा, दुग्ध, दही, मधु, अक्षत, पुष्प, फल, नैवेद्य आदि से भगवान कृष्ण को धनिया से बनी पंजीरी का भोग लगाया व पूजा अर्चना किये। इस शुभ अवसर देर रात्रि लपरा शिव मंदिर, धुर्वा मोड़ फैक्ट्री स्थित मंदिर, हेसालौंग मंदिर व सर्द धर्म स्थल दुल्ली परिसर में भजन किर्तन का आयोजन किया गया। कुछ स्थानों पर दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

बिरसा जागृति मध्य विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टी मनायी गयी

खलारी (आजाद सिपाही)। बिरसा जागृति मध्य विद्यालय बिरसानगर धमधमिया में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कुल के विद्यार्थियों द्वारा राधा कृष्ण की वेश भूषा धारण कर नृत्य गायन प्रस्तुत किया गया। वहीं बच्चों के द्वारा जन्माष्टमी को लेकर चित्रकला और मूर्ति कला का प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने राधा कृष्ण की मूर्ति और कागज पर चित्र बनाया। बच्चों के द्वारा बहुत सुंदर चित्र बनाये गये। शिक्षकों ने भी बच्चों की प्रतिभा को खूब सराहा। विद्यालय की प्रिंसिपल पुष्पा विष्वकर्मा ने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही श्रीकृष्ण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां बच्चों को दी गयी। वहीं बच्चों के द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम और उनके द्वारा बनाये गये चित्रकला की तारीफ करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं नरेश मिस्त्री, शिवस कुमारी, अर्चना कुमारी और प्रियंका कुमारी उपस्थित थे।

जिप सदस्य सरस्वती देवी की अनुशंसा पर खलारी छठ तालाब का डीएमएफटी फंड से होगा सुंदरीकरण

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी पश्चिमी जिप सदस्य सरस्वती देवी के अनुशंसा पर खलारी पंचायत स्थित खलारी छठ तालाब का सुन्दरीकरण डीएमएफटी फंड से किया जायेगा। इसको लेकर रविवार को रांची से स्थल निरीक्षण व योजना में किये जाने वाले कार्य की जानकारी लेने कनीय अभियंता अमित कुमार खलारी आये। इस क्रम में उन्होने बताया कि लोगों की सुविधा के लिये छठ तलाब के घाट में छठवर्ती के लिये सीढ़ी बनाया जायेगा। साथ ही पेवर ब्लाक से लोगों के चलने के लिये रास्ता, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, लोगों के बैठने के लिये सिमेंटेड बेंच आदि का निर्माण कराया जायेगा। साथ ही बताया कि खलारी में एक पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जायेगा। मौके पर जिप सदस्य सरस्वती देवी के अलावे कनीय अभियंता अमित कुमार, सुमित कुमार, प्रमोद प्रजापति, राजेंद्र रजक आदि उपस्थित थे।

हथियार से मारकर एक व्यक्ति की हत्या

आजाद सिपाही सांवाददाता

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र के डोकाड़ गांव के समीप अर्जुन सिंह (34 वर्ष) नामक किसान की हत्या कर दी गयी। रविवार देर रात उसका शव हेसाहातू गांव की सीमा से बरामद किया गया। मृतक डोकाद गांव कर रहनेवाला था। जानकारी के अनुसार अर्जुन सिंह रविवार की शाम को भंडरा बाजार गया थ। और देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। जब उसने कॉल रिसीव नहीं किया तो परिजन खोजबीन के लिए निकले निकले। गांव से कुछ दूरी पर उसका बाइक पड़ा हुआ पाया। वहीं कुछ दूरी पर उसका शव भी बरामद किया गया। मौके पर अपराधियों की चप्पल भी बरामद की गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया और मामले की छानबीन शुरू कर दी। परिजनों ने बताया कि अर्जुन सिंह की हत्या किसने की है यह तो नहीं पता चल सका है। हालांकि शक के आधार पर पुलिस को कुछ नाम उनहोंने बताये हैं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने बताया कि घटनास्थल से कुछ सामान मिले थे। रांची से डॉग स्क्वायड बुलाकर पड़ताल की गयी है। हालांकि उससे कुछ पता नहीं चल सका। एफएसएल की टीम भी आयी थी उन्होंने कहा कि। मामले की छानबीन की जा रही है।

सुभाष नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मना

खलारी (आजाद सिपाही)। ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला सुभाष नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गीता पाठशाला के बहनों ने उपस्थित सभी भाई-बहनों को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देते हुए अपने कुछ अनुभव सांझा किए। पाठशाला की नियमित बीके बीके प्रीति बहन ने कार्यक्रम में आए सभी भाई-बहनों को कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व की शुभकामनाएं दी।

सर्व ब्राह्मण महासभा कमेटी का विस्तार, प्रमोद अध्यक्ष और दिनेश सचिव बने

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सर्व ब्राह्मण महासभा के द्धारा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से सर्व ब्राह्मण महासभा के कमिटि का विस्तार किया गया। जिसमें सतीश कुमार पांडेय, बीएन पांडेय, प्रमोद पाठक, बीके तिवारी, जितेंद्रनाथ पांडेय, रतन मिश्रा, रमेश शर्मा, एच.के दुबे, नव कुमार बनर्जी, राजीव कुमार मिश्रा, राजीव चटर्जी, अनिल चैबे, एसके चैधरी को संरक्षक, प्रमोद कुमार तिवारी को अध्यक्ष, धीरेंद्र कुमार शर्मा, गिरधर तिवारी, जितेंद्र गिरि, अनिल पांडेय, सत्यनारायण चैबे, गुड्डू गिरि, इंद्रदेव पाठक को उपाध्यक्ष, दिनेश कुमार पांडेय को सचिव, विकास कुमार दुबे, संतोष कुमार गिरि, गिरधर मिश्रा, कन्हैया झा, सोनु पांडेय, अमित कुमार तिवारी, शशि पांडेय को सह सचिव, अवधेश कुमार उपाध्याय को कोषाध्यक्ष, पंकज कुमार मिश्रा को उप कोषाध्यक्ष, अनिल पांडेय को मीडिया प्रभारी, सोनु पांडेय को प्रवक्ता बनाया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी समिति में परमेष्वर गिरि, आशीष कुमार दुबे, शंभूनाथ पांडेय, सोनु तिवारी, अरविंद चैबे योगेंद्र पांडेय, जितेंद्र शुक्ला, सुशील कुमार पांडेय, गोल्डन चैबे, मनीष तिवारी, उदित पांडेय, आदर्श बाजपेयी, रणजीत मिश्रा, मोनू शर्मा, लक्ष्मण दुबे, अमित दुबे, अजय मिश्रा, राकेश दुबे, बृजराज दुबे, मोहन पांडेय, विकास पाठक, अविनाश पांडेय, अजय मिश्रा, सुनील गिरि, दीपक गिरि, कल्याण झा, दीपक ओझा, अवधेश पाण्डेय समेत अन्य लोगों का चयन किया गया है।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यरत समांता सिक्योरिटी एजेंसी ने किया करोड़ों का घोटाला

कुलपति, निदेशक प्रशासन, कंट्रोलर और परचेज ऑफिसर की मिली भगत से हुआ घोटाला

राज भवन ने लिया संज्ञान, अब टेंडर रद्द करने की तैयारी

सुनील कुमार गुप्ता

कांके (आजाद सिपाही)। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यरत निजी सिक्योरिटी एजेंसी समांता सिक्योरिटी व इंटेलिजेंस सर्विसेज ने निविदा के माध्यम से कार्य लेकर सिक्योरिटी सर्विस देने के नाम पर विगत दो वर्षों में करोड़ों रुपए की सरकारी राशि का घोटाला किया है। कार्यरत एजेंसी ने बीएयू से करोड़ रुपयों का सिक्योरिटी सर्विस के नाम पर भुगतान लिया। लेकिन अपने सुरक्षा कर्मियों, सुपरवाइजरों को आधे से भी कम राशि दिया। इस संबंध में कांग्रेस के जिला महासचिव महेश कुमार मनीष ने झारखंड राज भवन सहित राज्य के कृषि मंत्री से भी शिकायत की है। इस मामले में राजभवन ने संज्ञान लेते हुए कुलपति को जांच कर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा हैं। कांग्रेस नेता महेश कुमार मनीष ने आरोप लगाया है कि इस घोटाले में कुलपति सुनील चंद्र दूबे, निदेशक प्रशासन एजाज अनवर, परचेज ऑफिसर, कंट्रोलर ए मोहसिन सहित बिल पास करने वाले सभी लोगों की मिलीभगत है।

मामला संज्ञान में आने के बाद बीएयू प्रशासन ने नया टेंडर निकालने की तैयारी कर ली है। संभवत 28 अगस्त को टेंडर निकल भी जाएगा। बतातें चलें कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में साल 2022 के नवंबर महीने से कार्यरत निजी सुरक्षा एजेंसी समांता सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसएसआईएस) ने आरंभ से ही विश्वविद्यालय के अधिकारियों की मिलीभगत से गार्डों के नाम पर लिए जा रहे राशि से आधे से भी कम का भुगतान उनको किया है। इसकी आवाज उठाने वाले गार्डों को नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। इस कारण दो-तीन बार पत्र लिखने के बाद वे चुप बैठ गए। समांता सिक्योरिटी एजेंसी को बीएयू प्रशासन एक गार्ड के लिए मार्च 2024 तक 19,858 रुपए भुगतान कर रहा है। लेकिन एजेंसी उनको महज 8000 से 8500 रुपए ही बैंक खाते में भेजती है। वहीं गनमैन और भूतपूर्व सैनिक को 41000 में से केवल 14500 रुपए और सुपरवाइजर को 49,625 रुपए में से महज 18000 रुपए का ही भुगतान कर रही है। प्रत्येक गार्ड से 10 से 11 हजार, गनमैन और भूतपूर्व सैनिक से 26500 और सुपरवाइजर से 31000 रुपए की कमाई कर रही है। बतातें चलें कि समांता सिक्योरिटी एजेंसी को बीएयू प्रशासन 10.01 प्रतिशत का सर्विस चार्ज का अलग से भुगतान करती है। यहां प्रत्येक माह बेहिसाब संख्या में गार्डों, सुपरवाइजर और गनमैन आदि की ड्यूटी दिखा कर बीएयू प्रशासन से बिल का भुगतान लिया गया है। अकेले जनवरी महीने के बिल में 168 गार्डों, 62 सुपरवाइजर, 36 गनमैन और 36 भूतपूर्व सैनिकों की ड्यूटी बीएयू मुख्यालय, रवंद्रनाथ टैगोर एग्रीकल्चर कालेज देवघर, तिलका मांझी एग्रीकल्चर कालेज गोड्डा, एग्रीकल्चर कालेज गढ़वा, फूलो झानो मुर्मू कालेज हंसडीहा दुमका और हार्टिकल्चर कालेज खुंटपानी में दिखा कर खेल किया गया है। जबकि बिल के साथ बैंक खाते में भेजी गई राशि का विवरण भी संलग्न नहीं किया गया है। गार्ड, सुपरवाइजर, भूतपूर्व सैनिक, गनमैन की संख्या का भी कहीं स्पष्ट उल्लेख नहीं है। दो साल में लगभग तीन से चार करोड़ की राशि का खेल और बंदरबांट हुआ है। बीएयू प्रशासन राज्य सरकार की न्यूनतम मजदूरी के साथ पीएफ, ईएसआईसी, बोनस, अवकाश, ग्रेच्युटी के साथ साप्ताहिक अवकाश की राशि का भुगतान एजेंसी को कर रही है। लेकिन इसके क्रय पदाधिकारी, नियंत्रक, निदेशक प्रशासन, वीसी तक ने दिए जा रहे इन पैसों का ब्योरा एजेंसी लेने की जरूरत नहीं समझी या जानबूझकर आंखें मूंद कर सरकार का पैसा लूटते देखते रहे। पर नए वीसी डॉ सुनील चंद्र दूबे ने इस गड़बड़ी को गंभीरता से लेते हुए एजेंसी को पूरा विवरण डालने का निर्देश दिया है। उनकी सख्ती के बाद बिल की राशि 95 लाख से घाट कर 72 लाख पहुंच गई है। आश्चर्यजनक रूप से गार्डों की संख्या भी कम हो गई है। बावजूद इसके एजेंसी हेराफेरी से बाज नहीं आ रही है। बताते चलें कि टेंडर पूर्व वीसी डॉ ओएन सिंह के कार्यकाल में हुई थी। उनके कार्यकाल में खरीद और टेंडर में व्यापक गड़बड़ी के आरोप पहले भी लगे थे। लेकिन जांच अभी लटका दी गई है ।

गड़बड़झाला

- बीएयू प्रशासन एक गार्ड के भुगतान कर रहा 19858 रुपये, एजेंसी दे रही 8000-85000
- गन मैन व पूर्व सैनियों को 41000 हजार के बजाय दिए जा रहे केवल 14500
- सुपरवाइजर के 49,625 रुपये की जगह दिये जा रहे महद 18000 रुपये

रद्द होगा टेंडर

कृषि विभाग के संयुक्त सचिव सह बीएयू के प्रभारी निदेशक प्रशासन एजाज अनवर ने कहा कि एजेंसी द्वारा गड़बड़ी किए जाने की सूचना मिली है। इसलिए उससे पूरा विवरण देने को कहा गया है। गार्डों ने लिखित शिकायत नहीं की है। मौखिक शिकायत आई है। जल्द ही टेंडर को रद कर नए सिरे से टेंडर निकाला जाएगा।

अधिकारी दे रहे गोल मटोल जवाब

कम वेतन भुगतान के बारे में पूछने पर कंट्रोलर ए मोहसिन ने बताया कि आप लोगों को गलत पेपर मिल गया है। जिस कारण घोटाला नजर आ रहा है। ऐसी बात नहीं है। बीएयू में लगभग 200 के आसपास सुरक्षाकर्मी, गनमैन, सुपरवाइजर कार्यरत है। यह सभी बीएयू के 11 कॉलेज, मुख्यालय और केवीके में कार्यरत हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि सुरक्षा कर्मियों को इपीएफ, ईएसआई आदि कंपनी कटौती के बाद वेतन भुगतान कर रही है। जिस कारण इन्हें कम वेतन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 28 अगस्त को सिक्योरिटी एजेंसी का नया टेंडर प्रकाशित हो जाएगा।

महत्वपूर्ण न्यूज

मनोज सिंह को भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बनाये जाने का स्वागत

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को चौहान मेंशन में स्वागत समारोह का आयोजन किया। जिसका नेतृत्व केंद्रीय महावीर मंडल के उपाध्यक्ष बिक्कू सिंह ने किया। समारोह में पतरा टोली निवासी मनोज कुमार सिंह को भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर उनका स्वागत बुके, फूल, माला, शॉल ओढ़ाकर व तलवार देकर किया गया। इस अवसर पर मनोज सिंह ने भाजपा के उच्च पदाधिकारी का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उनपर जो जिम्मेवारी सौंपी है। उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगें। उन्होंने उपस्थित लोगों से विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने को लेकर संकल्प लेने की अपील की। मौके पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सूबेदार ललन ठाकुर, अरुण झा, अमित कुमार, अक्षय मिश्रा, अनिल कुमार, विकास सिंह, राकेश कुमार, प्रकाश भारती, राजकुमार सिंह, पंकज तिवारी, नारायण सिंह, पृथ्वीराज सिंह, बंटी सिंह, कृष्णा, देवराज, संजय, शंकर आदि मौजूद थे।

खेल दिवस पर फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित करेगा आजसू

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजन को लेकर आजसू सोमवार को आजसू की बैठक गेतलसूद में हुई। मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव थे। बैठक में खेल दिवस के उपलक्ष्य में आजसू की ओर से आगामी 29 अगस्त को गेतलसूद मैदान में पंचायत स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पारसनाथ उरांव ने कहा कि वर्तमान सरकार झूठ पर टिकी है। रोजगार के नाम पर यहां के युवाओं को अबतक बरगलाया गया है। बेरोजगार युवक रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं। लेकिन अब युवा भी वर्तमान सरकार की नियत और नीति को समझ चुके हैं। कहा कि खेल के माध्यम से युवाओं को अपने हक अधिकार के प्रति जागरूक करने के साथ बेरोजगार युवकों का डाटा एकत्रित कर सरकार को आईना दिखाने का काम किया जायेगा। मौके पर केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह, ज़िला महिला मोर्चा अध्यक्ष वीणा कुमारी, जिला सचिव वीणा देवी, सावित्री देवी, महिला अध्यक्ष अनगड़ा किरण देवी, निर्मला देवी, सोनू उरांव सहित सैकड़ो खिलाड़ी उपस्थित थे।

ओरमांझी में धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जनमाष्टमी

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के महावीर मंदिर, ब्लॉक चौक, राधा कृष्ण मंदिर, दुर्गा महादेव मंदिर, उकरीद समेत सभी मंदिरों में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राधा-कृष्ण मंदिर में बच्चों के लिए नृत्य गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उकरीद चौक स्थित महावीर मंदिर में अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया था। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम के सफल आयोजन में ब्लॉक चौक में विनय मिश्र, अशोक कुमार गुप्ता, राजेश साहू, जय नारायण ठाकुर, पंकज ठाकुर, सुभाष साहू, राजेंद्र साहू, रवि रंजन साहू, ओरमांझी राधा कृष्ण मंदिर में सत्य नारायण तिवारी, अशोक तिवारी, श्री नारायण तिवारी, सुरेंद्र मेहता, संतोष कुशवाहा, सुरेश मेहता, कृष्ण महतो, श्याम किशोर महतो, उकरीद में विष्णु मुंडा, कामेश्वर महतो, कृष्ण साहू, रविंद्र महतो, गांगु टोली गौशाला में पूर्व उप प्रमुख जय गोविंद साहू, शिव नारायण साहू, परमेश्वर साहू, नोना पाहन आदि का विशेष योगदान रहा।

जन्माष्टमी पर गौ की पूजा कर खिलाया गुड़-रोटी

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम के बनो और बनाओ मंच के तत्वाधान में सोमवार को जन्माष्टमी मनाई गई। इस अवसर पर मंच के सचिव अखिलेश यादव ने कुटियातू मैदान जाकर गाय और बेलों की पूजा की। उसके बाद गुड़ और रोटी खिलाया। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा करने से कृष्ण भगवान प्रसन्न रहते है। संस्थापक रामाधार सिंह ने कहा कि आज के कल्चर में लोग कुत्ते अधीक व गाय कम पाल रहे है। मौके पर निरज कुमार, रंजित पात्रा, कौशल सिंह, राम किशुन महतो, सरत ओसा आदि उपस्थित थे।

पूर्व एथलीट के निधन पर सिकिदिरी क्षेत्र में शोक

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। पूर्व एथलीट व उषा मार्टिन के कर्मी अरूण पाहन (520 का ब्रेन हेमरेज से आकस्मिक निधन हो गया। इससे सिकिदिरी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। वे 1984 से 1996 तक शानदार खिलाड़ी, मृदभाषी और अच्छे इंसान थे। उनके निधन पर बचपन के भाजपा नेता जैलेद्र कुमार, पूर्व मुखिया श्रवण मुंडा, जनकल्याण समर्पण संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार, कार्तिक पाहन, संजय कुमार गुड्डू, सत्यपाल राउत, श्याम महतो, अमित कुमार झा, ब्रजकिशोर प्रसाद, प्रकाश मुंडा, मिथिलेश बैठा, पुंडेश्वर चौधरी, मनोज महतो, शशि मुंडा आदि ने शोक व्यक्त किया। साथ ही अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए।

बेड़ो में स्व मुकेश तिर्की फुटबॉल प्रतियोगिता 21 सितंबर से

बेड़ो (आजाद सिपाही)। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रखंड मुख्यालय स्थित महादानी मैदान में सरना क्लब के तत्वाधान में पांच दिवसीय प्राइज मनी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 21 सितंबर से होगा। इसके सफल आयोजन को लेकर सोमवार को सरना क्लब के सदस्यों की बैठक हुई। जहां क्लब के गोलकीपर रहे स्व मुकेश तिर्की प्राइज मनी फुटबॉल प्रतियोगिता 2024 को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन कर रहे डे बोर्डिंग के कोच अनमोल टोप्पो ने कहा कि 21 से 25 सितंबर तक फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें कुल 16 टीमें भाग लेंगीं। विजेता टीम को 51 हजार, उपविजेता को 31 हजार और तीसरे व चौथे स्थान पर आने वाले टीमों को आठ-आठ हजार रुपये व ट्रॉफी दिया जाएगा। वहीं टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए एक समिति का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक सुशांति भगत, राखी भगत, राकेश भगत, जुगेश उरांव, धनंजय कुमार राय, सुका उरांव, रंजीत टोप्पो, अनमोल टोप्पो, मुन्ना बड़ाईक, वीरेन्द्र तिर्की, विश्वनाथ गोप, दिलीप उरांव, कोषाध्यक्ष सुशील कच्छप व संदीप कुजूर, सचिव करण कुमार आदि को सदस्य बनाया गया है।

विभिन्न मांगों को लेकर राज्य के वन कर्मियों का अनिश्चितकालीन धरना जारी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। झारखंड के अवर वन सेवा संघ के बैनर तले विभिन्न मांगों को लेकर राज्य के वन कर्मियों का डोरंडा वन भवन के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना सोमवार को 11वें दिन भी जारी रहा। गौरतलब हो कि झारखंड सरकार द्वारा राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली 2014 में अहितकारी संशोधन कर राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली, 2024 बनाकर वनपाल के शत प्रतिशत प्रोन्नति के पद में कटौती करते हुए 50 पीसदी पदों पर सीधी नियुक्ति करने की घोषणा की थी। इसके प्रतिवाद में रांची के डोरंडा वन भवन सहित सभी जिला मुख्यालय के वनरक्षी विगत 16 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि झारखंड के वनरक्षी अल्प वेतन- भत्ते और बिना किसी विशेष सुविधा के जंगलों की सुरक्षा, विकास और वन्य प्राणियों की सुरक्षा, वन्य प्राणियों से लोगों की सुरक्षा आदि कार्यों के लिए दुर्गम क्षेत्रों में दिन- रात मुस्तैद हैं। उनके लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराने के बजाय सरकार ने वनरक्षियों के प्रोन्नति के अवसर को छिनने का कार्य किया है। इस बीच विभिन्न माध्यमों से सूचना मिल रही है कि वनरक्षियों के धरना प्रदर्शन शुरू होने के बाद वन अपराध में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। जंगली हाथियों का तांडव अपने चरम पर है। वन माफिया द्वारा खुलेआम कोयला, लकड़ी, अबरख और पत्थर जंगलों से निकाले जा रहे हैं। क्योंकि उनको लगाम लगाने के लिए वन प्रशासन के पास कोई विकल्प नहीं है। बाबजूद इसके सरकार द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इससे प्रतीत होता है कि विभाग और सरकार को वन संपदा की सुरक्षा से कोई लेना देना नहीं रह गया है। इधर, वन संपदा और वन्य प्राणियों की नुकसान को ध्यान में रखते हुए झारखंड राज्य अवर वन सेवा संघ का एक प्रतिनिधिमंडल झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन, सांसद जोबा मांझी, झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री दीपक बिरुआ एवं मंत्री बन्ना गुप्ता जी से भी मिला है। हालांकि सरकार द्वारा मांगों को लेकर सकारात्मक आश्वासन मिला है। इस पर लिखित आश्वासन मिलने तक धरना प्रदर्शन को जारी रखने का निर्णय लिया गया। इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हजारीबाग आगमन पर उन्हें मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा गया है। धरना के माध्यम से 2014 के वनरक्षी नियुक्ति नियमावली में हुए अलाभकारी संशोधन को रद्द करते हुए उसे यथावत रखने तथा मांगों पर यथाशीघ्र कारवाई करने का आग्रह किया गया है। धरना प्रदर्शन में 24 जिले के लगभग 1600 वनरक्षी शामिल हैं।

छोटी-छोटी गइया, छोटे-छोटे ग्वाल, छोटो सो मेरो मदन गोपाल...

श्री श्री महावीर मंदिर रामनवमी मुख्य अखाड़ा कांके में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन

आजाद सिपाही टीम

कांके/बेड़ो/नगड़ी/इटकी/मांडर। श्रीकृष्ण जनमाष्टमी पर सोमवार को जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर बाल गोपाल का जन्म दिवस मनाया गया। इसी कड़ी में कांके के प्रेम नगर रोड स्थित श्रीश्री महावीर मंदिर रामनवमी मुख्य अखाड़ा की ओर से श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पुरोहित फुल कांत झा ने प्रातः मंदिर में स्थापित राधा कृष्ण मंदिर सहित सभी विग्रह का पूजा अर्चना और आरती की। इस दिन शाम 6 से 7 बजे तक बच्चों का राधा-कृष्ण बनकर नृत्य प्रतियोगिता हुई। इसमें दीक्षा ने प्रथम स्थान को प्राप्त किया। शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक भजन संध्या हुआ। इसी बीच गोविंदाओं प्रतिभागियों द्वारा मटका फोड़ कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसमें अंश यादव की टीम ने मटका फोड़ा। जिसमें इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाले विजेताओं को नगद राशि और कप, शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने किया। वहीं, महोत्सव के अध्यक्ष संदीप यादव, संयोजक सुनील गुप्ता, तरुण वर्मा, छोटू वर्मा, शिव कुमार साहू, सहसंयोजक प्रमोद राय आदि ने सक्रिय योगदान दिया। वहीं, **बेड़ो** प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया गया। महादानी मंदिर प्रांगण स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा व फूलों से सजा कर रात 12 बजे भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। पुजारी अशोक पंडा व सोनू पंडा ने विधिवत पूजा किया। मध्य रात में श्री कृष्ण जन्म जन्मोत्सव पर महाआरती व व्रत करने वाले भगतों ने श्री कृष्ण को पालने में झुलाया। वहीं, महादानी सेवा सत्संग समिति की ओर से भजन कीर्तन, आर्यन कोचिंग डांडिया व मटका फोड़ कार्यक्रम, राधे कृष्ण मंदिर के संस्थापक स्व भवानी बड़ाइक के वंशजों द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव व अहीर समाज की ओर से खीर महाप्रसाद का वितरण किया गया। उधर, इटकी प्रखड व उसके आसपास के इलाकों में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया गया। इटकी जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में रात 12 बजे भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इसके पूर्व पंडित श्याम सुंदर राम तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोंच्चारण के बीच विधि विधान से पूजा की गई। वहीं, सुबह बिरसा मुंडा पब्लिक स्कूल दरहाटांड़ सहित अन्य स्कूली छात्र- छात्राओं द्वारा जन्माष्टमी को लेकर ग्राम भ्रमण के साथ झांकी निकाली गई। इटकी के दरहाटांड़, महतो टोली, झखरा टोली, मल्टी, मोरो, मकुन्दा, कुन्दी, गड़गांव सहित अन्य गांवों में भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पारंपरिक तरीके से मनायी गयी। जबकि नगड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनायी गयी। नगड़ी स्थित राधा कृष्ण मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की। वहीं घरों में भी बहुत से श्रद्धालुओं ने दिन भर उपवास रख कर संध्या में नंद गोपाल की पूजा की। नगड़ी के राधा कृष्ण मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी क्लब के तत्वावधान में जूनियर वर्ग के बालकों के बीच मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं, श्रीकृष्ण जनमाष्टमी पर होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) ब्राम्बे में दही हांडी तोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के लड़कों के 'बाहुबली' टीम व लड़िकयों की 'लक्ष्मीबाई' टीम ने भाग लिया। इसमें लकड़ियों की लक्ष्मीबाई टीम ने लड़कों के टीम को कम समय में हांडी फोड़ कर पछाड़ते हुए इस प्रतियोगिता के साथ ही उपहार नकद राशि जीत लिया।

नगड़ी में व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, शव बरामद

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थित में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। सोमवार को पुलिस ने एसबीआई के सामने से उसका शव बरामद किया। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। इस दिन सुबह कुछ लोगों की नजर शव पर पड़ी तो सूचना नगड़ी थाने को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। वहीं, आसपास के लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही वह कहीं बाहर से यहां आया था। वह बीमार भी था। रात में दुकानों के बाहर ही सोया करता था। रविवार को एसबीआई के सामने राजेंद्र महतो के घर के बाहर सोया था। अगले दिन यानी सोमवारर की सुबह काफी देर तक जब वह नहीं उठा तो लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस जांच में जुट गयी है।

10 दिन बाद भी नहीं बदला खराब ट्रांसफार्मर बिजली विभाग के खिलाफ फूटा लोगों का गुस्सा

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे के सिल्वे मानकी ढ़ीपा में गर्मी और पिछले 10 दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने से लोग आक्रोश में है। सोमवार को खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन के नेतृत्व में दर्जनों नाराज लोगों ने टाटीसिलवे बिजली बोर्ड कार्यालय में हंगामा कर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के अफसर सिर्फ आश्वासन दे रहे है। लेकिन 10 दिनों के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। उन्होंने कहा कि बिजली नहीं होने की वजह से पानी के लिए भी तरसना पड़ रहा है। इसके बाद भी बिजली विभाग उनकी समस्याओं को नजर अंदाज कर रहा है। मौके पर मनेश महतो, राजेश साहू, किशोर साहू, रमेश महतो, पुष्पा मुंडा, प्रकाश महतो, मनसा महतो, जगरनाथ महतो, राजू मुंडा, मनोज महतो, सोना लाल महतो के साथ अन्य शामिल थे।

मांडर प्रखंड के मिशन नवाटांड में अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन

सहिष्णुता, सद्भावना और एकजुटता ही हमारा मूल मंत्र : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। प्रखंड के नवाटाड़ मैदान में सोमवार को अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अथिति के रूप में राज्य समन्वय समिति के सदस्य सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की और मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं। इस अवसर पर बंधु तिर्की ने कहा कि सहिष्णुता, सद्भावना एवं एकजुटता ही हम सभी का मूल मंत्र है। इसके लिये बहुत जरूरी है कि बांटनेवाली शक्तियों के साथ ही उसके पीछे खड़ी भाजपा और उसके नेताओं के मंसूबों पर पानी फेरा जाए। वहीं, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि केवल अपने राजनीतिक लाभ के लिये लोगों को बांटना न केवल समाज या झारखंड, बल्कि लोगों के लिये भी घातक है। उन्होंने कहा कि नफरत के माहौल से सारा जीवन ठहर जाता है। पर झारखंड में महागठबंधन की सरकार समाज विरोधी और देशद्रोही तत्वों के सपनों को कभी भी पूरा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति जमीनी स्तर पर आपसी मेलजोल से आगे बढ़ने का है और झारखण्ड का हर एक व्यक्ति शरारती तत्वों के मंसूबों को विफल करेगा।

राजनीतिक लाभ के लिए समाज को बांटना घातक : शिल्पी

विधायक ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज की जरूरतों का ख्याल न केवल उन्हें बल्कि उनकी सरकार को भी है। आदिवासियों एवं अल्पसंख्यकों के मध्य परस्पर सामंजस्य पर जोर दिया।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन, राधा-कृष्ण के वेष में पहुंचे बच्चे

द्वापर युग में अधर्म का नाश व धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण ने लिया था धरती पर जन्म : डॉ सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल प्रांगण में सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत प्राचार्य डॉ एके सिंह ने किया। प्रार्थना सभा की रौनक देखते ही बन रही थी। जिसमें कक्षा प्री-नर्सरी से तृतीय तक के छात्र-छात्राएं कृष्ण, राधा एवं सुदामा का आकर्षक वेश-भूषा धारण कर पहुंचे थे। कृष्ण का बाल-रूप बड़ा ही निराला था, जो मन को मोहित कर रहा था। सबकी दृष्टि मंच पर ही एकाग्र थी। कक्षा सातवीं की छात्राओं ने भक्ति गीत 'मैया मोहे

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में राधा-कृष्ण के भेष में उपस्थित बच्चे व अन्य।

दाऊ बहुत खिझायो' और 'पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो' गीत गाकर सबका मन मोह लिया। कक्षा द्वादश की जिया और श्रुति ने 'तुम इतना न करियो सिंगार' गीत पर अनुपम प्रस्तुति दी। विद्यालय के चारों सदनों की छात्राओं की ओर से मनोरम एकल नृत्य की प्रस्तुति दी गई। पूजा भारती बायरन सदन, अर्पना यादव इलियट सदन, अंशिका पाण्डे कीट्स सदन और जिज्ञासा कुमारी शेक्सपियर सदन से अपनी प्रस्तुति दी। छात्रों के कदम 'अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम' जैसे कई गीतों पर पर थीरके। इस अवसर पर विद्यालय में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में इलियट सदन-प्रथम, कीट्स सदन द्वितीय, और बायरन सदन तृतीय स्थान पर रहे। माखन चोरी और सुदामा मिलन जैसे कृष्ण की बाल लीलाओं पर लघु नाट्य का मंचन मनोरंजन का मुख्य केंद्र था। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ एके सिंह ने विजित सदन एवं छात्रों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार राक्षसों का वध करने के लिए त्रेतायुग में श्रीराम ने जन्म लिया था। उसी प्रकार द्वापर युग में अधर्म का नाश करने और धर्म की स्थापना करने के लिए श्री कृष्ण ने इस धरती पर जन्म लिया था। विभिन्न अवसरों पर छात्रों को सदन के माध्यम से प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर सदैव दिया जाता है। विद्यालय मंच से ही भविष्य की दिशा तय हो सकती है, अतः दो कदम बढ़कर अपना प्रदर्शन करें। कृष्ण के अच्छे गुणों को हमें आत्मसात करना चाहिए। जिस प्रकार श्री कृष्ण ने गीता में कर्म करने का उपदेश दिया उसी प्रकार हमें अपने सामर्थ्य के अनुसार कर्म करते रहना चाहिए। कर्म पर हमारा अधिकार है पर फल पर नहीं। अच्छा कर्म करेंगें तो अच्छा फल मिलेगा और बुरा कार्य करेंगें तो बुरा फल मिलेगा। इसलिए हमें सदा अच्छे कर्म ही करने चाहिए। मंच संचालन पूजा भारती एवं तनु प्रिया के द्वारा किया गया।

सतबरवा से जेजेएमपी के तीन उग्रवादी गिरफतार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी के तीन उग्रवादी हथियार से लैस होकर बाइक से ठेकेदारो से लेवी वसूलने और धमकी के उद्देश्य से तुंबागड़ा की ओर से जाने वाले हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सतबरवा पुलिस ने चेतमा गांव के मुख्य सड़क पर नाका चेकिंग लगाया। इसी दौरान एक बाइक पर बैठे लोग वहां से गुजर रहे थे, जो पुलिस को देखते ही बाइक को पीछे मोड़ दिया। हालांकि पहले से मुस्तैद पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। उनकी पहचान विजय पासवान (31), अशोक यादव (34) और अखिलेश कुमार उर्फ अरुण (38) के रूप में हुई है। विजय पलामू जिले के ही लेस्लीगंज के डन्नरा मुड़ा का रहने वाला है, जबकि अशोक लेस्लीगंज के ावाडीह और अखिलेश सतबरवा थाना क्षेत्र के ठेमी सतबरवा का रहने वाला है। पुलिस की मानें तो अशोक यादव का लेस्लीगंज थाना में पुराना आपराधिक इतहास रहा है। पुलिस तीनों उग्रवादियों से पूछताछ कर उनके साथियों के बारे में पता लगाने की कोशिश में जुट गयी है।

जन्माष्टमी पर नकारात्मक लक्षणों से छुटकारा पाने का संकल्प लें: प्रियंका

ईश्वरीय विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्माष्टमी महोत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की हुसैनाबाद इकाई की ओर से सद्भावना भवन में जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। इसका उद्घाटन पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव, जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, कर्नल संजय सिंह, पूर्व नपं अध्यक्ष शशि कुमार, केंद्र संचालिका बीके प्रियंका आदि ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम का संचालन बीके नीरज ने किया। इसमें सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा राधा-कृष्ण अभिनय से शुरू की गयी। जन्माष्टमी का रहस्य बताते

हुए बीके प्रियंका ने कहा कि भगवान के प्रेम में लीन रहकर क्रोध, वासना, अहंकार, लोभ और मोह को अपने अंदर से मिटाने की शपथ ली जाती है। श्रीमद्भगवगीता या रामचरितमानस के अनुसार, ज्ञान के साथ प्रेम, पवित्रता, शांति, शक्ति, आनंद और खुशी को आत्मसात करके इन पांचों विकारों पर विजय पाना ही वास्तविक विजय है। उन्होंने सकारात्मक ऊर्जा के लिए कार्य करने की बात कही। यदि सभी लोग इस जन्माष्टमी पर भगवान को याद करके अपने दोषों और नकारात्मक लक्षणों से छुटकारा पाने का संकल्प लें, तो श्रीकृष्ण जल्द ही फिर से जन्म लेंगे। वह हम सबको कर्म व प्रेम की शिक्षा दे गए हैं। मौके पर बीके धीरज, बीके मनोज भगत, रेखा बहन, वंदना बहन, राम नरेश यादव, धर्मेंद्र कुमार, संतोष गुप्ता, भगवान प्रसाद, अभिमन्यु सिंह, सुरेंद्र कांस्यकर, दिनेश तिवारी, डॉ. मलय कुमार राय, डॉ गया, प्रियंका, कृष्ण प्रसाद, आनंद किशोर, शोभा देवी आदि थे।

विश्रामपुर में मूलभूत सुविधाएं नदारद, पीटा जा रहा है विकास का ढिंढोरा : गोपाल राम

बसपा नेता ने संवाददाता सम्मेलन कर विश्रामपुर मझिआंव विस से पेश की अपनी दावेदारी

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। वरीय बसपा नेता गोपाल राम ने कहा कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से मूलभूत सुविधाएं नदारद हैं और वर्तमान विधायक विकास का ढिंढोरा पीट रहे हैं। सड़क नली-गली आज भी यहां की मूलभूत समस्याएं हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा भी बदहाल है। अब तक के सभी जनप्रतिनिधियों के वादे और दावे खोखले साबित हो चुके हैं। वे सोमवार को बी मोड़ पर बसपा की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्रामपुर नगर परिषद में पेयजल की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। पाइपलाइन से पेयजलापूर्ति की योजनाओं को विधायक व सांसद

आज तक धरातल पर नहीं उतार पाए। उन्होंने आदित्य बिड़ला ग्रुप द्वारा संचालित रेहला ग्रासिम इंडस्ट्रीज प्रबंधन पर भी हमला बोला। कहा कि इस फैक्ट्री से स्थानीय लोग सिर्फ प्रभावित हैं, लाभान्वित तो बाहरी आदमी हो रहे हैं। रेहला और आसपास के क्षेत्र का भूगर्भ जलस्तर फैक्ट्री के नमक भंडारण से खराब हो चुका है। ग्रासिम इंडस्ट्रीज केमिकल प्लांट है, जिसके कारण स्थानीय लोग सदैव खतरा महसूस करते है। लेकिन लोगों की सुरक्षा को लेकर न तो फैक्ट्री प्रबंधन ही चिंतित है और न ही जिला प्रशासन। इस मुद्दे पर तो सांसद और विधायक भी चुप्पी साधे हुए हैं। लेकिन बसपा चुप नहीं रहेगी। जल्द ही फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन का रुख अख्तियार किया जायेगा। गोपाल राम ने विश्रामपुर मझिआंव विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी पेश करते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेताओं से बातचीत हुई है। शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें आश्वस्त करते हुए चुनाव की तैयारी में जुट जाने को कहा है। कहा कि विश्रामपुर विस में एक लाख अनुसूचित जाति के मतदाता हैं। अन्य जातियों का भी वोट मिलेगा।

वन क्षेत्र कर्मियों ने सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ने का लिया निर्णय

सतबरवा/ पलामू (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य अवर वन सेवा संघ के आह्वान पर सरकार की ओर से झारखंड राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली 2014 में अहितकारी संशोधन करके झारखंड राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली, 2024 बनाकर वनपाल के शत प्रतिशत प्रोन्नति के पद में कटौती करते हुए 50 प्रतिशत पदों पर सीधी नियुक्ति करने के निर्णय के विरुद्ध पलामू जिले के सभी वनरक्षियों ने अपने सभी विभागीय कामकाज को छोड़कर 16 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। वनरक्षियों का हड़ताल 10वें दिन सोमवार को भी जारी रहा। वनरक्षियों का कहना है कि पिछले तीन साल से विभाग में एक भी वनपाल(फॉरेस्टर) नहीं है। विभाग पिछले 3 साल से बिना किसी भत्ता के वनरक्षियों से प्रभारी वनपाल का कार्य करवा रही है। विभाग को निःस्वार्थ भाव से तीन साल प्रभारी वनपाल का सेवा देने के बाद जब आज वनरक्षियों का वनपाल में प्रोन्नति का समय आ रहा है तब विभाग इनकी प्रोन्नति रोककर वनपाल की बहाली करने जा रही है। इसी के विरोध में राज्य के सभी वनरक्षी हड़ताल पर चले गए हैं। धरना प्रदर्शन में झारखंड राज्य अवर वन सेवा संघ के संयुक्त मंत्री पंकज पाठक, जोनल मंत्री रोशन सिंह, जोनल अध्यक्ष प्रवीण शुक्ला,जिला मंत्री धीरेन्द्र चौबे, साकेत पाण्डेय सहित शशांक पाण्डेय, पुष्पराज सिंह, शशि कांत कुमार, राजू कुमार, मुकेश मिंज, दीपक मिश्रा, देवेंद्र कुमार देव, दिना शर्मा, रिंकू पांडेय, सुनील कुमार सहित पलामू जोन के लगभग 330 वनरक्षी मौजूद रहे।

बाबा वीर कुंवर ट्रस्ट शाहपुर निबंधित संस्था है इसे अपनी जागीर ना समझें : रामदेव यादव

मनातू/पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि बाबा वीर कुंवर ट्रस्ट शाहपुर एक निबंधित संस्था है, इसे अपनी जागीर समझने की भूल ना करें। सरकारी ट्रस्ट नियमावली की प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष के नाम से बैंक खाता में आय की रकम को जमा करना है और खर्च की सारी आय व्यय को पंजी में अंकित कर वाउचर के साथ विधिवत ऑडिट वर्ष के मार्च माह में कराकर आम सभा की बैठक कर आय व्यय देने का प्रावधान है। जिसमें सदस्य व क्रियाशील सदस्य ही भाग लेने का प्रावधान है। इसका सार्वजनिक ट्रस्ट के जिम्मेवार पदाधिकारियों को करना चाहिए कि ट्रस्ट के नियमों का पालन हो रहा है की नहीं। इस ट्रस्ट में लोकतांत्रिक तरीके से कार्य हो, इसके लिए हर संभव मेरा प्रयास रहेगा।

टूर्नामेंट आयोजित होने से युवाओं को मिलता है अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर: डॉ शशिभूषण

विधायक ने फुटबॉल टूर्नामेंट के विजेता और उपविजेता टीम को दिया पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

पांकी/पलामू। पांकी हाई स्कूल के मैदान में सोमवार को स्वर्गीय रामा सिंह एवं स्वर्गीय बिनोद सिंह की स्मृति में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता के अलावा भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष लवली

गुप्ता शामिल हुए। जिन्होंने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। विधायक ने कहा कि पढ़ाई के साथ ही खेलकूद बहुत जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के टूर्नामेंट के आयोजन होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई भी किया। लगे हाथ उन्होंने टूर्नामेंट आयोजन समिति को आर्थिक सहयोग भी किया। उन्होंने टूर्नामेंट आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन कराते रहें हम आपलोग के साथ रहेगें। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, निरंजन सिंह, कपिल देव सिंह, अजय कुमार सिंह, विशेष सिंह, आवेश कुमार और प्रेमचंद सिंह आदि उपस्थित थे।

ओबीसी समाज को एकजुट होने का दिया संदेश

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नावाबजार प्रखंड के बसना, झरहा समेत विभिन्न गांवों में ओबीसी एकता अधिकार मंच की ओर से न्याय रथयात्रा निकाला गया और जनसभा आयोजित की गई। इस दौरान केंद्रीय सदस्य गोरखनाथ चौधरी ने सभा संबोधित कर ओबीसी समाज के लोगों से जनसंवाद कर अपने हक एवं अधिकारों के लिए एकजुट होकर सरकार के खिलाफ लड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मदेव प्रसाद के साथ जुड़कर ओबीसी समाज को एकजुट किया जाए, ताकि ब्रह्मदेव प्रसाद के हाथों को मजबूती मिले। इससे वे ओबीसी समाज की आवाज विधानसभा पटल पर रख सकेंगें। आज ओबीसी समाज का आरक्षण शून्य के बराबर कर दिया गया है। जो मेरा हक अधिकार था वह मिलना चाहिए था पर मिल नहीं पा रहा है। इसका मुख्य कारण ओबीसी समाज का कुंभकर्णी नींद में सोना है। जिस दिन हम जाग जाएंगे उस दिन हमारा जो हक अधिकार है वह जनसंख्या के आधार पर सरकार को देना पड़ेगा। वहीं, पिंटू यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग में प्रगतिशील सामाजिक राजनीतिक लोग है फिर भी उन्हें सत्ताधारी राजनीतिक लोग चुनावी फायदे के लिए गुणवत्ताहीन तरीके से उपयोग कर रहे हैं। हम सबको एकजुट होना होगा और अपने हक अधिकार के लिए लड़ना होगा। मौके पर राम राज, सुरेंद्र, नारायण महतो, मकुन राम, विनय मेहता, महावीर कुमार, विकेश कुमार आदि मौजूद थे।

हरिहरगंज की ग्रामीण सड़कों का हाल बेहाल

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुलहिया से यादव टोला होते फुलवरिया वीर कुंवर स्थान तक करीब दो किलोमीटर की सड़क बदहाल है। सड़क पर कीचड़ की वजह से स्कूली छात्र छात्राओं और ग्रामीणों का घर से निकलना मुहाल हो गया है। ग्रामीण दीपक यादव, सोनू यादव, धीरेंद्र यादव, जीतबहन यादव, प्रमोद यादव, वीरेंद्र यादव, लालेंद्र यादव, जितेंद्र यादव, विजय यादव आदि ने बताया कि कुलहिया पंचायत अंतर्गत कई सड़क की हालात काफी दयनीय है। जन प्रतिनिधि से अपील के बावजूद भी नहीं सुनी जा रही है। सड़क बनाने के लिए एक वर्ष पूर्व सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा आवेदन में साइन ठेपा कर वर्तमान विधायक से गुहार लगाया था ग्रामीणों की गुहार अब तक नहीं सुनी गई। विदित हो कि सड़क की समस्या सिर्फ कुलहिया पंचायत का ही नहीं है। सरसोत, ढकचा, सलैया, खड़गपुर व अन्य पंचायतों का भी है जो बने कई दशक बीत गए पर अब तक सड़क नहीं बन सका।

शहीद-ए-कर्बला की याद में निकला चहल्लुम जुलूस

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। कर्बला की जंग में शहीद हुए हजरत ईमाम हुसैन और शहीदाने कर्बला की याद में मनाया जाने वाला चहल्लुम हुसैनाबाद में सादगी के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम वक्फ वासला बेगम सदर इमामबारगाह से हुआ, जहां पर तकरीर के बाद शहीदों का ताबूत, अलम, सिप्र, दुलदुल निकाला गया। जो मुख्य मार्गों से होते हुए गांधी चौक पहुंचा। यहां मौलाना सैय्यद अली सजीर रिजवी ने बताया कि आज हम सब शहीदों को श्रद्धांजली देने यहां एकत्र हुए हैं। उनपर किए गए जुल्मों को याद कर हम गम मना रहे हैं। यह गम दुनिया का सबसे बड़ा गम है। पैगम्बर मोहम्मद साहब (स) के परिवार को एक दिन में तत्कालिन यजीद शासक के हुक्म से शहिद कर दिया गया। उन लोगों में यजीद का डर इतना था कि कोई शहीदों के शवों को दफनाने की हिम्मत नहीं कर सका। आज जमाना बदल गया है जहां कर्बला का मैदान वीरान था आज वहां पर करोड़ों लोग चहलूम मनाने कर्बला पहुंचे हैं। ये है लोगों की ईमाम हुसैन से मोहब्बत को दर्शाता है। तकरीर के बाद खूनी मातम किया गया। मौके पर मुत्तवल्ली सैयद तकी हुसैन रिजवी, सैयद हसनैन जैदी, सैयद फिरोज हुसैन, मिर्जा नेहाल, सैयद प्यारे हुसैन, मिर्जा अमिन, सैयद गजंफर हुसैन, डॉक्टर सैयद नादिर रिजवी, सैयद इब्ने हसन, वारिस हुसैन, सैयद फखरू हुसैन, गौहर मिर्जा आदि शांति व्यवस्था बनाने का काम किया। संचालन अरशद हुसैन(अर्शी) ने किया।

स्पोर्ट्स

आइसीसी ने 2025 से टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए तीन बड़े बोर्ड को छोड़कर य क्रिकेट बोर्ड के लिए 125 करोड़ रुपये का एक नया फंड जारी कर सकती है।

टेस्ट क्रिकेट के लिए आइसीसी जारी करेगा 125 करोड़ रुपये, कमजोर नेशनल बोर्ड को मिलेगी मदद

आइसीसी ने 2025 से टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए उठाया है कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आइसीसी) 2025 से टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए बिग थ्री (तीन बड़े क्रिकेट बोर्ड) को छोड़कर अन्य क्रिकेट बोर्ड के लिए एक नया फंड जारी कर सकती है। इसका लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि अन्य बोर्ड आकर्षक फ्रेंचाइजी लीग से बराबर का मुकाबला कर अपनी जगह बना सकें। मुख्य रूप से इसकी पहल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अध्यक्ष मार्क बेयर्ड ने

की थी, जिसका भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (इसीबी) ने भी समर्थन किया था। आईसीसी की इस पहल का उद्देश्य यह भी है कि इससे अलग-अलग बोर्ड के खिलाड़ियों के लिए एक अच्छी मैच फीस देने के लिए सेंट्रल फंड बनाया जा सकेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फंड के बाद टेस्ट मैच में किसी प्लेयर की मैच फीस करीब 8 लाख हो सकती है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि इस साल दिसंबर तक इस प्रस्ताव को अनुमति मिल जाएगी और अगले वर्ष से इसको लागू किया जाएगा। इससे न सिर्फ टेस्ट क्रिकेट बल्कि टी-20 जैसे छोटे फॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए टेस्ट क्रिकेट आकर्षण का केंद्र बनेगा। ये फंड कम धन राशि वाले क्रिकेट बोर्ड को भी लाभ पहुंचाएगा।

1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो सकता है नया फंड

क्रिकेट बोर्ड को जारी की जाने वाली नई राशि डेढ़ करोड़ अमेरिकी डॉलर यानी करीब 125 करोड़ भारतीय रुपए के आसपास हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआइ सचिव जय शाह और इसीबी के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन का समर्थन इस प्रस्ताव को हासिल है। हालांकि इसकी चर्चा अभी शुरूआती स्तर पर ही है और अब तक आईसीसी द्वारा बोर्ड या कार्यकारी समिति के स्तर पर इस संबंध में कोई चर्चा नहीं की गई है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को छोड़कर टेस्ट खेलने वाले अन्य नौ देशों को टेस्ट क्रिकेट में नुकसान उठाना पड़ता है। इसी साल की शुरूआत में क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने बताया था कि साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया के दौरे में बोर्ड को कुल 20 लाख अमेरिकी डॉलर का खर्च आया। 2023 में ही इसीबी, कैरिबियाई धरती पर तीन टी-20 खेलने के लिए राजी हो गई थी जिससे उन्हें फायदा हुआ था। पिछले महीने ही इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला के एवज में एउइ वेस्टइंडीज को अपने घर पर अंडर-19 दौरे की सुविधा भी मुहैया कराने वाला है।

झारखंड सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ जगह-जगह आजसू की जन जागरण पदयात्रा

पांच साल में झारखंड सरकार ने युवाओं और महिलाओं से सिर्फ छल किया : यशोदा देवी

पार्टी की नीतियों से जनता को अवगत कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

गठबंधन सरकार ने विकास की जगह किया भ्रष्टाचार : हलधर महतो

तोपचांची व नावाडीह में जन जागरण पदयात्रा निकालकर झारखंड सरकार की जन विरोधी नीतियों से लोगों को अवगत कराते आजसू नेता-कार्यकर्ता।

नावाडीह/तोपचांची। प्रखंड अंतर्गत उपरघाट के छह पंचायत में पोखरिया मुंगोरंगामाटी, पेंक गोनियाटो काछो कोरियाबेड़ा) एवं कंजकीरो (पिपराडीह) में आजसू केंद्रीय समिति के निर्देश पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम जन-जागरण सह पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आजसू कार्यकर्ताओं ने राज्य की गठबंधन सरकार द्वारा साल 2019 विधानसभा चुनाव में किए गए वादों को पूरा नहीं करने की जानकारी जनता से साझा की। आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं को पांच लाख रोजगार देना, बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता और प्रति महिला को घर चलने के लिए एक वर्ष में 72 हजार चूल्हा खर्चा देना, पिछड़ों को 27 फीसदी आरक्षण आदि कई ऐसा वादे किये, जिसे आज तक पूरा नहीं कर पायी। कार्यक्रम में आजसू के विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी, युवा राज्य संयोजक टिकैत महतो, वरिष्ठ नेता दुर्योधन महतो शामिल थे। यह कार्यक्रम डुमरी विधानसभा क्षेत्र के सभी 70 पंचायत में किया जायेगा। कार्यकर्म की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मिश्रीलाल महतो व संचालन प्रखंड कार्यकारणी अध्यक्ष रामकुमार मराडी ने किया मौके पर केंद्रीय सदस्य सुरेश महतो, मुखिया ललिता देवी, महिला प्रखंड अध्यक्ष साजिया अंजुम, पंसस डेगलाल तुरी, निरंजन महतो, दशरथ मंडल, मोहम्मद अख्तर, मोहम्मद एमतिया अंसारी, हीरालाल महतो, महेंद्र महतो, जितेंद्र महतो, दामोदर महतो, राजेश तुरी, दिनेश महतो आदि शामिल थे। दूसरी ओर, तोपचांची शिव मंदिर प्रांगण से सोमवार को आजसू ने पदयात्रा निकला। जिसका नेतृत्व पार्टी के कार्यकारिणी जिला अध्यक्ष हलधर महतो ने किया। यह पद यात्रा तोपचांची एवं दुमदुमी पंचायत से शुरू हुई। इस दौरान बाउरी टोला, थाना गली, जीटी रोड, गोमो रोड, सुभाष चौक, बुचा कुली रंगरीटाड, नरकोपी होते हुए वाटर बोर्ड मोड में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुमदुमी में तोपचांची के पूर्व मुखिया स्व रघुनाथ महतो एवं आजसू नेता स्व रमेश दास की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर हलधर महतो ने कहा कि राज्य की गठबंधन सरकार ने पांच लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था। वहीं, बेरोजगारों को 5000 व 7000 रुपये रोजगारी भत्ता देने की बात कही थी। जिसे सरकार ने आज तक पूरा नहीं किया। केवल राज्य के खनीज संपदा कोयला, लोहा, अभ्रक और पत्थरों की लूट हुई। वहीं, संतोष महतो ने कहा कि पद यात्रा का मकसद आजसू की नीतियों को गांव के लोगों तक पहुंचाना है। वहीं, सदानंद महतो ने कहा कि तोपचांची प्रखंड व अंचल कार्यालय में लूट मची है। स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण रूप से ठप है। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रमेश मुनि, प्रमोद महतो, रामचंद्र ठाकुर, रमेश जायसवाल, धीरेंद्र राम, प्रेमचंद महतो, कमल डे, शंकर साव, मधुसूदन महतो, त्रिवेणी महतो, देवनारायण महतो, अमर भारती, सरयू प्रसाद महतो, बिंदेश्वरी महतो, विनोद महतो, नीलकंठ महतो, दयाल महतो, मीना देवी, चिंता देवी, किरण देवी, निरंजन मंडल और गणेश मंडल आदि मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

मो साबिर मोदीडीह शाखा सिमेवा के अध्यक्ष, तो मजहर बने सचिव

सिजुआ/कतरास (आजाद सिपाही)। सिजुआ स्टेडियम में कोल माइंस इंजीनियरिंग वर्कर्स एसोसिएशन (सिमेवा) की सोमवार को बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने की। जिसमें मोदीडीह कोलियरी शाखा का पुनर्गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष मोहम्मद साबिर, उपाध्यक्ष लाखों महतो, रामलाल भुइयां, बंशीधर सहिश, अहमद अंसारी, रमेश चंद्र महतो, मोहम्मद इम्तियाज, नंदकिशोर बड़ही, हरिश्चंद्र, सचिव मजहर अंसारी, सहायक सचिव नवीन कुमार सिंह, नवीन कुमार, रवि रजवार, पप्पू कुमार, चंदन रजवार, संगठन सचिव शिवचरण महतो, अर्जुन भुइयां, नौशाद खान, विजय रजवार, कैलाश शाल, कोषाध्यक्ष संजय भगत, सहायक कोषाध्यक्ष राजमोहन चौहान के अलावा कार्यकारिणी के लिए 21 सदस्य चुने गए। इसके बाद एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मोदीडीह कोलियरी कार्यालय परिसर में श्रमिकों के साथ बैठक की। जिसमें बीसीसीएल जोन के अध्यक्ष बुधू यादव, महामंत्री आदित्य नाथ झा, भगवान दुनिया, पी सक्सेना उपस्थित थे। इस दौरान श्रमिकों की समस्याओं पर चर्चा हुई और निराकरण की दिशा में कदम उठाने का निर्णय लिया गया।

अडाणी फाउंडेशन की पहल: टीबी मरीजों के लिए पोषण किट का वितरण

धनबाद (आजाद सिपाही)। अदानी फाउंडेशन ने झरिया और बलियापुर ब्लॉकों के प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पंजीकृत 281 क्षयरोगियों को पोषण किट प्रदान करने की योजना शुरू की है। यह अभियान जुलाई से दिसंबर 2024 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य टीबी मरीजों को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराना है। यह पहल प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत की जा रही है, जो धनबाद जिले के टीबी मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। इससे पहले, 2023 में अदानी फाउंडेशन ने 250 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित की थी। कार्यक्रम में जिला क्षयरोग निवारण संस्थान के अधीक्षक, स्वास्थ्य अधिकारी व अदानी फाउंडेशन की टीम ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पहला कदम में धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल 'पहला कदम' में सोमवार को जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया गया। बच्चों के बीच सरायढेला थाना की एसआई पायल कुमारी भी शामिल हुई। पहला कदम स्कूल में सभी दिव्यांग बच्चे कृष्ण-राधा की वेश में पहुंचे थे। दिव्यांग बच्चों ने गोविंदा बन माखन हांडी फोड़कर उत्सव मनाया। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं कराई गई। जिसमें बच्चों के बीच आंख में पट्टी बांधकर माखन हांडी फोड़ने, राधा-कृष्ण फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आदि शामिल थे। इस दौरान विजयी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। सचिव अनिता अग्रवाल ने बताया की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उत्सव का उत्साह बेजोड़ है। पहला कदम स्कूल में दिव्यांग बच्चों के साथ हर त्योहार का अलग अनुभव देखने को मिलता है। सभी बच्चों ने केक काटकर श्रीकृष्णा का जन्मदिन मनाया।

हाइवा और कार की टक्कर, एक की मौत, चार घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

कथारा। गोमिया मुख्य मार्ग पर छिलका पुल के निकट रविवार को हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान सन्नी केरकेट्टा (16) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कोयला लदा हाईवा और कार के बीच छिलका पुल के समीप आमने-सामने की टक्कर हो गयी थी। कार में पांच युवक सवार थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए सीसीएल के कथारा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों के स्टाफ क्वार्टर निवासी सन्नी केरकेट्टा को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल अभय सिंह (20) और मो शकील (320 को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो कार चालक व एक अन्य युवक को मामूली चोट लगी है। घटना स्थल से ही दोनों अपने-अपने घर चले गए। उधर, गटना की सूचना मिलते ही मृतक की मां और अन्य परिजन कथारा अस्पताल पहुंचे। इधर, बोकारो थर्मल पुलिस ने कागजी कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। उधर, मृतक के परिजनों ने बताया कि सभी युवक ढोरी स्टॉफ क्वार्टर के निवासी हैं। वे कार से तेनुघाट डैम घूमने जा रहे थे। इसी बीच सीसीएल कथारा क्षेत्र के गोबिंदपुर फेज दो परियोजना से कोयला लेकर आ रहे हाइवा डंपर से कार की टक्कर हो गयी। पुलिस ने हाईवा और कार को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

8 सितंबर को माकपा का 16वां शाखा सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय

माकपा की सिंदरी शाखा की बैठक में लिया गया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

सिंदरी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की सिंदरी शाखा-1 की बैठक सोमवार को सिंदरी के रंगामाटी में हुई। जिसकी अद्यक्षता सुबल चंद्र दास ने की। बैठक में माकपा के पूर्व पोलितब्यूरो सदस्य और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री कामरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य व माकपा केंदुआ शाखा सचिव कामरेड केडी सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में पूर्व के निर्णयों की समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान 8 सितंबर को माकपा सिंदरी शाखा-1 का 16वां शाखा सम्मेलन रोहडाबांध में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन की तैयारी व आयोजन की जिम्मेदारी सभी सदस्यों को सौंपी गई है। धनबाद जिला कमेटी के सदस्य और सिंदरी शाखा सचिव गौतम प्रसाद ने कहा कि इस सम्मेलन का आयोजन सिंदरी के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। यह निर्णय स्थानीय जनता के संघर्षों को सशक्त बनाने खासकर झारखंड विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में गौतम प्रसाद, पिंटू चटर्जी, नरेंद्र नाथ दास, सुबल चंद्र दास, शिबू राय, दीपक बनर्जी, गोपाल राय और रामप्रसाद मंडल आदि उपस्थित थे।

बीएसएल में ऊर्जा स्थल पार्क का उद्घाटन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी ने सोमवार को प्लांट के अंदर पीपीसी भवन के समीप ऊर्जा प्रबंधन विभाग की ओर से विकसित 'ऊर्जा स्थल' पार्क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं, अतिरिक्त प्रभार एमएम) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (एचआर, अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद आदि उपस्थित थे। पार्क का मुख्य आकर्षण आर्तरिक संसाधनों से बनाया गया 'ओपन जिम' है जिसमें कर्मी कार्यस्थल के तनाव को दूर करने प्रकृति के मनोरम सान्निध्य में न केवल कुछ पल बिता पाएंगे, बल्कि खुद को तंदरुस्त रखने के लिए अपने फुर्सत के समय व्यायाम भी कर सकते हैं। इसके साथ ही पार्क में तिरंगा और उसके समीप संविधान की प्रस्तावना भी लगायी गयी है। इस पार्क का विकास कार्यस्थल के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए उठाये जा रहे हमारे निरंतर प्रयासों में एक और कदम है। निदेशक प्रभारी ने ऊर्जा प्रबंधन विभाग की पूरी टीम को उनके इस सराहनीय पहल के लिए बधाई दी और सभी से संयंत्र की बेहतरी के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

29 को तीरंदाज खिलाड़ी व प्रशिक्षक होंगे सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिला तीरंदाजी संघ की बैठक सोमवार को को हुई। जिसकी अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष विजय झा ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस साल भी 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर धनबाद के राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। तीरंदाजी संघ के विजय झा ने बताया समारोह 29 अगस्त को हीरापुर लुबी सर्कुलर रोड स्थित यूनियन क्लब में होगा। जिसमें तीरंदाजी के प्रतिभावान नामचीन बालक, बालिका खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में महासचिव जुबेर आलम, उपाध्यक्ष तारकनाथ दास, सदस्य अमित कुमार और सुरेंद्र उपस्थित थे।

दी कंपीटीशन क्लासेस की ओर से कतरास में मैराथन दौड़ का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। प्रतियोगी परीक्षाओं के संस्थान द कंपटीशन क्लासेस की ओर से कतरास में सोमवार को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान पुरुषों के लिए 10 किलोमीटर और महिलाओं के लिए पांच किलोमीटर रेस का आयोजन हुआ। जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से आये सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्था के संचालक विनय साहू, सहसंचालक विवेक साहू व प्रशिक्षक अभिषेक मोहाली के दिशा निर्देश में इस खेल का संचालन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः सुमित रजवार, बृजेश कुमार और सतीश कुमार, जबकि महिला वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान क्रमशः प्राची कुमारी, नाहिद प्रवीण और फरजाना खातून ने हासिल किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कतरास भाजपा मंडल अध्यक्ष सूरजदेव मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देते हुए अपनी प्रतिभाओं को निखारने व सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र दिया। वही संस्था के संचालक विनय साहू ने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का मानसिक वशारीरिक विकास होता है। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवम सिंह, शत्रुघ्न सिंह, शिवम विश्वकर्मा, विकास कुमार आदि का सहयोग रहा।

पिछरी में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

पिछरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। पिछरी पंचायत के विभिन्न मंदिरों में सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी के रूप में धूमधाम से मनाया गया। पंचायतों में राधे कृष्ण मंदिर सहित कई अन्य देवी देवताओं के मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति एवं फोटो स्थापित कर महिला श्रद्धालुओं ने श्री कृष्ण लल्ला की पूजा की। कई स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण की झूला लगाकर उसमें उन्हें विराजमान कर झुलाया गया। पिछरी स्थित राधे कृष्ण मंदिर में देर रात भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव सह पूजन कार्य किया गया। मंदिर को फूलों व लाइट से साज सज्जा किया गया है। रातभर फुसरो से आए भजन मंडली द्वारा 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन किये। मौके पर पवन पाठक, बिरंची मिश्रा, नकुल मिश्रा, गणेश मिश्रा, मुकेश मिश्रा, बजरंगी मिश्रा, राकेश मिश्रा, तपन मिश्रा, धीरज मिश्रा, पंकज मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, दीपक मिश्रा, रितेश मिश्रा ब्रजेश मिश्रा आदि ग्रामीण उपस्थित हुए।

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 6 सितंबर को सिंदरी में

आजाद सिपाही संवाददाता

सिंदरी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) व बजरंग दल के 60वें स्थापना दिवस पर छह सितंबर को सिंदरी में एक कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें प्रमुख पत्रकार एवं राष्ट्रीय वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। उक्त जानकारी विहिप बजरंग दल धनबाद महानगर के जिला मंत्री सोनू गिरी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सिंदरी के कल्पना टाकीज हॉल में होगा। मौके पर रंजीत निषाद, अमन ठाकुर, रोहित सिंह, सिंटू सिंह, जितेंद्र, विवेक कुमार, सुधीर कुमार आदि मौजूद थे।

अशर्फी अस्पताल की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करना मुख्य उद्देश्य : हरेंद्र सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। प्रखंड के गोपीनाथडीह ग्राम स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में सोमवार को 'स्वस्थ शरीर स्वस्थ समाज' अभियान के तहत असर्फी हॉस्पिटल के सीईओ एवं सामाजिक कार्यकर्ता हरेंद्र सिंह की ओर से एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं समाज में कैंसर के लक्षण, बचाव के उपाय, स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जागरूकता बढाने और इसके प्रारंभिक स्तर के निदान को प्रोत्साहित करना था। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपना समुदाय आधारित मूल्यांकन चेकलिस्ट फॉर्म के माध्यम से विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। इनमें ब्लड प्रेशर, आरबीएस, प्लस ऑक्सीजन संतृप्ति, तापमान, वजन, सामान्य स्वास्थ्य, और कैंसर शामिल था। विशेषज्ञ डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की टीम ने शिविर में उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर हरेंद्र सिंह ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ नागरिकों पर टिकी होती है। हमारे इस प्रयास का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में सुधार करना और कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने सभी सहयोगियों, डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों का धन्यवाद किया और भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन का आश्वासन दिया।

सड़क दुर्घटना में एक घायल, हालत गंभीर

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। बेरमो थाना अंतर्गत फुसरो-कथारा हीरक रोड में राम नगर हनुमान मंदिर के पास सोमवार को हाइवा और बाइक की टक्कर हो गयी। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी पहचान नावाडीह थाना के बरवाडीह-पलामू निवासी रामेश्वर तुरी (45) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सीसीएल के केंद्रीय अस्पताल ढोरी ले जाया गया, जहां चिकित्सक राहुल कुमार ने प्राथमिक उपचार करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हाइवा ट्रक बोकारो थर्मल प्लांट से छाई लेकर गोला जा रहा था। इसकी सूचना मिलते ही बेरमो थाना प्रभारी दल बल के साथ पहुंचे गये।

राजस्थान और मध्यप्रदेश में बनेगा श्रीकृष्ण गमन पथ

डीग (भरतपुर)। भगवान कृष्ण की जन्म स्थली मथुरा से लेकर उनकी शिक्षा स्थली उज्जैन को धार्मिक सर्किट के जरिये जोड़ा जायेगा। यह धार्मिक सर्किट करीब 525 किलोमीटर का हो सकता है। यह सर्किट राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार मिलकर बनायेंगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण गमन पथ बनाने की घोषणा की। भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान कृष्ण के गमन पथ को जल्दी ही तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। मध्यप्रदेश के उज्जैन के सांदीपनि में भगवान कृष्ण ने शिक्षा हासिल की है। जानापाव (एमपी) में भगवान परशुराम ने उन्हें सुदर्शन चक्र दिया। धार के पास अमझेरा में भगवान का रुक्मिणी हरण को लेकर युद्ध हुआ। ऐसे स्थलों को सरकार पर्यटन स्थल बनाने जा रही है। माना जा रहा है कि श्रीकृष्ण गमन पथ में राजस्थान के भरतपुर जिले का कुछ हिस्सा भी शामिल होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी पत्नी गीता शर्मा सोमवार को डीग जिले के पूंछरी का लौठा पहुंचे थे। यहां उन्होंने श्रीनाथजी के मंदिर और मुकुट मुखारबिंद की पूजा-अर्चना की।

नालको ने कौशल भारत पहल के तहत एक कदम आगे बढ़ाया

- अनुबंधित कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए आईआईएसएसएससी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत सरकार की कुशल भारत पहल के हिस्से के रूप में, नालको ने इंडियन ऑयरन एंड स्टील स्किल काउंसिल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जिसके तहत एनएसक्यूएफ आधारित कौशल विकास कार्यक्रमों के संचालन द्वारा पूर्व अधिगम महत्व (आरपीएल) की एक प्रणाली स्थापित की जियेगी, जिसके बाद संगठन के अनुबंधित कर्मचारियों के लिए आईआईएसएसएससी द्वारा मूल्यांकन और प्रमाणन किया जायेगा।

आईआईएसएसएससी के सहयोग से नालको निर्धारित उद्योग मानकों के अनुसार अपने कार्यबल के योग्यता स्तर को बढाने में सहयोग करेगा। आईआईएसएसएससी और नालको के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) दोनों संस्थाओं को कुशल भारत मिशन में योगदान करने के साथ-साथ अपने क्षेतें में विकास को बनाये रखने में सक्षम बनायेगा। भुवनेश्वर स्थित नालको भवन में आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह के दौरान श्री श्रीधर पात, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, नालको के निदेशकगण, डॉ सुशीम बनर्जी, सीईओ आईआईएसएसएससी, प्रीतम शंकर पुरकायस्थ, निदेशक बीपीएनएसआई और नालको, आईआईएसएसएससी और बीपीएनएसआई के अहधकारीगण व अन्य उपस्थित रहे।

श्रीधर पात, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा, 'कौशल प्रशिक्षण का लाभ संगठन के सुरक्षित और निरंतर संचालन को सुनिश्चि करने में एक दीर्घकालिक कदम होगा।' इंडियन ऑयरन एंड स्टील स्किल काउंसिल (आईआईएसएसएससी) का गठन भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास नीति 2009 में अनिवार्यतः किया गया, ताकि व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली को सशक्त करते हुए कौशल अंतर को पाटा जा सके, अनुसंधान के संचालन, वितरण तंत्र में सुधार, गुणवत्ता सुनिश्चित करना आदि के माध्यम से कौशल विकास की जरूरतों की पहचान करते हुए कौशल सूची को बनाने, आईटी सक्षम श्रम प्रबंधन सूचना प्रणाली (एलएमआईएस) के विकास के माध्यम से प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की योजना और निष्पादन किया जा सके।

एनटीपीसी बोंगाइगांव ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए शैक्षिक किट वितरित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पड़ोसी गांवों के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनटीपीसी बोंगाईगांव की सीएसआर शाखा और कर्मचारी स्वयंसेवी सेवा (ईवोइस) ने अपनी दिशा कक्षाओं की पहल के तहत हाल ही में 60 छात्रों को शैक्षिक किट वितरित किये। किट, जिसमें किताबें, खेल के जूते, रेनकोट और स्टेशनरी आइटम शामिल थे, आसपास के गांवों के छात्रों को उनके शैक्षणिक और शारीरिक प्रशिक्षण प्रयासों में सहायता करने के लिए प्रदान किये गये थे। इसके अतिरिक्त, शिक्षण और सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए दिशा क्लासेस सेंटर को एक व्हाइटबोर्ड प्रस्तुत किया गया।

इस शैक्षिक किट का वितरण अखिलेश सिंह परियोजना प्रमुख एनटीपीसी बोंगाईगांव की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर देवब्रत कर जीएम (ओएंडएम), आशुतोष विश्वास महाप्रबंधक (संचालन), जीएम थांगजोम कमांडेंट सीआईएसएफ, एमएस कंडारी सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ, आशीष कुमार डिप्टी कमांडेंट सीआईएसएफ, ओंकार नाथ एजीएम (एचआर), संगीता सिंह अध्यक्ष बर्दवी शिकला लेडीज क्लब (बीएसएलसी), सौम्या कर उपाध्यक्ष बीएसएलसी और झुमिता विश्वास वरिष्ठ सदस्य बीएसएलसी उपस्थित थे। उनके साथ ईवोइस के सदस्य, शिक्षक और एचआर - सीएसआर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अखिलेश सिंह ने ईवोइस सदस्य-शिक्षकों के समर्पण की प्रशंसा की और कक्षाओं में भाग लेने के लिए लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए छात्रों के दृढ़ संकल्प की सराहना की। श्री सिंह ने उन्हें बड़े सपने देखने, अधिक ऊंचाइयों की आकांक्षा करने और अपने परिवार और देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

2019 में अपनी स्थापना के बाद से, ई-वॉयस टीम की दिशा कक्षाएं स्थानीय युवाओं के समग्र विकास, उन्हें विभिन्न रोजगार अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए समर्पित रही हैं। पहल में शामिल सीआईएसएफ के साथ एनटीपीसी कर्मचारी युवाओं को सशस्त्र, रक्षा, राज्य और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से मार्गदर्शन और शिक्षा प्रदान करने के लिए कार्यालय समय से परे अपना समय समर्पित कर रहे हैं।

डॉ रामेश्वर उरांव ने 56 सेट डोरंडा में किया बापू वाटिका पार्क का शिलान्यास किया

पार्क में छोटे बच्चों के लिए झूले लगेंगे, विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण किया जायेगा

- रामेश्वर उरांव ने कहा- यह तीसरा पार्क है जो शहर को समर्पित कर रहे हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने 56 सेट डोरंडा रांची में बापू वाटिका पार्क का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे और लाल किशोरनाथ शाहदेव उपस्थित थे। झारखंड के वित्त मंत्री ने वर्तमान समय में रांची सहित झारखंड के सभी महानगरीय शहरों में पार्क की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जिस तरह से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है, अब पार्क मात्र मनोरंजन की जगह न होकर पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक आवश्यकता हो गयी है। पार्क वस्तुतः वर्तमान समय में पर्यावरण की प्राण वायु का कार्य कर रही है। रामेश्वर उरांव ने कहा यह तीसरा पार्क है जो शहर को समर्पित कर रहे हैं। पहले राजीव गांधी वरिष्ठ नागरिक उद्यान, दूसरा बुद्धा पार्क और यह तीसरा बापू वाटिका पार्क का निर्माण किया जा रहा है। उन्हें इस बात को लेकर आंतरिक खुशी है। कांग्रेस के वरीय नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा कि पुनीत उद्देश्यों को देखते हुए पार्क का नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को समर्पित करते हुए बापू वाटिका रखा गया है। उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से 56 सेट के बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और यहां के नागरिक पार्क के लिए प्रयास कर रहे थे और सरकार तक अपनी मांग को पहुंचा रहे थे। आज उन लोगों के लिए बहुत ही खुशी का दिन है कि झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने न सिर्फ पार्क की स्वीकृति प्रदान की वरन स्वयं पार्क का शिलान्यास भी किया। इस मौके पर लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि प्रथम चरण में पार्क के लिए चिह्नित स्थल पर पार्क के लिए चहारदीवारी और गेट का निर्माण कराया जायेगा। तत्पश्चात पार्क में छोटे बच्चों के लिए झूले, विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण किया जायेगा। इस शिलान्यास कार्यक्रम में संजीत यादव, अभिषेक साहू, गोपी दुबे, मेहुल दुबे, अनिकेत कुमार, रुपा राव, सोनाली कुमारी, संजय तिर्की, विवेक कुमार, रोहित कुमार, सना उल्लाह खान, अजय कुमार, राकेश वर्मा, सुभाष छेत्री, आलोक कुमार, सर्वेश सिंह सहित अन्य ने सक्रिय भूमिका निभायी।

30 करोड़ रुपये से ज्यादा का सोना और चांदी लदा कंटेनर जब्त

- सिटी जीएसटी विभाग ने सोने की तस्करी करते हुए दो कंटेनर जब्त किये हैं, कंटेनर से 80 किलो सोना और चांदी जब्त की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सीटी जीएसटी विभाग ने बैंक में पैसा लोड कर रहे गाड़ी में सोना तस्करी करते हुए पकड़ा। भुवनेश्वर हवाई अड्डे से दो वाहनों के आने की सूचना मिली थी। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सीटी जीएसटी विभाग ने दो कंटेनर जब्त किया, जिसमें 80 किलोग्राम सोना और चांदी की तस्करी की जा रही थी। जब्त किये गये सोने और चांदी की अनुमानित कीमत 30 करोड़ रुपये है। हालांकि, यह अभी भी जांच के दायरे में है कि यह सोना कहां से आ रहा था? इसका मालिक कौन है?।

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

खुर्दा रोड-बलांगीर रेलवे लाइन परियोजना उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद बढ़ रही आगे

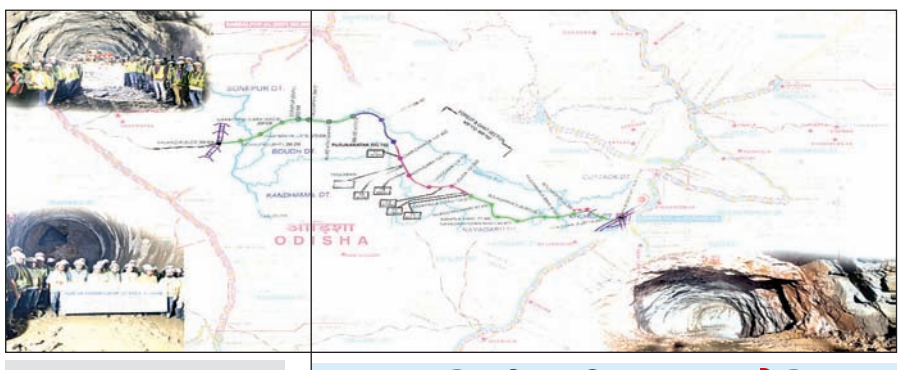

- सुरंगों के निर्माण में भारतीय रेलवे उल्लेखनीय गति से कर रहा है प्रगति

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे को खुर्दा रोड-बलांगीर रेल लाइन परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर सुरंगों के निर्माण में भारतीय रेलवे एक प्रमुख बुनियादी ढांचे की पहल के साथ उल्लेखनीय गति से प्रगति कर रहा है। भारतीय रेलवे की एक महत्वपूर्ण जन-केंद्रित पहल के रूप में, यह परियोजना सभी बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ रही है और दूरदराज के इलाकों में सुरंग बनाने से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल कर रही है। कुल 301 किमी की लंबाई वाली यह परियोजना सुदूर उपनगरीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है और रेल मंत्रालय काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए इस निर्माण कार्य की लगातार समीक्षा कर रहा है।

सुरंग निर्माण की प्रमुख चुनौतियां

- कुल परियोजना के 75 किमी के भीतर 07 सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है।
- दसपल्ला और पुराने कटक के बीच सभी सुरंगें शामिल हैं।
- बौध जिले की 04 सुरंगों में से 03 सुरंगें अधेनीगढ़ और चारीचक के बीच हैं।
- आढेणीगड के पास सबसे लंबी सुरंग की लंबाई 4.885 किमी है, जिसमें 700 मीटर लंबी एस्केप सुरंग (4.185 किमी + 700 मीटर) है।
- दशपल्ला और बाणीगोछी के बीच नयागड जिले में 03 सुरंगें शामिल हैं।
- 04 सुरंगों में टनल ब्रेक थ्रू का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।
- 21 अगस्त 2024 को सुरंग संख्या 1 का कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

सुरंग निर्माण परियोजना निर्माण चुनौती का मुख्य विषय

निर्माण कार्य के बीच में दसपल्ला और पुरूणा कटक के बीच ऊबड़-खाबड़ और जंगली इलाकों से गुजरने वाली खोरधा रोड-बालंगीर रेलवे लाइन परियोजना के साथ, इस 75 किलोमीटर की दूरी के भीतर सात सुरंगों (कुल 12.76KM) का निर्माण पूरे प्रयास के सबसे जटिल और तकनीकी रूप से मांग वाले पहलू के रूप में उभरा है। ये सुरंगें न केवल पहाड़ों को पार करने के बारे में हैं, बल्कि प्रकृति और भूगोल द्वारा बनायी गयी असाधारण बाधाओं पर काबू पाने का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। 20 अगस्त 2024 को 1.795 किमी लंबी सुरंग (नंबर 7) को तोड़ने में सफलता हासिल की गयी और अगले ही दिन 21 अगस्त 2024 को सुरंग नंबर 1 को तोड़ने में सफलता हासिल की गयी। इन सुरंगों का सफल निर्माण अभूतपूर्व इंजीनियरिंग चुनौतियों को दूर करने और दूरदराज के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को वितरित करने की भारतीय रेलवे की क्षमता का भी प्रतीक है।

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**